सुप्रभात
रांची, रविवार
09.03.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantralive.com
khabarmantra.net

फाल्गुन, शुक्ल पक्ष, दशवीं, संवत् 2081 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 236

12 दिल्ली में महिला समृद्धि योजना लागू

रोजा का समय
सेहरी (10.03.2025): 04.40 बजे
इफ्तार (09.03.2025): 05.57 बजे
Sreeleathers
66 K-ROAD, BISTUPUR

अंतिम विजय हमारी होगी

एजेंसी

नयी दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अबतक भारत जिस तरह से खेल रहा है, उससे रविवार को भी फाइनल में जीतने की पूरी उम्मीद है। इस प्रतियोगिता में भारत अबतक अजेय है। अंतिम विजय भीहमारी ही होगी, करोड़ों देशवासियों को यही उम्मीद है। लीग स्टेज में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को भी धोया था। ऐसे में उम्मीद है कि अब फाइनल में भी भारत कीवी टीम को जरूर मात देगी।

बदला चुकाने का सुनहरा मौका

आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल मुकाबले में भारत और न्यूजीलैंड दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के मैदान में रविवार को भिड़ेंगी। भारत के पास 25 साल पहले का बदला चुकता करने का भी सुनहरा मौका है। साल 2000 में हुए खिताबी जंग में टीम इंडिया को कीवी टीम से हार का सामना करना पड़ा था। कल भी हमारी ही जीत होगी। फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड 25 साल बाद एक दूसरे से भिड़ रही।

सानिया ने जीत का किया टोटका

फाइनल मैच के लिए भारत की पूर्व टेनिस प्लेयर सानिया मिर्जा ने रोहित सेना को बिल्कुल देसी अंदाज में भारतीय टीम की नजर उतारते हुए फाइनल के लिए चीयर किया है। जीत की शुभकामनाएं दी। सानिया मिर्जा ने कहा, 'मैं टीम इंडिया को शुभकामनाएं देती हूं। मैं दुबई में ही हूं, लेकिन मैच देखने नहीं जा पायी। थू थू थू... वो जो भी कर रहे हैं बस करते रहे हैं। कल भी जीतें। भारत में कई बार किसी चीज को लेकर नजर ना लगे उसके लिए थू थू थू कर एक टोटका किया जाता है। ऐसे में जब सानिया ने टीम इंडिया के लिए टोटका किया तो वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगे।

फाइनल छप्पर फड़ कमाई

इस बार फाइनल मुकाबला रोचक होने की उम्मीद है। आईसीसी भी इसके लिए कमर कस चुका है। इसी लिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की कुल प्राइज मनी 6.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 59.9 करोड़ रुपए) कर दी गयी है। 2017 में हुए पिछले संस्करण से 53 फीसदी अधिक है। जो टीम जीतेगी उसे छप्पर फड़ कमाई होगी।

भारत प्रबल दावेदार

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत को प्रबल दावेदार बताया है। भारतीय टीम ने अपने सारे मैच दुबई में खेले और सभी जीतकर फाइनल में पहुंची है। सेमीफाइनल में भारत ने आस्ट्रेलिया को हराया था। न्यूजीलैंड टीम ग्रुप ए में भारत के बाद दूसरे स्थान पर रही थी जिसे भारत ने लीग चरण में हराया था।

एनटीपीसी अधिकारी की सरेआम हत्या

घर से दफ्तर निकले थे, अपराधियों ने घेर कर मारी गोली, 3 हिरासत में

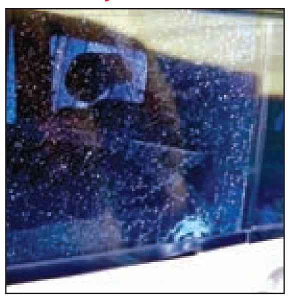

आइजी ने उच्चस्तरीय बैठक में की समीक्षा

एनटीपीसी के अधिकारी की हत्या से इलाके में हड़कंप मच गया है। पूरे राज्य में सनसनी फैल गयी। मामले की गंभीरता को देखते हुए बोकारो रेंज के आइजी एस माइकल राज हजारीबाग पहुंचे। उन्होंने एसपी अरविंद कुमार सिंह, डीएसपी और एसडीपीओ सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इस हत्याकांड ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिये हैं। पुलिस मुख्यालय भी सतर्क हो गया है। बैठक के दौरान आईजी ने घटना की पूरी जानकारी ली और जांच की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों से यह भी पूछा कि एनटीपीसी के कर्मियों और अधिकारियों को सुरक्षा देने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं।

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। एनटीपीसी कोल परियोजना के केरेडारी में डिस्पैच डिपार्टमेंट के सीनियर मैनेजर (डीजीएम रैंक) गौरव कुमार की गोली मार कर हत्या कर दी गयी। शनिवार को हर अपने घर से ऑफिस के लिए निकले थे। रास्ते में ही सुबह करीब 9:30 बजे कटकमदाग थाना क्षेत्र के फतहा के पास उनकी गाड़ी को रोक कर गोलाबारी की गयी। अननफानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वरीय अधिकारी की हत्या से राज्य में सनसनी फैल गयी। बोकारो रेज के आइजी ने वहां पहुंच कर उच्चस्तरीय बैठक की। हजारीबाग के एसपी अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में तीन संदिग्धों को हिरासत में ले कर पूछताछ की जा रही है। मामले का जल्द खुलासा कर दिया जायेगा। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। कुमार गौरव (45) नालंदा जिले के रहने वाले थे। उनकी पोस्टिंग 6 माह पहले ही केरेडारी में हुई थी। वह परिवार के इकलौते पुत्र थे। उनकी एक बेटी है जिसकी उम्र 10 वर्ष है, जो हजारीबाग के स्कूल में पढ़ाई करती हैं। उनका शव पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया।

महिला दिवस पर हेमंत सरकार का तोहफा, हम जो कहते हैं, करते हैं

मंईयां सम्मान राशि खाते में पहुंची

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम हेमंत सोरेन सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। मंईयां सम्मान योजना की 3 महीने की राशि खातों में हस्तांतरित करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। शनिवार शाम जनवरी, फरवरी और मार्च के 7,500 रुपये खटाखट लाभुकों के खाते में जाने शुरू हो गये। राशि मिलने से मंईयां के घरों में जश्न का माहौल है। सरकार ने एक साथ तीन महीने की राशि का तोहफा दिया है, जिससे महिलाओं में खुशी की लहर दौड़ गयी है। सीएम ने सदन में ही घोषणा की थी कि हम जो कहते हैं, वही करते हैं।

वादा निभाया, भाजपा भी वादा पूरी कर

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि आज महिला दिवस का शुभ अवसर है। आज ही मुहलाओं के खाते में सम्मान राशि जानी शुरू हो गयी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, यह राशि आपके स्वाभिमान की राशि है। झारखंड की लाखों मंईयां से किए वादों को हम निभाने का काम कर रहे हैं, राज्य की हर मंईयां को सशक्त बनाने का काम कर रहे हैं। श्री सोरेन ने आशा जतायी कि भाजपा भी अपने राज्यों में माताओं-बहनों से किये वादों को पूरा करने का काम करेगी। झारखंड के पदचिन्हों पर चलने का काम जल्द करेगी। सीएम ने कहा, आने वाले दिनों में होली, बाहा पर्व और ईद भी है। यह राशि सभी लाभुका का परिवार त्योहारों को हर्षोल्लास से मनाने में मदद करेगी।

न्यूज डायरी

एमपी में धर्मांतरण कराने वालों को होगी फांसी

भोपाल। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा है कि एमपी में धर्मांतरण करवाने वालों को फांसी की सजा दी जायेगी। इसके लिए धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक में बदलाव किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने यह बयान 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भोपाल के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में दिया। महिला दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था और अन्य जिम्मेदारियां भी महिला अधिकारियों को ही सौंपी गयी थी। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा एमपी। प्रदेश में जबरन धर्मांतरण के बढ़ते मामलों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख अख्तियार किया है।

राज्यपाल, सीएम, नेता प्रतिपक्ष ने दी शुभकामनाएं

रांची। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, सीएम हेमंत सोरेन और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, नारी शक्ति सिर्फ सृजन नहीं, बल्कि अटूट संकल्प, प्रेम और प्रेरणा की मूर्ति है। वहीं सीएम ने भी महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, जब आधी आबादी सशक्त होती है तो पूरा समाज समृद्ध हो जाता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, नारी तू नारायणी।

तेलंगाना हादसा : रोबोट से ली जायेगी मदद

नगरकुरनूल। तेलंगाना में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के अंदर शनिवार को 15वें दिन भी बचाव अभियान तेजी से जारी रहा। वहां खोजी कुत्तों ने ऐसे दो स्थानों की पहचान की है जहां 3 लोगों के फंसे होने के आसार हैं। बचाव दल को एसएलबीसी सुरंग के आखिरी 50 मीटर में खुदाई करने में भी खतरा है। प्रशान अब रोबोट की मदद लेगा। सुरंग में फंसे 8 लोगों का पता लगाने के लिए चल रहे उपायों की समीक्षा की।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, उपद्रवियों ने बस फूंकी

गुवाहाटी। हिंसामुक्त मणिपुर के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आह्वान के एक सप्ताह बाद फिर से वहां हिंसा भड़क उठी। ताजा हिंसा में एक की मौत हो गयी। वहीं 25 से अधिक लोग घायल हैं। शनिवार को उपद्रवियों एक बस को फूंक दिया।

मंईयां योजना में राशि में बड़ा फजीर्वाड़ा, एफआईआर दर्ज

रांची। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत तमाड़ प्रखंड में बड़ा फजीर्वाड़ा सामने आया है। जांच के दौरान पता चला कि 112 लाभुकों की सम्मान राशि को एक ही बैंक खाते में ट्रांसफर किया गया। इस मामले में जिला प्रशासन ने आरोपी कार्तिक पातर और उसके भाई, जो प्रज्ञा केंद्र संचालक है, के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। रांची जिला प्रशासन द्वारा योजना के लाभुकों के सत्यापन के दौरान तमाड़ प्रखंड के पंडरानी गांव में यह मामला उजागर हुआ। जांच में पाया गया कि कार्तिक पातर ने अपने भाई, जो प्रज्ञा केंद्र संचालक है, के साथ मिलकर 112 लाभुकों के बैंक खाते बदलकर सभी का पैसा एक ही खाते में ट्रांसफर करवा लिया। रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भी अपात्र व्यक्ति इस योजना का लाभ ले रहे हैं, वे स्वेच्छा से आवेदन देकर अपना नाम हटवा लें। खुद नहीं हटाने पर प्रशासन उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा।

महिलाओं के विकास से ही झारखंड आगे बढ़ेगा: कल्पना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महिला दिवस पर अपने आवास पर महिलाओं को संबोधित करते हुए विधायक कल्पना सोरेन ने कहा कि महिलाओं के विकास के बिना विससित झारखंड संभव नहीं हो सकता। इन्होंने कहा कि यही कारण है कि सीएम हेमंत सोरेन सरकार झारखंड की महिलाओं को शैक्षणिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने निरंतर प्रयास कर रही है। महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही हैं। सीएम के नेतृत्व में महिलाओं को उनका हक-अधिकार देने का कार्य किया जा रहा है। दिन-प्रतिदिन झारखंड सकारात्मक दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है। राज्य की महिलाओं के त्याग, संघर्ष और तकलीफ को राज्य सरकार ने करीब से देखा है। सीएम चाहते हैं कि यहां की महिलाओं के चेहरे पर सदैव खुशी झलकती रहे। राज्य सरकार महिलाओं की हर समस्या का समाधान करने का प्रयास कर रही है। सीएम चाहते हैं कि यहां की महिलाओं के चेहरे पर सदैव खुशी झलकती कल्पना ने महिला दिवस की हार्दिक बधाई एवं अशेष शुभकामनाएं दी।

रांची- लोहरदगा ट्रेन की कमान महिलाओं ने संभाली

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। आठ मार्च अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रांची रेल मंडल के द्वारा महिलाओं के सम्मान में एक विशेष ट्रेन चलायी गयी, जिसकी जिम्मेदारी महिला रेल कर्मियों के ऊपर रही। रांची के प्लेटफार्म नंबर एक से खुली इस विशेष ट्रेन को सीनियर डीसीओएम श्रेया सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। महिला दिवस पर झारखंड समेत देश भर में कई आयोजन किये गये। सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी व विधायक कल्पना सोरेन ने इस मौके पर महिलाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उनके आवास पर बड़ी संख्या में महिलाएं उनसे मिलने आयी थीं। कल्पना सोरेन ने इस मौके पर कहा कि मुख्यमंत्री । के नेतृत्व में सरकार झारखंड की महिलाओं को हर स्तर पर आत्मनिर्भर बनाने में लगी है। वहीं पीएम मोदी ने नारी शक्ति को नमन किया और कहा, हमारी सरकार ने हमेशा महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए काम किया है, जो हमारी योजनाओं और कार्यक्रमों में झलकता है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025

हर दिन है खास : सीनियर डीईओएम

श्रेया सिंह ने कहा कि हर दिन महिलाओं के लिए खास है। इसलिए हमेशा महिला दिवस मनाना चाहिए। एक दूसरे के प्रति सम्मान का भाव हो और जो जिम्मेदारी आपको सौंपी जाती है, चाहे घर हो या सरकारी कामकाज उसे बखूबी से निभाये। वहीं सीनियर डीसीएम निशांत कुमार ने इसे महिला सशक्तिकरण का परिचायक बताते हुए कहा कि रांची रेल मंडल के द्वारा महिला दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

पीएम की सुरक्षा महिलाओं ने संभाली : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर पीएम मोदी गुजरात में कार्यक्रम में शामिल पहुंचे। उनकी सुरक्षा व्यवस्था की कमान भी महिला पुलिसकर्मियों ने संभाली। उनका सोशल मीडिया अकाउंट का संचालन महिलाओं ने किया। इसकी घोषणा पीएम ने पहले ही की थी। गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार पीएम के कार्यक्रम की पूरी सुरक्षा व्यवस्था महिला पुलिसकर्मियों ने संभाली। दौरे के बाद पीएम ने 'लखपति दीदी सम्मेलन' को भी संबोधित किया।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	80,600 रु./10 ग्राम
चांदी	:	1,02,000 रु./प्रति किलो

झारखंड के सात नक्सलियों पर एक लाख से सात लाख इनाम की घोषणा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के सात नक्सलियों पर इनाम की घोषणा की गई है। जिन नक्सलियों पर इनाम की घोषणा की गई है वे भाकपा माओवादी, टीएसपीसी और जेजेएमपी संगठन से जुड़े हुए हैं। नक्सलियों पर एक लाख से लेकर 5 लाख तक का इनाम रखा गया है।

सात में चार जेजेएमपी के नक्सली : पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिन सात नक्सलियों पर इनाम की घोषणा की गई है, उनमें से सबसे ज्यादा चार जेजेएमपी के हैं। वहीं एक टीएसपीसी और दो भाकपा माओवादी है। जेजेएमपी और टीएसपीसी दोनों का ही झारखंड के लातेहार, पलामू और चतरा में प्रभाव है।

इससे पूर्व इनामी नक्सलियों की संख्या थी 50

झारखंड में 50 की संख्या में इनामी नक्सली मौजूद हैं। सात अन्य नक्सलियों पर इनाम की घोषणा के बाद इनकी संख्या 57 हो गई है। 50 नक्सलियों पर लगभग 9 करोड़ रुपए का इनाम घोषित है। झारखंड में एक करोड़ के चार इनामी नक्सली हैं, जिनमें मिसिर बेसरा और असीम मंडल शामिल हैं। जबकि 25 लाख रुपए के पांच, 10 लाख रुपए के सात, दो लाख के आठ और एक लाख रुपए 9 नक्सली मौजूद हैं।

किस नक्सली पर पुलिस मुख्यालय ने रखा है कितना इनाम

जेजेएमपी उग्रवादी संगठन के सब जोनल कमांडर सचिन बेंग उर्फ यूजीन पर पांच लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। सचिन झारखंड के गुमला जिले का रहने वाला है। टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के सब जोनल कमांडर मुखदेव यादव उर्फ तूफानी जी पर पांच लाख रुपए के इनाम की घोषणा की गई है। मुखदेव यादव

उर्फ तूफानी झारखंड के पलामू जिले का रहने वाला है। इसके अलावा भाकपा माओवादी के कैडर बासु पूर्ति पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। बासु झारखंड के चाईबासा का रहने वाला है। भाकपा माओवादी के कैडर बासमती जेराई पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। बासमती भी झारखंड के चाईबासा की रहने वाली है। जेजेएमपी के कैडर विशाल जी उर्फ तुलसी पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। तुलसी झारखंड के लातेहार का रहने वाला है। जेजेएमपी के कैडर पलेंद्र गंझु पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। पलेंद्र झारखंड के लातेहार का रहने वाला है। जेजेएमपी के कैडर प्रमोद गंझु पर एक लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गई है। प्रमोद झारखंड के लातेहार का रहने वाला है।

कोयले के अवैध व्यापार में कितने निर्दोषों की जान लेगी राज्य सरकार : बाबूलाल

हेमंत सरकार से कोयला चोरी बंद कराने का किया आग्रह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपराधियों द्वारा एनटीपीसी हजारीबाग के डीजीएम गौरव कुमार की दिनदहाड़े हत्या किये जाने को लेकर पर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हजारीबाग में एनटीपीसी कोयला परियोजना के डीजीएम गौरव कुमार की गोली मारकर हत्या किये जाने की घटना से स्तब्ध हूं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जिस प्रकार भड़काऊ बयान देकर कोयला कारोबार को प्रभावित करने की धमकी दी, उसके बाद से अपराधियों के हौसले और बुलंद हैं।

कोयला कारोबारी पर जानलेवा हमले के बाद भी पुलिस नहीं हुई सचेत : सात मार्च को रांची में एक कोयला कारोबारी पर जानलेवा हमले होने के बाद भी पुलिस सचेत नहीं हुई। अंततः अपराधियों ने एक युवा होनहार अधिकारी की जान ले ही ली। हेमंत सोरेन ने अपराधियों को उकसा कर कोयला कारोबार में खूनी संघर्ष का आगाज कर दिया है। न जाने कोयले के काले कारोबार में कितने निर्दोष लोगों की जान लेगी यह सरकार?

सरकारी तंत्र के संरक्षण में हो रहा कोयला चोरी

झारखंड में धनबाद, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा के इलाके से प्रतिदिन हजारों ट्रक कोयले की चोरी ₹सरकारी तंत्र₹ के संरक्षण में हो रही है, जिसके वसूली का पैसा नीचे से ऊपर तक बंट रहा है। यदि इस चोरी पर रोक नहीं लगी, तो रोज इसी तरह हत्याएं होंगी, निर्दोष लोगों की जानें जाती रहेंगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लिए यह उपयुक्त समय है कि सबसे पहले वे कोयले की चोरी बंद कराएं।

रक्षक ही भक्षक बने रहेंगे, तो कोयला चोरी व अपराध पर कैसे लगेगा अंकुश : अपराधियों को पकड़ने के लिये एसआईटी बनाकर कार्रवाई करना अच्छी बात है लेकिन इससे भी जरूरी है कि कोयला चोरी पर अंकुश लगाने के लिये ईमानदार अधिकारियों के नेतृत्व में एसआईटी बनायी जाए, क्योंकि जबतक रक्षक ही भक्षक बने रहेंगे, तबतक कोयला चोरी और इसको लेकर हो रहे अपराध पर अंकुश कैसे लगेगा? राज्य के डीजीपी तत्काल कोयला कारोबार के सुरक्षित संचालन के लिए सभी परियोजना अधिकारियों, कर्मचारियों और व्यवसायियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

खबर एक नजर में

राष्ट्रपति से मिले राज्यपाल संतोष गंगवार

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य के विकास से संबंधित विभिन्न अहम विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। राज्यपाल ने इस अवसर पर राज भवन, रांची द्वारा प्रकाशित राजभवन पत्रिका की प्रति राष्ट्रपति को भेंट की। यह पत्रिका 31 जुलाई 2024 से 31 जनवरी 2025 तक राज भवन, झारखण्ड की विभिन्न गतिविधियों पर आधारित है।

डीजीपी नियुक्ति को लेकर बाबूलाल मरांडी ने हाई कोर्ट में किया पीआईएल

रांची। झारखंड में डीजीपी नियुक्ति को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री व झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। पीआईएल संख्या 1194/2025 में उन्होंने राज्य सरकार की मुख्य सचिव अलका तिवारी, गृह विभाग की सचवि वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, केंद्रीय गृह मंत्रालय के सचिव व यूपीएससी के चेयरमैन को प्रतिवादी बनाया है। जानकारी के मुताबिक, बाबूलाल मरांडी ने 22 फरवरी को पीआईएल फाइल किया था। पांच मार्च को याचिका हाईकोर्ट में रजिस्टर हुई है। गौरतलब है कि झारखंड में डीजीपी नियुक्ति नियमावली को असंवैधानिक बताते हुए बाबूलाल मरांडी ने सुप्रीम कोर्ट में भी अवमानना याचिका दायर की है।

भाकपा (माले) महासचिव दीपांकर ने छात्र-युवा संघर्ष का किया समर्थन

रांची। आइसा द्वारा 11 मार्च को आयोजित राजभवन घेराव को भाकपा (माले) के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने छात्रों और युवाओं से शिक्षा, रोजगार और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद करने की अपील की है। इससे पहले, भाकपा (माले) राज्य कार्यालय, महेंद्र सिंह भवन, रांची में राजभवन मार्च को सफल बनाने के लिए पोस्टर का लोकार्पण किया गया।

होली से पहले रेलवे ने रद्द की कई ट्रेनें

रांची। होली के पहले रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है। रेलवे ने धनबाद और जमशेदपुर से खुलने वाली कई ट्रेनों को 10 मार्च से 16 मार्च तक रद्द कर दिया है। इसका कारण आद्रा स्टेशन पर चल रहे रेललाइन के कार्य बताए जा रहे हैं।

रद्द की गई ट्रेनों की सूची : भारतीय रेलवे ने रद्द की गई ट्रेनों की सूची जारी कर दी है। इसके साथ ही कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट भी किया गया है। रद्द की गई ट्रेनों में आद्रा-मिदनापुर मेमू और आद्रा पैसेंजर ट्रेन 10 से 16 मार्च तक रद्द रहेंगी। इसके अलावा आसनसोल-आद्रा-आसनसोल मेमू पैसेंजर ट्रेन भी इस दौरान रद्द की गई है।

ट्रेनों के रूट में बदलाव : टाटा-आसनसोल-बड़ाभूम मेमू ट्रेन: 10 मार्च को यह ट्रेन आद्रा तक ही चलेगी और आद्रा-आसनसोल-आद्रा रूट पर नहीं चलेगी। आसनसोल-पारसनाथ-आसनसोल ट्रेन: 13, 14 और 15 मार्च को यह ट्रेन आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी और आद्रा-पुरुलिया रूट पर नहीं चलेगी। खड़गपुर-गोमो-खड़गपुर मेमू एक्सप्रेस: 10 मार्च को यह ट्रेन महुदा-गोमो-महुदा रूट तक ही चलेगी। आद्रा-बाड़ाभूम-आद्रा मेमू पैसेंजर ट्रेन: 11, 15 और 16 मार्च को यह ट्रेन पुरुलिया में शॉर्ट टर्मिनेट कर दी जाएगी।

झारखंड में 6 महीने से कांग्रेस की प्रदेश कमेटी नहीं, सभी प्रमंडल में प्रदेश प्रभारी कर रहे बैठक

झारखंड में कांग्रेस की प्रदेश कार्यसमिति वन-मैन-टीम है, जल्द ही गठित हो सकती कमेटी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में गत छह महीने से प्रदेश कांग्रेस की कमेटी नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति अभी वन मैन टीम है। दरअसल 16 अगस्त 2024 को केशव महतो कमलेश को प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपे जाने के बाद से पीसीसी यानी प्रदेश कांग्रेस कमेटी वन मैन टीम बनी हुई है। करीब छह महीने से बिना प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों के ही पीसीसी चल रही है।

पार्टी में प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, सह सहसचिव जैसे महत्वपूर्ण पद खाली पड़े हैं। वर्तमान समय में पीसीसी केवल अध्यक्ष एवं प्रवक्ताओं के भरोसे चल रही है। इसके बावजूद

झारखंड कांग्रेस द्वारा लगातार राज्य में कांग्रेस को मजबूत करने की कवायद हो रही है। नए प्रदेश प्रभारी के राजू खुद अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर वहां के पार्टी नेताओं और कार्यकताओं से मुलाकात कर रहे हैं। उनके साथ बैठकें कर जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति का आकलन कर रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर बिना प्रदेश स्तरीय टीम के कैसे पार्टी मजबूत होगी।

इस संबंध में प्रदेश कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य डॉ राजेश गुप्ता छोटू कहते हैं कि दरअसल, इस बार प्रदेश प्रभारी की कोशिश है कि जनसंख्या के हिसाब से संगठन में पिछड़ों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों को जगह देने की योजना है। प्रभारी खुद भी अलग-अलग प्रमंडल में जाकर जिलावार लगातार बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार जनसंख्या के अनुपात में पार्टी संगठन में भागीदारी देने के लिए ही प्रदेश कमेटी के गठन में कुछ देरी हो रही है।

प्रभारी का दौरा समाप्त होने के बाद घोषित कर दी जाएगी प्रदेश कमेटी : राज्य में बिना प्रदेश कार्यसमिति के छह महीने से सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष के सहारे पीसीसी चलाने के सवाल पर प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि अभी नए प्रभारी के राजू का प्रमंडलीय स्तर का दौरा अंतिम चरण में हैं। जैसे ही यह दौरा पूरा हो जाएगा, उसके बाद जल्द ही प्रदेश कार्यसमिति गठित हो जाएगी।

महिलाओं को अधिकार, समृद्ध समाज का आधार: सुदेश महतो

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची/सिल्ली। महिलाओं को सम्मान, समान अधिकार और अवसर मिलना समृद्ध और सशक्त समाज की नींव है। सिल्ली विधानसभा स्तरीय महिला सम्मेलन में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने यह बात कही। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य और सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। सुदेश महतो ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का अर्थ सिर्फ. आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और नेतृत्व के अवसर देना है। वर्तमान सरकार महिलाओं के नाम पर सिर्फ चंद रुपये बांटकर उन्हें भरण-पोषण तक सीमित रखना चाहती है,

जो महिला विकास का अपमान है। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले सरकार ने 50 लाख महिलाओं को 1000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन अब 38 लाख महिलाओं को ही राशि देने की बात हो रही है। यह सरकारी खजाने की लूट और वोट बैंक की राजनीति है, जिसकी जांच होनी चाहिए। सुदेश महतो ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का सही अर्थ उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देना है। आजसू पार्टी महिलाओं के अधिकार, सम्मान और स्वाभिमान के लिए हमेशा संघर्षरत रहेगी।

राज्य सरकार ने किया स्टेट ऑयलसीड मिशन का गठन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार नयी दिल्ली द्वारा नेशनल मिशन ऑन एडीबल ऑयल- ऑयलसीड 2024 के लिए दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। इसके तहत झारखंड सरकार ने स्टेट ऑयलसीड मिशन और जिला ऑयलसीड मिशन का भी गठन किया है। राज्य स्तर पर मुख्य सचिव झारखंड की अध्यक्षता में कमेटी बनायी गयी है। भारत सरकार ने मिशन को 10,103 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ 2024-25 के वर्ष 2030-31 तक की अवधि तक के लिए लागू किया है।

स्टेट ऑयलसीड मिशन के उद्देश्य : घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देना और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करना है।

सीएस की अध्यक्षता में बनी कमेटी

मुख्य सचिव झारखंड की अध्यक्षता में कमेटी बनायी गयी है। कमेटी में कृषि सचिव, ग्रामीण विकास सचिव, वित्त सचिव, खाद्य आपूर्ति सचिव, कुलपति बीएयू, कृषि निदेशक, राज्य में अवस्थित आईसीएमआर के निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक नाबार्ड, राज्य समन्वयक एसएलबीसी, तिलहन, वनस्पति तेल उत्पादन आदि से संबंधित दो उद्योग प्रतिनिधि, कृषि कल्याण विभाग भारत सरकार के प्रतिनिधि, राज्य मिशन निदेशक नेशनल ऑयलसीड मिशन शामिल हैं।

भाजपा ने मिशन यूपीएससी पर उठाये सवाल, चयन प्रक्रिया को बताया अव्यवहारिक

आदिवासी छात्रों के साथ क्रूर मजाक और गलतियों से भरपूर है 'मिशन यूपीएससी योजना': अजय साह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने झारखंड सरकार के मिशन यूपीएससी को लेकर कड़ी आलोचना की है। भाजपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि यह योजना छात्रों के लिए कारगर साबित होने के बजाय एक क्रूर मजाक बन गई है। सरकार के नोटिफिकेशन के अनुसार, इस योजना के तहत झारखंड के 100 आदिवासी छात्रों को दिल्ली में यूपीएससी की कोचिंग के लिए 80,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। हालांकि, इस योजना का लाभ किन छात्रों को मिलेगा, इसकी चयन प्रक्रिया

चौंकाने वाली है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत छात्रों की मेरिट लिस्ट तैयार करने का तरीका पूरी तरह से अव्यवहारिक और अनुचित है। चयन प्रक्रिया के अनुसारः सबसे पहले उन छात्रों को लाभ मिलेगा जिन्होंने यूपीएससी का साक्षात्कार दिया है इसके बाद, यूपीएससी प्रीलिम्स पास करने वाले छात्रों को लिस्ट में शामिल किया जाएगा। तीसरे स्थान पर जेपीएससी साक्षात्कार में शामिल हुए छात्र होंगे। चौथे और अंतिम स्थान पर जेपीएससी प्रीलिम्स पास करने वाले छात्र होंगे।

अजय साह ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि जिन छात्रों ने पहले ही यूपीएससी प्रीलिम्स और मेंस जैसी कठिन परीक्षाएं पास कर ली हैं, उन्हें कोचिंग के लिए आर्थिक सहायता देने का क्या औचित्य है? यह योजना उन छात्रों की जरूरतों को नजरअंदाज कर रही है जो वास्तव में इसकी सहायता से अपनी तैयारी बेहतर कर सकते थे। अजय साह ने अन्य राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में ऐसी योजनाओं के तहत छात्रों की मेरिट लिस्ट प्रतियोगिता के जरिए तैयार की जाती है, ताकि योग्य और जरूरतमंद छात्रों का चयन हो सके। गुजरात सरकार ने खुद की कोचिंग व्यवस्था स्थापित की है। यहां छात्रों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिल रहा है। अन्य राज्यों में भी ऐसी योजनाओं का लाभ उन छात्रों को दिया जाता है, जिन्हें वास्तव में इसकी आवश्यकता होती है। उन्होंने झारखंड सरकार से आग्रह किया कि मिशन यूपीएससी के तहत लाभार्थियों की सूची खुली प्रतियोगिता या ग्रेजुएशन के अंकों के आधार पर तैयार की जाए। इससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि योजना का लाभ सही मायनों में उन आदिवासी छात्रों तक पहुंचे, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर मांडर कॉलेज मैदान में आयोजित समारोह में महिलाओं को संगठित हो कर अन्याय के खिलाफ लड़ने का आह्वान

अत्याचार को सहना और देखना अन्याय से कम नहीं : शिल्पी नेहा तिर्की

खबर मन्त्र ब्यूरो

मांडर। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को रांची के मांडर कॉलेज मैदान में प्रगतिशील महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में एक बार फिर आधी आबादी ने अपनी ताकत का अहसास कराया। इस मौके पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने अन्याय और अत्याचार को चुप चाप सहने और देखने को भी अन्याय की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि आज आधुनिक भारत की महिलाएं अब घर की चौखट को लांघ कर अपने हक-अधिकार और खुद पर हो रहे जुल्म-अत्याचार के खिलाफ लड़ने को तैयार है।

शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आज जरूरत है कि महिलाएं एक दूसरे की ताकत बने और जरूरत पड़ने पर संगठित हो कर अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ने को तैयार रहे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में हमेशा से महिलाओं की भागीदारी ने चौंकाया है। कई महिलाएं है जो गांव-पंचायत में बेहतर काम कर रही है। ऐसी महिलाओं का सम्मान जरूरी है। आज समाज में 80 प्रतिशत से ज्यादा महिलाएं अपना योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि मैंने अच्छा काम करने वाली महिला अधिकारियों को भी सबसे ज्यादा महत्व दिया है। यही वजह है कि चान्हो, लापुंग, बेड़ों प्रखंड कार्यालय में महिला अधिकारी काम करती हुई दिख जायेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की राशि होली से पहले मिलने जा रही है। सम्मान राशि 2500 रुपया का निवेश बेहतर तरीके से करें और लखपति दीदी कैसे बने उस पर इस जोर देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग से जिस भी योजना की जरूरत है विभाग का दरवाजा सदैव खुला है।

महिलाओं को किया गया सम्मानित

प्रगतिशील महिला सम्मान समारोह में अलग-अलग क्षेत्र में बेहतर काम करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज लक्ष्मी नारायण मांझी, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लवली चौबे भी शामिल थी। मौके पर महिला समूह की भूमिका, ाहिलाओं पर हो रहे अत्याचार सहित सामाजिक कुरीतियों पर आधारित नाटक की प्रस्तुति भी की गई।

महिला संघर्ष-जीत और आकांक्षा की प्रतीक : के राजू

झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के राजू ने अपने संबोधन में महिला को संघर्ष-जीत और आकांक्षा का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश की महिलाओं ने झारखंड के गांव में आ कर महिला समूह बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आंध्र प्रदेश की महिलाओं ने शराब के खिलाफ सबसे पहले लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया था। शराब बंदी के नाम पर सबसे पहले महिलाओं की गोलबंदी हुई। उस वक्त वो खुद उस जिला के अधिकारी थे। एक गांव से शुरू हुए शराबबंदी आंदोलन से प्रभावित हो कर एक हजार के करीब गांवों में शराब पीने पर पाबंदी लग गई। सरकार ने भी महिलाओं के इस प्रयास का समर्थन किया। वहीं से एसएचजी ग्रुप बनाने की शुरूआत हुई। झारखंड में 2500 रुपए महिला सम्मान के तौर पर मिल रहा है। इस राशि का उपयोग बेहतर तरीके से करें। राशि का बचत कर अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा और परिवार के विकास में अपना योगदान दे सकते है।

महिला अपने काम की बदौलत कर सकती है मुकाम हासिल : डिसूजा

महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नेटा डिसूजा ने कहा कि आज जो मंच के नीचे भीड़ में बैठी हुई महिला है वो कल इस मंच पर होगी। वो अपने काम की बदौलत ये मुकाम हासिल कर सकती है। उन्होंने मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के पिता बंधु तिर्की को प्राउड फादर के नाम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं को सबसे ज्यादा सम्मान दिया है। पहले लोग

कहते थे कि 33 प्रतिशत महिला आरक्षण से किसको लाभ मिलेगा। आज राजनीति के मैदान में महिलाओं की उपस्थित उसका जवाब है। नेटा डिसूजा ने कहा कि महिलाएं मल्टी टास्किंग होती है। एक महिला दूसरी महिला को सम्मान देते हुए आगे बढ़े, ये आज की जरूरत है। महिला पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने का काम करे। महिला पर अत्याचार होते हुए नहीं देखेंगे इसका संकल्प लीजिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि आज महिलाओं के लिए शिक्षा के साथ-साथ राजनीतिक दखलंदाजी जरूरी है। झारखंड सरकार में कांग्रेस कोटे के 4 मंत्री में से 2 महिला मंत्री है। ऐसा कांग्रेस ही कर सकती है। पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि हर साल ये सम्मान महिलाओं को देने का काम करते है। घर की चौखट से बाहर निकल कर अलग-अलग क्षेत्र में काम कर रही महिलाओं को मैं सलाम करता हूं।

समाहरणालय में कार्यरत महिलाएं अब अपने शिशु को पालनाघर में रख कार्य कर सकेंगी

नन्हे-नन्हे बच्चों को देख कर काफी खुश हुए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री।

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने शनिवार को समाहरणालय भवन में कार्यरत्त महिला कर्मियों के लिए क्रेच की सुविधा और उनके बच्चों की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए शिशु गृह का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान डीआईजी सह वरीय पुलिस अधीक्षक रांची, चंदन कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रांची, उत्कर्ष कुमार एवं कार्यपालक दंडाधिकारी, शाइनी तिग्गा, जफर हसनत एवं सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

पालनाघर की सुविधा : मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 में 2017 के संशोधन के बाद कार्यस्थलों पर क्रेच (पालनाघर) सुविधा अनिवार्य को देखते हुए जिला प्रशासन ने क्रेच सुविधा शुरू कर दी है।

महिलाएं अपने काम और मातृत्व के बीच संतुलन बना सकेंगी : महिला कर्मचारी को कार्य समय के दौरान क्रेच में बच्चे को रखने की सुविधा मिलेगी। जिससे बच्चों को स्वस्थ आहार और आरामदायक माहौल मिलेगा। मातृत्व लाभ अधिनियम में क्रेच की सुविधा कार्यरत माताओं को सहयोग देने और उनके बच्चों की देखभाल सुनिश्चित करने के लिए जोड़ी गई है। इससे महिलाएं अपने काम और मातृत्व के बीच संतुलन बना सकती हैं। जिसमें शिशु गृह में महिला कर्मचारी अपने नवजात शिशु की देखभाल करते हुए अपने शिशु को स्तनपान के साथ अपने बच्चों को रख सकती हैं। इस गृह में 0 से 6 वर्ष के बच्चों को रख सकती हैं, जहां छोटे बच्चों के लिए खेल के साधन उपलब्ध है।

गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा खेलकूद प्रतियोगिता के समापन में पहुंचे सीएम

खेल, गीत और संगीत हर उम्र के लोगों के लिए जरूरी : मुख्यमंत्री

■ गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा संवर्ग के कर्मी राज्य सरकार के अभिन्न अंग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान गृह रक्षा वाहिनी धुर्वा रांची में आयोजित झारखंड राज्य गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा खेलकूद प्रतियोगिता-2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज इस समापन समारोह में गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के महिला-पुरुष प्रतिभागियों ने खेल तथा परेड के माध्यम से बेहतर हुनर का प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा संवर्ग के कर्मी राज्य सरकार के अभिन्न अंग के रूप में कार्य करते हैं। शहर हो या सुदूर ग्रामीण क्षेत्र सभी जगहों पर आपकी गतिविधियां निरंतर चलती रहती है। राज्य सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर आम लोगों की सेवा में आप सभी लोग लगे रहते हैं।

जीवन में खेलकूद की बहुत अहमियत : मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक कार्यक्रम या खेलकूद प्रतियोगिता ही नहीं बल्कि आपके साथ-साथ पूरे संवर्ग के कर्मियों के लिए उत्साह और मनोबल बढ़ाने वाला क्षण है। आज के इस व्यस्ततम दिनचर्या में लोग अक्सर तनाव की स्थिति में जीवन व्यतीत करते हैं, परंतु ऐसे प्रतियोगिता अथवा कार्यक्रम के जरिए कम समय के लिए ही सही पर तनावमुक्त होकर इस प्रतियोगिता का आनंद लेते हैं। खेलकूद का जीवन में बहुत अहमियत है। खेल, गीत, संगीत हर उम्र के व्यक्तियों के लिए जरूरी होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा संवर्ग के माध्यम से इस परिसर में खेलकूद प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। आप सभी लोग एक दूसरे के साथ बेहतर समन्वय बनाकर प्रतियोगिता का समापन कर रहे हैं, यह बहुत ही उत्साह, उमंग एवं खुशी की बात है।

मुख्यमंत्री ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को किया पुरस्कृत

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के अलग-अलग जिलों से इस खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल हुए गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा संवर्ग के खिलाड़ियों को अपनी ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न खेलों के विजेता एवं उपविजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। मौके पर अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, डीजी गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा अनिल पालटा, एडीजी प्रशिक्षण प्रिया दुबे, जोनल आईजी रांची अखिलेश झा सहित संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी, पुलिस कर्मी एवं अन्य उपस्थित थे।

झामुमो का कुनबा लगातार हो रहा है मजबूत : मुस्ताक

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली के तत्वावधान में शनिवार को संत पॉल कॉलेज, बहू बाजार चौक के समीप शिविर लगाकर झामुमो की सदस्यता अभियान चलाया गया। सदस्यता अभियान कार्यक्रम के दौरान पार्टी नेताओं अपने संबोधन में लोगों को पार्टी के नीति सिद्धांतों से अवगत कराया। साथ ही कहा कि हेमंत सोरेन की लोकप्रिय सरकार में राज्य विकास की ओर अग्रसर है। मौके पर जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम, पवन जेडिया, अश्विनी शर्मा, डॉ हेमलाल मेहता, बीरू तिर्की, संध्या गुड़िया, सोनू मुंडा, जीत गुप्ता, अकबर कुरैशी, मो सन्नी एवं अन्य शामिल थे।

लोक अदालत में 36675 लंबित मामले और 255856 प्री-लिटिगेशन के वाद निष्पादित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय लोक अदालत का वर्चुअल उदघाटन शनिवार को हाईकोर्ट के न्यायाधीश और झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजित नारायण प्रसाद ने रांची सिविल कोर्ट के कान्फ्रेंश हॉल में किया। जस्टिस सुजित नारायण प्रसाद ने लोक अदालत को त्वरित और सुलभ न्याय का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से वादों का निस्तारण कर वादकारियों को लाभा पहुंचाना है, ताकि वादकारियों का धन व समय का बचत हो। उन्होंने रांची सिविल कोर्ट में लगाये गये जेएसएलपीएस के दीदीयों का स्वयं सहायता समूह के द्वारा लगाये गये सभी स्टॉल का मुआयना भी किया, साथ-ही-साथ आठवी कक्षा के बालिका-बालिकाओं के बीच साईकल का भी वितरण माननीय के द्वारा किया। कार्यक्रम के दौरान लोक अदालत में लाभुकों के बीच माननीय न्यायामूर्ति ने चेक का वितरण भी किया। उन्होंने 05 वाहन दुर्घटना पीड़ित परिवार के बीच 1,59,74,008 रुपए के चेक का वितरण अपने हाथों से किया। साथ ही अजीविका स्वयं सहायता समूह के बीच 296,01,00000 रुपये की परिसंपत्ति का वितरण किया।

इस दौरान रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे ने कहा कि वादों के निस्तारण का सुलभ माध्यम है लोक अदालत। उन्होंने कहा कि जस्टिस सुजित नारायण के निर्देश पर पिछले वर्ष लंबित वादों के निस्तारण में हमलोग अव्वल रहे, यह गौरव की बात है। राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल लंबित मामले 36675 तथा प्री-लिटिगेशन के 255856 वादों का निस्तारण किया गया साथ ही 154,84,08,288 राशि का सेटलमेंट हुआ। मौके पर सदस्य सचिव झालसा कुमारी रंजना अस्थाना के अलावा न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय, उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय एसएस फातमी, वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन कुमार सिन्हा, अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश-1, कुटुम्ब न्यायालय संजीता श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। इनके अलावा रांची जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शम्भु प्रसाद अग्रवाल, महासचिव संजय कुमार विद्रोही भी उपस्थित थे।

अटल जी नहीं होते तो कांग्रेस पार्टी झारखंड नहीं बनने देती और झारखंड अस्तित्व में नहीं आता : चंपई सोरेन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर रांची महानगर-जिला कार्यालय में अटल विरासत सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड के पूर्व प्रधानमंत्री चंपाई सोरेन और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष वरुण साहु ने की। मौके पर दर्जनों वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को पूर्व मुख्यमंत्री एवं संगठन महामंत्री ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में पूर्व सीएम चंपई सोरेन ने कहा कि अटल जी ने लोकसभा चुनाव के दौरान यह कहा था कि आप हम पर विश्वास करिए हम आपको अलग राज्य देंगे। उन्होंने कहा और कर दिखाया। अटल जी की सरकार बनते ही झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिला। अटल जी ऐसी शख्सियत थे कि उनके साथ काम करने वाले, उनकी पार्टी के लोग, जनता तो उन्हें प्यार करते ही थे, उनके विपक्ष में रहने वाले लोग भी सदा उनका आदर करते रहे हैं। अटल जी के सरकार में पहली बार आदिवासी मंत्रालय बनाया गया था। उन्होंने कहा कि आज आदिवासी के बारे में अगर कोई चिंता करता है तो वह भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी हैं। एकलव्य मॉडल विद्यालय देकर आदिवासी बच्चों को मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा किकांग्रेस नहीं चाहती कि देश में आदिवासी आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि अगर डेमोग्राफी पर किसी राजनीतिक दल को चिंता है तो भारतीय जनता पार्टी है।

झारखंड के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने अटल जी को याद करते हुए कहा कि अटल जी एक ऐसी शख्सियत थे, जो प्रत्येक व्यक्ति के मन में बसे हुए थे। कार्यक्रम में जिला महामंत्री जितेंद्र वर्मा, महामंत्री बलराम सिंह, पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ सूर्यमणि सिंह, लाल राजेंद्र नाथ शाहदेव, पूर्व विधायक समरी लाल, डॉ जीतू चरण राम, सीमा पासवान, निर्भय सिंह, डॉ समर सिंह, कमाल खान, प्रेम मित्तल, उमा शंकर केडिया, रागिनी सिन्हा, राजकुमार गुप्ता, कृष्णा शर्मा, ओम प्रकाश पांडेय समेत पार्टी के कार्यकर्ता, प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिलों के पदाधिकारी, मोर्चा के अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे।

सिविल कोर्ट परिसर में खुला नया उप डाकघर एवं पैथोलॉजी कलेक्शन सेंटर

रांची। सिविल कोर्ट परिसर में नया उप डाकघर कॉम्प्लेक्स एवं जे. शरण पैथोलॉजी सेंटर खोला गया है। इसका उद्घाटन शनिवार को हाईकोर्ट के जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और आरडीबीए के महासचिव संजय कुमार विद्रोही ने संयुक्त रूप से किया। सिविल कोर्ट के फास्ट ट्रैक भवन के निचले तल्ले पर उप डाकघर कॉम्प्लेक्स का कार्यालय है। वहीं, पैथोलॉजी कलेक्शन सेंटर डिस्पेंसरी सेंटर में खोला गया है। इस अवसर पर न्यायायुक्त दिवाकर पांडे, उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा, पोस्ट ऑफिस के वरीय अधीक्षक उदयभान सिंह, डॉ. नितिन शरण समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण में सुधार का निर्देश

रांची। नगर निगम क्षेत्र में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण, गीले-सूखे कूड़े के स्रोत पृथक्करण और वार्डों की सफाई व्यवस्था की समीक्षा को लेकर शनिवार को निगम सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उप प्रशासक महोदय ने की, जिसमें नगर निगम की पूरी स्वच्छता टीम उपस्थित थी। बैठक में उप प्रशासक ने निर्देश दिया कि शहर में प्रतिदिन 100 प्रतिशत डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए और गीले कूड़े की मात्रा को बढ़ाकर 150 टन प्रतिदिन के लक्ष्य तक पहुंचाया जाए। बैठक में सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक, जोनल सुपरवाइजर, निगम के वार्ड सुपरवाइजर, एमटीएस इंचार्ज और एजेंसी के सुपरवाइजर मौजूद थे. नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कूड़ा संग्रहण से संबंधित कोई समस्या हो तो वे हेल्पलाइन नंबर 9204822445 पर संपर्क करें।

शहरी व्यवस्था में एआई उपयोग की दी जानकारी

रांची। औरंगाबाद (बिहार) के जेम्स पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट के 35 विद्यार्थियों ने शनिवार को रांची स्मार्ट सिटी में बने कमांड कंट्रोल एंड कम्युनिकेशन सेंटर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित यातायात प्रबंधन और अपराध नियंत्रण के लिए लगे उपकरणों की कार्यप्रणाली को समझा। कंप्यूटर साइंस के इन विद्यार्थियों को एडॉप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम, नंबर प्लेट रिकॉग्निशन सिस्टम, एसवीडी, आरएलवीडी, ईसीबी, एसओएस, वीएमएसबी, पीए सिस्टम आदि पर बारीकी से बताया गया। पब्लिक बाइसिकल शेयरिंग सिस्टम पर किए गए सवालों का भी विद्यार्थियों को जवाब मिला। मौके पर रांची स्मार्ट सिटी के जीएम राकेश कुमार नंदकुलियार, पीआरओ अमित कुमार, प्रबंधक उत्कर्ष कुमार, अंजनी दुबे, सतीश कुमार व कई विशेषज्ञ मौजूद रहे।

शहीद तिलेश्वर साहु को श्रद्धांजलि

रांची। झारखंड में तेली समाज को संगठित करने में अहम भूमिका निभाने वाले शहीद तिलेश्वर साहु को समाज के लोगों ने उनकरी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुभाष साहु ने कहा कि शहीद तिलेश्वर साहु एक शेरदिल इंसान के साथ-साथ बहुत बड़े समाज सेवी थे। समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं। महिलाओं के सम्मान के लिए उन्होंने सदा से आवाज बुलंद करते रहे थे। उनके सपनों को पूरा करने के लिए उनके सुपुत्र जेपीटीएस के अध्यक्ष अरुण साहु लगातार प्रयासरत हैं। श्रद्धांजलि सभा में नवल किशोर साहु, रोहित कुमार साहु, बबलू साहु, पंकज साहु, युगेश प्रजापति, विकास साहु, नीरज साहु, सौरभ साहु, माखन साहु, संजय साहु, विनोद कुमार, सुजीत साहु मनीष महतो विशाल साहु इत्यादि उपस्थित थे।

होलाष्टक हुल्लड़ में शिरकत करेंगी रांची की कवियित्री नीता शेखर

रांची। साहित्य उपवन रचनाकार ने होली के त्योहार को अनोखे अंदाज में मनाने का संकल्प लिया है। यह मंच हर त्योहार पर अलग तरीके से आयोजन करता है। इस बार होली पर भी एक अनोखे और दिलकश अंदाज में आयोजन हो रहा है। साहित्य उपवन रचनाकार की व्यवस्थापिका कार्यकारी अध्यक्षा संगीता मिश्रा हर कार्यक्रम की रूपरेखा बिल्कुल नये कलेवर के साथ बनाकर क्रियान्वित करती हैं। इसमें रांची की कवियित्री सह रचनाकार नीता शेकर भी शिरकत करेंगी।

बीआईटी मेसरा का बिटोत्सव 20 से 23 मार्च तक

रांची। बीआईटी मेसरा के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव बिटोत्सव 2025 के लिए थीम जारी किया गया। बिटोत्सव 2025 का आयोजन 20 से 23 मार्च तक होगा। बिटोत्सव 25 का विषय हस्ताक्षर महापुरुषों का उत्सव है, जो इतिहास में अविस्मरणीय छाप छोड़ने वाले व्यक्तियों को श्रद्धांजलि है। इसके अलावे बिटोत्सव 25 का सामाजिक विषय महानायकों की धरती झारखंड है, जो झारखंड की समृद्ध विरासत और इसके महान व्यक्तियों के लिए एक श्रद्धांजलि है। यह थीम राज्य के क्रांतिकारियों,योद्धाओं और नेताओं के योगदान को रेखांकित करती है जिन्होंने इतिहास को आकार दिया है। बिटोत्सव में लगभग 60 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के उपाध्यक्ष बने अभिषेक कुमार साहू

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी ओबीसी डिपार्टमेंट के चेयरमैन कैप्टन अजय सिंह यादव ने रांची निवासी अभिषेक कुमार साहू को झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ओबीसी डिपार्टमेंट का उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। साथ ही साथ अरगोड़ा निवासी संदीप पाटिल को ओबीसी विभाग का स्टेट कोआर्डिनेटर बनाया है। अभिषेक साहू को ओबीसी विभाग का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस नेताओं ने बधाई दी है। कांग्रेस नेताओं ने कहा यह नियुक्ति न केवल उनके संगठनात्मक कौशल और समाज सेवा के प्रति समर्पण को दशार्ता है, बल्कि ओबीसी समुदाय के अधिकारों और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। अभिषेक साहू के नेतृत्व में ओबीसी समाज की आवाज और अधिक सशक्त होगी तथा सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना को बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि अभिषेक साहू अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ करेंगे, जिससे ओबीसी वर्ग को और अधिक सशक्त एवं संगठित किया जा सके। बधाई देनेवालों में मंत्री दीपिका पांडे सिंह, विधायक दल नेता प्रदीप यादव,उप नेता राजेश कच्छप, विधायक डॉ. रामेश्वर उराँव, आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. राजेश गुप्ता, संजीत यादव, फिरोज रिजवी मुन्ना, कुमुद रंजन, संजय पाल, विमल मंडल, होनी सिंह मुंडा, मो. जिन्नाह, मनोज झा,राजेश कुमार यादव सहित कई वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

राज्यपाल से मिला लोक जन विकास मोर्चा का डेलिगेशन, सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। लोक जन विकास मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने 21 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में मुख्य रूप से आदिवासियों के लिए सरना कोड लागू करने की मांग, रोजगार, मौलिक अधिकार, बच्चों को सामान शिक्षा, एक बोर्ड एक शिक्षा, बाल श्रम मुक्त, बुनकरो, दस्तकारो, हुनरमंदों और विभिन्न उद्यमियों का संरक्षित, देश में प्रखंड स्तर पर प्रेस क्लब का निर्माण, देश में सामाजिक संस्थानों द्वारा सरकारी पैसों से किए जा रहे कार्यों की जमीनी स्तर पर जांच, कोयला हेड ऑफिस झारखण्ड में, कृषि उद्योग-पोल्ट्री, डेरी, मछली पालन, पशुपालन को प्रोत्साहन, कृषकों को स्वयं सहायता समुह गठित कर सरकारी एवं बैंकिंग सुविधा, महिलाओं के कल्याण और उत्थान के लिए प्रभावी योजना, खनिजों की नई दर और रॉयल्टी, शैक्षिक स्तर पर उन्नयन और तकनीकी शिक्षा व्यवसाय, झारखंड के 60% विस्थापितों और वंचितों को उनका मौलिक अधिकार, देश और झारखंड के शहीद स्थलों को पर्यटन, उठळ और रढळ एक्ट का हो रहा उल्लंघन पर रोक एवं लृएउ उद्योग संस्थान को पुनर्जीवित करने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भुनेश्वर लोहरा, प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष अधिवक्ता निशा कुमारी लोहरा, प्रदेश युवा मोर्चा अध्यक्ष महेश कुमार मुंडा, रांची महानगर अध्यक्ष चंदन पाहन, रांची महानगर महासचिव गीता लकड़ा शामिल थे।

रांची जिला में पहली बार टॉक-टू-डीसी कार्यक्रम में आयी जन समस्याएं

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची जिला में सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपने पंचायत भवन से ही जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त, रांची मंजूनाथ भजंत्री को अपनी समस्याएं बता रहे थे, मौका था टॉक-टू-डीसी कार्यक्रम का। जिसमें समाहरणालय स्थित एनआईसी सभागार से जिलास्तरीय पदाधिकारी थी जुड़े थे।

हर प्रखंड के पंचायत के ग्रामीणों ने बतायी अपनी समस्याएं : कार्यक्रम के दौरान मंजूनाथ भजंत्री ने विभिन्न पंचायतों के ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और मौके पर ही संबंधित पदाधिकारी से अपडेट लेते हुए समस्या के समाधान के आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। जिन ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्याएं बतायी गयी उनका संपर्क नंबर भी उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा लिया गया ताकि आवश्यक कार्यवाही के संबंध में उन्हें जानकारी दी जा सके।

पेंशन, राशन, पानी एवं बिजली की समस्या : टॉक टू डीसी कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने भजन्त्री को पेंशन, राशन, पानी एवं बिजली की समस्या से अवगत कराया। सुदूर लापुंग प्रखण्ड के दानेकेरा पंचायत के महेन्द्र महतो ने बताया कि उन्हें दो महीने से पेंशन नहीं मिल रहा है। मंजूनाथ भजन्त्री ने सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा को जांच करते हुए पेंशन भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बुढ़मू प्रखण्ड के सारले पंचायत से आशीष बेसरा द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत जलापूर्ति के लिए लगायी गयी पाइप के टूटने की समस्या बतायी, इस संबंध में डीसी ने अभियंता को यथाशीघ्र जलापूर्ति में सुधार का निर्देश दिया।

तमाड़ के ओझासाड़म पंचायत की मायावती कुमारी ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत लगे नल से एक महिला द्वारा पानी नहीं लेने दिया जाता, महिला द्वारा पास के स्कूल भवन में भी कब्जा किया गया है। मंजूनाथ भजन्त्री ने मामले की पुलिस जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जिला शिक्षा अधीक्षक को स्कूल भवन में कब्जे की भी जांच के निर्देश दिये गये।

कार्यक्रम के दौरान कई पंचायतों के ग्रामीणों द्वारा अबुआ आवास स्वीकृति में विलंब की जानकारी दी गयी। ग्रामीणों से भजन्त्री ने उनका सीरियल नंबर पूछा और बीडीओ सहित जिला स्तर से पोर्टल पर अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। बुढ़ूम प्रखण्ड के चकमे की बिंदिया देवी ने बताया शादी के बाद वो अब ससुराल के राशन कार्ड में अपना नाम दर्ज कराना चाहती हैं, इसके लिए उन्होंने ऑनलाइन आवेदन भी किया है।

स्पीड न्यूज

मौर्या फार्म हाउस में होली मिलन 12 को

मेदिनीनगर। पांकी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने नीलांबर पीतांबरपुर स्थित मौर्या फार्म हाउस में 12 मार्च को रंगारंग व भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया है। उक्त जानकारी विधायक डॉ कुशवाहा शशिभूषण मेहता दी। विधायक ने समारोह में पंचायत प्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं पार्टी कार्यकर्ता सहित पांकी विस क्षेत्र के प्रबुद्धजनों आम नागरिकों मीडिया कर्मियों से अपना बहुमूल्य समय निकालकर शामिल होने की अपील की है।

उवि कटैया में खेल महोत्सव आयोजित

हरिहरगंज पलामू। प्रखंड के कटैया गांव स्थित स्तरोन्नत उच्च विद्यालय परिसर में शनिवार को विद्यार्थियों के बीच खेल महोत्सव मनाया गया। इसमें कक्षा एक से पांच के विद्यार्थियों में बोरा रेस, मेढक रेस, चम्मच रेस, दौड़ सहित कई खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन कर प्राचार्या अभिलाषा कुमारी ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल जरूरी है। मौके पर आइसीटी इंस्ट्रक्टर मनीष रूद्र, लिपिक संतोष कुमार, शिक्षिका बसंती कुशवाहा भी थे।

मवि बेदौलिया में बच्चे हुए सम्मानित

हुसैनाबाद पलामू। प्रखंड क्षेत्र के पोलडीह पंचायत के बेदौलिया में शनिवार को आठवीं बोर्ड के विद्यार्थियों को मॉक टेस्ट लिया गया। मॉक टेस्ट में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रभारी प्राचार्य जयप्रकाश शर्मा ने कलम-कॉपी देकर सम्मानित किया। मालूम हो कि आठवीं बोर्ड परीक्षा 10 मार्च को होनी है। इसके पूर्व पिछले माह से अपने विद्यालय के आठवीं कक्षा की विद्यार्थियों को प्रतिदिन मॉडल टेस्ट क्वेश्चन हल करा रहे थे। जनवरी में शत प्रतिशत उपस्थिति वाले बच्चे सम्मानित किये गये। जिसमें अर्चना, रितिक, पीयूष, रिया, काजल, पूजा, चांदनी, प्रियांशु, गीतांजलि, अनमोल, राहुल, निहु शामिल थे।

परिभ्रमण पर गये स्कूली बच्चे

हरिहरगंज पलामू। स्टूडेंट पुलिस कैडेट्स योजना के तहत शनिवार को पिपरा प्रखंड के स्तरोन्नत उच्च विद्यालय विश्रामपुर पिठौरा के 48 स्कूली बच्चे एकदिवसीय परिभ्रमण पर गये। थाना प्रभारी बिमल कुमार ने उन्हें टॉफी, बिस्किट देकर तथा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। थाना प्रभारी बिमल कुमार ने कहा कि स्टूडेंट पुलिस कैडेट प्रोग्राम सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को एक जिम्मेवार नागरिक बनाने, शांति व नागरिक सुरक्षा के लिए पुलिस और छात्रों में मित्रवत संबंध स्थापित करना है। मौके पर प्राचार्य सुनील उपाध्याय, शिक्षक सुनील कुमार, रमाकांत यादव, मनोज जायसवाल, कृष्णा यादव, धिरेंद्र सिंह आदि थे।

बेटियां-छात्राएं की गयीं सम्मानित

पांकी पलामू (शिवशंकर पासवान)। पांकी महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इसकी मुख्य अतिथि पुलिस निरीक्षक अंचल पांकी पूनम टोप्पो थीं। वहीं, विशिष्ट अतिथि सामुदायिक चिकित्सा केंद्र पांकी की डॉ किरण कुमारी, पांकी मध्य जिप सदस्या खुशबू कुमारी, पश्चिमी जिप सदस्या निधि कुमारी रहीं। मौके पर सचिव डॉ विंदेश्वर सिंह, दानदाता सदस्य सकेटेश्वर सिंह, प्राध्यापक डॉ वंशीधर सिंह, रामविलास सिंह, राजीव रंजन, डॉ राजेश्वर चौधरी, रमेश सिंह, अमित कुमार, राजेश महतो, सुरेंद्र शर्मा, राजेंद्र सिंह, लालन कुमार सहित सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मांगें पूरी नहीं हुईं, तो होगा व्यापक आंदोलन : डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी

विश्रामपुर (पलामू)। गढ़वा रोड जंक्शन पर फूट ओवर ब्रिज की मांग को लेकर खैरा विकास मंच के अध्यक्ष ललन प्रसाद पांडेय ने शनिवार को एक दिवसीय भूख हड़ताल की। वहीं श्री पांडेय के समर्थन में स्थानीय लोगों ने स्टेशन के समक्ष धरना-प्रदर्शन भी किया। संचालन वरीय भाजपा नेता डॉ वी पी शुक्ला ने किया। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि गढ़वा रोड जंक्शन रेलवे को पलामू प्रमंडल में सबसे ज्यादा राजस्व देता है। राजस्व के हिसाब से इस स्टेशन को सुविधा भी ज्यादा मिलना चाहिए। फुट ओवर ब्रिज की मांग वर्षों पुरानी है। अगर यह मांग जल्द पूरी नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जायेगा। मौके पर रंजीत सिंह, अमरेश तिवारी, सुधीर चौबे, पंकज लाल, मंगल गुप्ता, रवींद्र उपाध्याय, विकास चौबे मिंटू, कश्यप चौबे, प्रमोद दीक्षित, अनिल सिंह, कश्यप चौबे थे।

राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ ने महिला दिवस पर की संगोष्ठी

सतबरवा। राष्ट्रीय चेरो जनजातीय महासंघ सतबरवा प्रखंड इकाई ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बोहिता देवी मंडप के प्रांगण में संगोष्ठी आयोजित की। जिसकी अध्यक्षता महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजो देवी तथा संचालन मनोरमा देवी ने किया। बैठक में अतिथि के रूप में महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक अवधेश सिंह चेरो ने भाग लिया। श्री चेरो ने कहा कि देश की आधी आबादी जीवन के हर एक क्षेत्र में तेजी गति से आगे बढ़ रही हैं। महिला के बिना मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए महिलाओं को रक्षा तथा सम्मान होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज की महिला एक ग्रहणी से लेकर पायलट के रूप में कार्य कर रही हैं। जब महिला सशक्त होगी कभी हमारा व समाज सशक्त होगा। महासंघ के राष्ट्रीय सलाहकार भरदुल सिंह ने कहा समाज को आगे बढ़ाने को लेकर महिला शिक्षा पर बल देने की जरूरत है। उन्होंने समाज में फैले कुरीतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि अशिक्षा, दहेज प्रथा, नशा जैसे सामाजिक बुराई को दूर करने के लिए आगे आने की जरूरत है।

बीएयू में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक आंदोलन है : कुलपति

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एससी दूबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही डॉ सुशील प्रसाद (अधिष्ठाता, पशुपालन), डॉ आलोक पांडे, डॉ बीके झा (को-ऑर्डिनेटर, एनएसएस), वरिष्ठ प्राध्यापक, विद्यार्थी और अन्य गणमान्य अतिथि भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की विशेष अतिथि मुंबई से आयी सारन्या मुरलीधरन ने छात्रों को विदेश में उच्च शिक्षा के अवसरों और करियर निर्माण के विषय में मार्गदर्शन प्रदान किया।

महिला सशक्तिकरण पर कुलपति का संदेश : कुलपति डॉ एससी दूबे ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। महिलाओं की शिक्षा, अधिकारों और नेतृत्व को बढ़ावा देकर ही हम एक समतामूलक समाज की नींव रख सकते हैं।

कार्यक्रम के प्रमुख विषय : महिलाओं की शिक्षा और अनुसंधान में बढ़ती भागीदारी, समाज में लैंगिक समानता और इसके महत्व, महिलाओं के लिए समान अवसर और नेतृत्व की भूमिका, कार्यस्थलों पर महिला सशक्तिकरण के उपाय।

इतिहास और वर्तमान परिप्रेक्ष्य : 1917 में जब महिलाओं ने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया था, तब से लेकर आज तक समाज में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। आज महिलाएं राजनीति, विज्ञान, खेल, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। विशेष रूप से, वेटरनरी साइंस के क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले जहां कुछ ही छात्राएँ इस क्षेत्र में प्रवेश करती थीं, वहीं अब यह संख्या 50-60% तक पहुँच चुकी है।

बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस आयोजन ने महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक नई ऊर्जा प्रदान की। विश्वविद्यालय प्रशासन ने महिलाओं के विकास और समान अवसरों को सुदृढ़ करने के अपने प्रयासों को जारी रखने का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विशाखा सिंह ने किया। स्वागत संबोधन डॉ बीके झा ने दिया और धन्यवाद डॉ रितु ने दिया।

निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल में शिक्षिकाएं छात्राएं और महिला कर्मी हुईं सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल में शानिवार को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं, शिक्षिकाओं तथा महिला कर्मचारियों को विद्यालय प्राचार्य विजय कुमार शर्मा ने सम्मानित किया। स्कूल असेंबली में विद्यार्थियों ने अपने सुन्दर भाषण के द्वारा समाज तथा राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की योगदान के बारे में बताया एवं सुन्दर गीत के साथ अपना आभार देश के सभी महिलाओं के प्रति प्रकट किया। छात्र-छात्राओं ने इस अवसर पर महिलाओं के लिए प्रेरणादायक नारे तथा पेंटिंग के माध्यम से महिलाओं की शक्ति और संघर्ष को दशार्ते हुए उनका सम्मान दिया। विजय कुमार शर्मा ने कहा की यह दिन हमें याद दिलाता है कि महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में अहम योगदान दे रही हैं। यह दिन हमें सशक्तिकरण बढ़ाने और सभी के लिए एक समावेशी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित करता है। मौके पर उपस्थित विद्यालय की सचिव सीमा शर्मा ने भी छात्राओं शिक्षिकाओं तथा महिलाओं कर्मचारी को बधाई दी और कहा विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में महिलाओं की अहम भूमिका है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक शामिल थे।

महिलाओं को मजबूत व आत्मनिर्भर बनने के लिए किया उत्साहित

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज में आईक्यूएसी व वीमेन सेल के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ फादर रोबर्ट प्रदीप कुजूर एसजे ने महिलाओं को मजबूत व आत्मनिर्भर बनने और बनाने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज में हमेशा सबको समान अधिकार देने का प्रयास करते हैं। महिलाएं अपने हक की बातें को आगे रखना सिखे और चुनौतियों से निपटना सीखें। कॉलेज वीमेन सेल की अध्यक्षा डॉ भारती सिंह रायपत ने भी शुभकामना सन्देश दिया। भौतिकी विभाग की डॉ नुसरत अहमद एवं वनस्पति विज्ञान विभाग डॉ मधुलिका सिंह ने कॉलेज में बिताए गए क्षणों को साझा किया। महिला दिवस पर आमंत्रित यूनाइटेड फॉर ह्यूमेन के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को मानवधिकार व महिला सशक्तिकरण पर चर्चा की।

डीएवी गांधीनगर में धूमधाम से मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल गांधीनगर में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष में विद्यालय के सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ पुरुष शिक्षकों के साथ सभी कर्मचारियों ने प्राचार्य की अगुवाई में नारी सम्मान में मंत्रोंच्चारणसे प्रारंभ किया। इसके उपरांत विद्यालय की संगीत शिक्षिका लक्ष्मी कुमारी ने सुंदर साइकिल गीत प्रस्तुत किया तथा शिक्षिका रजनी सिंह ने भी अपनी सुंदर गायकी से कार्यक्रम को और भी सुंदर बना दिया। इसके बाद शिक्षक सत्यार्थ प्रकाश कथा शिक्षिका शालिनी तिवारी ने नारीशक्ति के सम्मान में एक सुंदर सी स्वरचित कविता प्रस्तुत की। विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार झा ने कहा कि नारी सृष्टि की रचनाकार है। इसलिए हमारा परम दायित्व बनता है कि सदैव इनका सम्मान करें। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक कृष्णा नंद तिवारी ने किया।

महिलाओं के प्रति साकारात्मक सोच से देश बदलेगा

नीरजा सहाय डीएवी में मनाया गया महिला दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नीरजा सहाय डीएवी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मून भट्टाचार्जी (चीफ मैनेजर एंड डेवलपमेंट हेडऑफ क्रेडिट मॉनिटरिंग डेवलपमेंट ऑफ बैंक ऑफ इंडिया राँची जोन), एडवोकेट ओएसी दास (बी ए, एलएलबी, एलएलएम, दिल्ली यूनिवर्सिटी एंड एन यू जे स कोलकाता), दीपानीता सेन (वाइफ ऑफ हाई कोर्ट जज) और तनुश्री सरकार चेयरपर्सन सी डब्लू सी खूंटी), रोसी वाधवानी (आनंद स्वामी डीएवी स्कूल की हेडमिस्ट्रेस) थे। इस दौरान नारी सशक्तिकरण पर आधारित वीडियो की प्रस्तुति हुई। इसमें महिलाओं की शक्ति, कोमलता तथा विभिन्न रूपों को दर्शाया गया प्राचार्या किरण यादव ने कहा कि नारी के लिए केवल आज का दिन महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि हर दिन उसके लिए महत्वपूर्ण है। वह घर के साथ-साथ बाहर के कामों को भी बखूबी निभाती है। शिक्षिका श्वेता सिंहा एवं उनकी बेटी मीरा द्वारा मंत्र मुग्ध कर देने वाला नृत्य प्रस्तुत किया गया। सामूहिक डांस, फन गेम ने कार्यक्रम को और भी रोचक बना दिया। शिक्षिका घटा गिरी द्वारा स्वरचित कविता प्रस्तुत की गई। अतिथियों द्वारा भाषण दिया गया जिसमें उन्होंने यह संदेश दिया कि हमें समाज में महिलाओं के प्रति जो दृष्टि है उसको भी बदलनी होगी, तभी हमारा देश सही मायने में आगे बढ़ेगा। शिक्षिका प्रेमलता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

श्याम मंडल का फाल्गुन सतरंगी महोत्सव आज से

रांची। श्री श्याम मण्डल, रांची का तीन दिवसीय विराट फाल्गुन सतरंगी महोत्सव नौ से 11 मार्च तक आयोजित किया जायेगा। सभी कार्यक्रमों का आयोजन राजधानी रांची के अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में होगा। कार्यक्रम को लेकर पूरे मन्दिर की साफ सफाई के बाद आकर्षक ढंग से सुसज्जित किया जा रहा है और श्रृंगार के लिए कोलकाता से आए हुए कारीगरों की टीम कार्य में जुटी है। वहीं नौ मार्च को दोपहर तीन बजे श्री लक्ष्मीनारायण मन्दिर (सेवा सदन हॉस्पिटल के निकट) से विधि विधान से निशान (ध्वजा) यात्रा शुरू होगी जो रांची के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर पहुंचेगी। इस अवसर पर मुख्य तौर पर 750 श्रद्धालु अपने कंधों पर श्री श्याम नाम रूपी निशान लहराते हुए चलेंगे। इस अवसर पर भक्तजनों के लिए संपूर्ण मार्ग में प्रसाद वितरण की व्यवस्था रहेगी।

राजधानी में निकली जीण माता की शोभायात्रा

रक्षा शक्ति विवि में मना अंतराष्ट्रीय महिला दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ हेमेंद्र कुमार भगत ने कहा कि हर साल दुनिया भर में 8 मार्च को एक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। ये दिन महिलाओं को समर्पित है। आज शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, खेल हर क्षेत्र महिलाओं की उपलब्धियों से भरा हुआ है। सभी को शुभकामनाएं देते है। मौके पर मौजूद विवि के शिक्षिका डॉ कृति निगम, डॉ प्रिया नम्रता टोपनो, रवीना, स्वेता, बिना, नेहा, स्वीटी, समेत अन्य लोग मौजूद थे।

सीआईटी में महिला दिवस समारोह पूर्वक मना

नारी का सम्मान सर्वोपरि : प्राचार्य

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर शनिवार को सीआईटी में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मौके पर आयोजित विचार गोष्ठी में महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, महिला अधिकार व सम्मान को लेकर विस्तृत चर्चा की। प्राचार्य डॉ एल रंगनाथन ने कहा कि संसार की सभी विद्याएं देवी की अभिव्यक्ति है, और जगत की समस्त नारी शक्ति में भी उनका ही स्वरुप है। अतः नारी का सम्मान सर्वोपरि है। कार्यक्रम को कैंब्रिज ट्रस्ट की जॉइंट सेक्रेटरी डॉ पल्लवी सिंह, उप प्राचार्य प्रो रसिका नवनीत सिंह, डॉ शालिनी सिंह, प्रो स्वेता सोनाली धॉल, प्रो रिया सिंह ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में महिलाओं ने नागपुरी नृत्य, कविता, अंतराकक्षरी का भी लुत्फ उठाया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के राष्ट्रीय सेवा योजना व उन्नत भारत अभियान सेल के बैनर तले किया गया।

देवरी खुर्द पंचायत में महिला दिवस पर आयोजित किया गया भव्य कार्यक्रम

- महिला सशक्तिकरण से ही पंचायत का विकास संभव है : एसडीएम
- महिलाओं की सुरक्षा पुलिस का प्राथमिक कर्त्तव्य है : एसडीपीओ
- कल भी श्रेष्ठ थे आज भी कमजोर नहीं, महिला हर क्षेत्र में आगे : ममता देवी

कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

खबर मन्त्र संवाददाता

हुसैनाबाद, पलामू। शनिवार को देवरी खुर्द पंचायत सचिवालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भव्य कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि एसडीएम गौरांग महतो, विशिष्ट अतिथि एसडीपीओ सह आइपीएस एस मोहम्मद याकूब, मुखिया ममता देवी ने देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले, रमाबाई अंबेडकर, रानी लक्ष्मीबाई, पूर्व पीएम इंदिरा गांधी व फूलन देवी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित व पुष्पर्पित कर किया। कार्यक्रम का संचालन अजीत ओझा ने किया। एसडीएम ने कहा कि मुझे इस गांव पंचायत में महिलाओं की उपस्थिति यह बताने के लिए काफी है कि यहां की महिला जागरूक हैं। मुखिया, उप मुखिया, पंचायत सचिव वार्ड मेंबर सभी महिला हैं। एसडीपीओ ने कहा कि पुलिस आप महिलाओं की सुरक्षा में सदैव तत्पर रहेगी, हुसैनाबाद पुलिस इसके लिए कटिबद्ध हैं, साथ महिलाओं में जारूकता होना जरूरी है, महिला शिक्षा प्राप्त कर किसी भी क्षेत्र में जाने के लिए स्वतंत्र है।

मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग को लेकर टॉल प्लाजा के पास हुआ विरोध प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। थाना क्षेत्र के एनएचआई रिंग रोड हेसल स्थित टॉल प्लाजा के पास शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में मो बेलाल अन्सारी नामक व्यक्ति की हुई दर्दनाक मौत को लेकर शनिवार को पोस्टमार्टम होकर शव आने के बाद हेसल टॉल प्लाजा के पास शव के साथ ग्रामीणों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया । ग्रामीणों का आरोप है कि मो बेलाल का हादसे में हुए दर्दनाक मौत के लिए एनएचआई टॉल प्लाजा प्रबंधन पूरी तरह से जिम्मेवार है। ग्रामीणों का आरोप है कि टॉल टेक्स वसूली हेतु अपनी सुविधा के लिए तो एनएचआई टॉल प्लाजा प्रबंधन टॉल गेट के करीब चार सौ मीटर आगे और चार सौ मीटर पीछे सड़क को करीब तीन सौ फीट चौड़ा बना रखा है जिसमें सड़क के बीचो बीच न तो डीवाईडर है और न तो स्पीड ब्रेकर बनाए गए हैं। परिणाम स्वरूप सड़क पर तेज रफ्तार से चलने वाले वाहन अपनी गति और दिशा पर नियंत्रण नहीं रख पाते हैं जिसके चलते आए दिन यहां पर दूर्घटनाएं होती रहती है। ग्रामीणों ने प्रबंधन से मृतक बेलाल अन्सारी के परिवार को दस लाख रुपये मुआवजा देने की मांग को लेकर जमकर बवाल काटे । ग्रामीण द्वारा मुआवजा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन की बात सुनकर स्थानीय विधायक राजेश कच्छप और पूर्व विधायक रामकुमार पहान भी वहां पहुंचे विधायक ने प्रबंधन से कम से मृतक के परिवार को कम साढ़े सात लाख रुपये मुआवजा देने की मांग पर सहमति ब बना ही रही थे कि इसी बीच रांची से सिल्ली जाने के क्रम में पूर्व डिप्टी सीएम सुदेश कुमार महतो भी वहां पहुंचे बीच बचाव कर प्रबंधन मृतक के परिवार को एक लाख रुपया मुआवजा देने और मृतक के परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने पर सहमत हुआ । बाद में विरोध प्रदर्शन समाप्त हुआ। मौके पर समाजिक कार्यकर्ता मुस्तफा अन्सारी साकीर अन्सारी डॉ रिझू नायक सिकन्दर अन्सारी अब्दुल इमाम अन्सारी प्रवेज खान मिनहाज अन्सारी एतवा उरांव सहित सैकड़ों ग्रामीण और थाना प्रभारी हीरा लाल शाह दल वल के साथ उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सोनाहातू में 527 बच्चों की हृदय जांच, 16 मिले संदिग्ध

सोनाहातू। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग, कोल इंडिया लिमिटेड और श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल के संयुक्त प्रयास से सोनाहातू सीएचसी, राहे पीएचसी,ओर पंडाडीह पीएचसी में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत नन्हे दिलों की जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने 0 से 15 वर्ष के 527 बच्चों की हृदय संबंधी बीमारियों और लक्षणों की जांच की। जांच के दौरान 16 बच्चों में हृदय रोग के संभावित लक्षण पाए गए, जिन्हें आगे की चिकित्सा जांच और उपचार के लिए रेफर किया गया। अगर किसी बच्चे में हृदय रोग से संबंधित कोई लक्षण हैं, तो वे श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल के हेल्पलाइन नंबर 6299737695 पर संपर्क कर सकते हैं।मौके पर चिकित्सा प्रभारी डॉ जयराम शर्मा, राधेश कुमार सिंह, डॉ विक्रम सम्राट, डॉ शांति कुमारी, डॉ अलका गाड़ी, डॉ बीना प्रसाद, निरंजन त्रिपाठी,राधिका यादव,रंजीत कुमार, ट्विंकल यादव, आदि मौजूद थे।

प्रखंड में मनाया गया अंतराष्ट्रीय महिला दिवस , बच्चों ने किया रंगारंग कार्यक्रम

सोनाहातू/राहे। जामुदाग सीएलएफ में शनिवार को अन्तराष्ट्रिय महिला दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य मंजू सिंह मुंडा ने विधिवत दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किये।इन्होंने महिला उत्थान और महिलाओं के स्थिति पर चर्चा किये। मौके पर बीपीओ बबिता गोस्वामी, समाज सेवी धनु नाग, जेएसएलपीएस के हिरालाल महतो,ललित कुमार, मुकेश कुमार, कुंजलाल पंडित, करूणा देवी के पदधारी रीता महतो,होलिका देवी, प्राथमि देवी, बृहस्पति देवी, संगीता कुमारी, हरेश्वरी देवी,शांति कुमारी, भुवनेश्वरी देवी, जलेश्वरी देवी,सुशीला देवी, लीला देवी,परुबाला देवी,विमला देवी, मुक्ता देवी, राखी देवी, पुष्पा देवी आदि मौजूद थे।मंच संचालन रासमणि देवी ने किया। इधर झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय राहे ओर पीएमश्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सोनाहातू की छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच महिला दिवस मनाया। राहे के वार्डन परमेश्वरी कुमारी ने छात्राओं के बीच महिलाओं के उत्थान से संबंधित प्रेरक प्रसंगों की जानकारी दिया।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

इटकी। उत्क्रमित उच्च विद्यालय सकरपदा में शनिवार को निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। सफदर इमाम फाउंडेशन व भगवान महावीर आई हॉस्पिटल रांची के सौजन्य से आयोजित शिविर में डॉ जूही कुमारी व डॉ ममता कुमारी ने 92 लोगों के नेत्रों की जांच कर उचित परामर्श दिया। 11 लोगों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए।जांच के बाद जरूरतमंदों के बीच दवा का वितरण किया गया। इससे पूर्व सफदर इमाम फाउंडेशन के प्रोफेसर मजहर इमाम ने हॉस्पिटल के डाइरेक्टर कमल जैन और विजय जैन को बुके देकर व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।शिविर में स्कूल के शिक्षक जफर इमाम, जावेद अख्तर, कमलेश कुमार सिंह सहित विद्यालय के बच्चे व ग्रामीण मौजूद थे।

बांसारूली पंचायत में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया

मुरी। बांसारूली पंचायत में पोषित बचपन टीम द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के साथ रैली निकाली गई एवं वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।इस कार्यक्रम के माध्यम से पंचायत की महिलाओं और बालिकाओं को ₹महिला एवं बालिका अनुकूल पंचायत₹ की संकल्पना के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, पंचायत स्तर पर लड़कियों और महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा की गई।कार्यक्रम में महिलाएं और लड़कियां के शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार के महत्व पर विशेष रूप से बल दिया गया। इसके अतिरिक्त, हिंडाल्को द्वारा समुदाय के हित में किए जा रहे कार्यों को भी उजागर किया गया।राजकुमारी फाउंडेशन के सुप्रिया सिंह ने कहा कि महिला दिवस मनाने का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सम्मान देना है।जेएसएलपीएस की पंचायत कोऑर्डिनेटर उषा देवी ने कहा कि जहां नारी को सम्मान मिलेगा वहां समाज आगे बढ़ेगा।बांसारूली पंचायत के मुखिया लालू राम उरांव ने अपने संबोधन में कहां की महिलाओं की सशक्तिकरण को लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकार भी विभिन्न तरह की योजनाओं को संचालित किया है जिसका लाभ लेने की जरूरत है ताकि महिलाएं स्वावलंबी बन सके। अंत में पंचायत के सभी लोगों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं बाल विवाह करना जुर्म है का संकल्प दिलाया गया, जिससे हर बालिकाओं की शिक्षा सुनिश्चित की जा सके।

चोरी की पायल के साथ आरोपित गिरफ्तार

रातू। थाना क्षेत्र के कुंबाटोली निवासी विजय उरांव का पुत्र ओम उरांव को देवी मंडप के समीप रहने वाले वशिष्ठ नारायण सिंह की पत्नी संध्या देवी की एक जोड़ी चांदी की पायल का चोरी करना महंगा पड़ा। शोर मचाने पर लोगों ने उसे पकड़ जमकर धुनाई करने के बाद थाने के हवाले कर दिया।पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानेदार आरएन सिंह ने बताया कि भागने के दौरान आरोपी का पैर फ्रेक्चर हो गया है।उन्होंने जानकारी दी कि उसके पास से पायल भी बरामद कर लिया गया है।भुक्तभोगी संध्या देवी की मानें, तो वह टीवी देख रही थीं।इसी बीच वह घर के अंदर घुस आया और टेबल पर रखे पायल की चोरी कर ली थी।

बीएड कॉलेज में मना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। समर्पणदीप बीएड कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इसकी शुरूआत प्रबंधन समिति के सदस्य जितेंद्र प्रसाद व प्राचार्य डॉ दशरथ महतो ने दीप प्रज्जवलित कर किया। सचिव एनके गुप्ता ने महिला अधिकार और उपलब्धियों की चर्चा की। वहीं, डॉ महतो ने महिला दिवस प्रासंगिकता पर जोर दिया। इस दौरान गीत-संगीत व नृत्य से कॉलेज परिसर गुंज उठा। प्रशिक्षु हन्नी ने एकल गीत गाया। प्रिसिला एंड ग्रुप ने समूह नृत्य से मनमोह लिया। फूलकुमारी ने भी समां बांधी। प्रबंधन की ओर से प्रतिभागी पुरस्कृत किये गये। संचालन नेहा तिर्की और जितराज ने किया। जबकि, धन्यवादज्ञापन डॉ शशि कुमारी तिर्की दिया।

छात्राओं को पुष्प गुच्छ देते प्राचार्य।

इन्होंने निभायी भूमिका

अभिषेक सिंह, विकास पोद्दार, विशाल सिंह, एवं शैलेन्द्र सिंह, वासिफ शाह, अच्युतानंद मिश्र, शैलेश कुमार दास, डॉ कुमारी कुसुम लता, डॉ नमिता, अंकित कुमार, अंकिता कुमारी, दिनेश महतो, कन्हाई महतो, अनिल साहु, कमलेश, सत्यभामा देवी, शिवराज भगत, हन्नी, संगीता, रेणु, शिवानी, सुजाता, रंजना, भारती, अपोलोनिया, निशा, इरा, आस्था, रुत, अंजलि, सुनीता, अमन, सुरेन्द्र, अटल, अंशु, सुभाष व फूलदेव आदि।

हाई स्कूल मैदान में मना अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

देश की राजनीति का स्तंभ हैं महिलाएं : माधुरी मंजरी

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। छोटानागपुर राज प्लस टू उच्च विद्यालय मैदान में प्रखंड स्तरीय विश्व महिला दिवस मनाया गया। प्रमुख संगीता तिर्की की अगुआई में आयोजित समारोह में राजकिले की राजकुमारी माधुरी मंजरी बतौर मुख्य तथा राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत व उप प्रमुख रियाजुल अंसारी विशिष्ट अतिथि थे। इस बीच श्रीमती मंजरी ने महिलाओं को देश की राजनीति का आधार स्तंभ बताया। श्री प्रकाश ने समाज का रीढ़ की संज्ञा दी। श्रीमती भगत ने कहा कि महिलाएं घर के अलावा समाज और राज्य के शीर्ष पदों पर आसीन हैं। वहीं, श्री अंसारी ने पुरुष प्रधानता के बावजूद हर क्षेत्र में महिलाओं की बराबरी पर प्रसन्नता जतायी। गीत-नृत्य का भी दौर चला। खेलकूद प्रतियोगिता के सफल प्रतिभागी पुरस्कृत भी किये गये। संचालन तैयब अंसारी ने किया।

कार्यक्रम में थे शामिल

मुखिया ज्योति भगत, फुलमनी देवी, सुनीता देवी, जयश्री उरांव, सुषमा तिर्की, महेश्वरी देवी, सरपंच बिक्रम उरांव व वार्ड सदस्यों के अलावा जेएसएलपीएस के बीपीओ कुणाल कुमार, श्रम नियोजन की बीपीओ नेहा कुमारी, सांसद प्रतिनिधि बिमल उरांव, संदीप सोनी, गंगू पाहन, महिला समूह की बहनें आदि।

सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग एवं भारथी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

मांडर। भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्युशन, के अन्तगर्त सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा भारथी कॉलेज ऑफ नर्सिंग शनिवार को को बी.एससी. नर्सिंग एवं जी.एन.एम. नर्सिंग के छात्र/छात्राओं द्वारा अतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कॉलेज की सचिव नीतिन परासर एवं शैक्षणिक सचिव, दीपाली पराशर उपस्थित थी। नीतिन परासर ने कहा कि गरीबी और निरक्षरता महिलाओं के सशक्तीकरण में गंभीर बाधा रही है।जब महिला, जिसे हम अबला कहते हैं सबला बन जाएगी तो वे सभी जो असहाय हैं, शक्तिशाली बन जाएगी। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समानता दिलाना है। दिपाली पराशर ने कहा कि भारत सभ्यता और संस्कृति के लिए जाना जाता है इसे बचाने में महिलाओं की अभुतपूर्व भूमिका रही है। यदि समाज की प्रगति के बारे में जानना हो तो समाज में महिलाओं की स्थिति के बारे में जानने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने महिलाओं से अपील की कि लोगां के फैसले की छाया में न रहें बल्कि खुद के ज्ञान के प्रकाश में अपनी पसंद एवं नापसंद तय करें। विद्याथीर्यों के द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए कई नाटक, संगीत कार्यक्रम इत्यादि प्रस्तुत किए गए। नर्सिंग की प्राचार्या निहारिका श्रीवास्तव के द्वारा स्वागत अभिभाषण दिया गया। नर्सिंग के छात्र-छात्राओं के द्वारा संगीत, नृत्य, नाटक इत्यादि कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम में व्याख्याता अंजेला गाड़ी, गोपाल तिरकी, प्रतिमा कुजूर, दिपा कोडयार, पुनम मिंज, सुषमा कुमारी, संगीता कुमारी, प्रीतम कुमार सिन्हा, शशिभूषण जायसवाल, मनीषा कुमारी, एम.डी. अफरोज, तुलसी दास, आदि उपस्थित थे। मंच का संचालन नर्सिंग के विद्यार्थी निखिल तिवारी एवं अंजली कुमारी के द्वारा किया गया।

सम्मान समारोह का आयोजन

ठाकुरगांव। बीएयू कांके व पारादीप फॉस्फेट लिमिटेड के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर क्षेत्र के काटमकुली गांव में शनिवार को महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कांके प्रखंड किसान उत्पादक कम्पनी द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम का उदघाटन बीएयू के दिनेश कुमार रूसिया,पारादीप फॉस्फेट कम्पनी के मार्केटिंग मैनेजर शैलेश कुमार सिंह ने किया।

ट्रैश रैक टूटने से जल विद्युत परियोजना सिकिदिरी से विद्युत उत्पादन ठप

सिकिदिरी। स्वर्णरेखा जल विद्युत परियोजना सिकिदिरी के पावर हाउस नंबर एक के पेन स्टॉक की ट्रेस रैक टूटने से शुक्रवार रात से विद्युत उत्पादन ठप है। इधर शनिवार को झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम के कार्यकारी निदेशक राकेश रौशन, महाप्रबंधक (सिविल) अलोक रंजन पांडेय, महाप्रबंधक (टेक्निकल) कुमुद रंजन सिन्हा, परियोजना प्रबंधक विनय अंगिरा ने पावर हाउस के क्षतिग्रस्त ट्रेस रैक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान इसके समाधान को लेकर पदाधिकारियों ने परियोजना प्रबंधक व कार्यपालक अभियंता को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बताया जाता है कि पावर हाउस के दोनों पावर हाउस (प्रत्येक 65 मेगावाट का) से शाम में पांच से रात नौ बजे तक पिक आवर में विद्युत का उत्पादन किया जा रहा था। शुक्रवार की रात करीब नौ बजे ट्रेश रैक पानी की तेज धर में टूट गया। ट्रेस रैक (एक प्रकार का जाली) से होकर नहर का पानी बड़े पाइप के द्वारा पावर हाउस के टरबाइन में जाती है। पाइप से पहले गंदगी को रोकने के लिए जालीदार ट्रेश रैक लगाया जाता है ताकि गंदगी या पत्थर के टुकड़े अंदर जाकर टरबाइन को नुकसान न पहुंचाए। इस संबंध में परियोजना प्रबंधक विनय अंगिरा ने बताया कि परियोजना के निर्माण काल के बाद से इस ट्रेश रैक की आयु पूर्ण होने के कारण यह कमजोर हो गया था। इसकी मरम्मती नहीं हो सकती थी।कमजोर होने के कारण ट्रैश रैक संरचना क्षतिग्रस्त हो गई है।

अनगड़ा में हाईवा ने बाईक सवार को कुचला आक्रोषित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा । रांची पुरुलिया सड़क पर थाना क्षेत्र के राजडेरा मस्जिद के निकट शनिवार की शाम करीब सावा छह बजे एक अज्ञात हाईवा वाहन ने एक बाईक सवार कामेश्वर महतो50 वर्ष को बाईक समेत कुचल कर फरार हो गया ।मृतक कामेश्वर महतो राजाडेरा गांव का रहने वाला था और वह सरला बिरला युनिर्वसिटी का बस ड्राईवर था। बताया गया कि वह अपने बाईक से अनगड़ा की ओर से राजाडेरा अपना घर आ रहा था । घटना स्थल से कुछ दूर पहले बाईक सवार हाईवा से पास लेकर आगे बढ़ा था कि हाईवा का चालक उसपर हाईवा को चढ़ा कर कुचलते हुए फरार हो गया । और भौके पर हीं उसकी मौत हो गई । बाद में स्थानीय आक्रोषित ग्रामीणों ने सड़क को पूरी तरह से जाम कर दिया । सूचना पाकर मौके पर थाना प्रभारी पुलिस वल के साथ पहुंचकर आक्रोषित ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण हाईवा और उसके चालक को पकड़ने तथा मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग पर अड़े हुए हैं। जाम के कारण सड़क के दोनों किनादे वाहनों की लम्बी लाईन लग गई है। सिल्ली क्षेत्र के नदी घाटों से बालू उठाने वाले कई हाईवा भी जाम में फसे हुए है ।

कार्यालय नगर परिषद्, रामगढ़

शुद्धि–पत्र

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि नगर परिषद्, रामगढ़ द्वारा प्रकाशित अति–अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या- NIT/RGH/NP/23/2024-25 जिसका PR No.-346779 District 24-25(D) के द्वारा प्रकाशित की गई है, जिसमें निविदा की तिथि का आंशिक संशोधन किया जाता है जो निम्न प्रकार है:–

1	परिमाण विपत्र विक्रय की तिथि	:–	दिनांक : 17-03-2025 से 19-03-2025 अपराह्न 04:00 बजे तक।
2	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	:–	दिनांक 22-03-2025 पुर्वाहन 04:00 बजे
3	निविदा खोलने की तिथि व समय	:–	दिनांक :24-03-2025 अपराहन 12:00 बजे से।

निविदा सूचना की शेष भाग एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगे।

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर परिषद्, रामगढ़

PR 348156 (District)24-25*D

बुद्धा नर्सिंग कॉलेज में मना अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

आदिकाल से ही सशक्त हैं महिलाएं : जैनेंद्र

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। जैनेंद्र ग्रुप ऑफ कॉलेज की ओर से संचालित बुद्धा नर्सिंग कॉलेज, बिजुलिया में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। संस्थान के प्रबंध निदेशक जैनेंद्र कुमार तथागत बतौर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई, पन्नाबाई, इंदिरा गांधी व मदर टेरेसा का जिक्र करते हुये कहा कि महिलाएं आदिकाल से ही सशक्त हैं। लेकिन, सामाजिक बुराइयों की वजह से उनका अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। श्री तथागत ने समाज में बाल विवाह, पर्दा प्रथा व भ्रुण हत्या की आलोचना की। इससे पूर्व उन्होंने समारोह का उद्घाटन किया। निदेशक प्रियांशु कुमार ने भी अपनी बातें रखी। यहां घंटों गीत-संगीत का दौर चला। छात्राओं ने मनमोहक कला की छटा बिखेरी। संचालन आरपी सिंह ने किया।

कार्यक्रम में लिया हिस्सा

प्राचार्या संध्या खलखो, प्रबंधक हिमांशु कुमार सिंह, अकेडमिक हेड आशीष कुमार, निकिता कुजुर, हिना परवेज, प्रतिभा केरकेट्टा, निधि पाठक, पियूष कुमार, नवनीत कुमार, दीपक रजक, आरपी सिंह, मुंसाद मंजर, परमेश्वर महतो, कुंदन कुमार, मो साकिब आलम, जुगनू कुमार, अभिषेक कुमार गुप्ता व मोकिम अहमद आदि।

मनचलों को छेड़छाड़ और मारपीट करना पड़ा महंगा

दो आरोपित गिरफ्तार कर भेजे गये जेल
आठ के खिलाफ केस
छह की तलाश जारी

रातू। थाना क्षेत्र के तिलता ओवर ब्रिज के पास बीती रात सवा 9 बजे मधुकम शास्त्री चौक निवासी विजय साहू के पुत्र प्रियांश कुमार के साथ मारपीट, लूटपाट और उनकी पुत्री से छेड़छाड़ करना आठ मनचलों को महंगा पड़ा। भुक्तभोगी की ओर से रातू थाने में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर श्रद्धानंद स्कूल, कमड़े के समीप रहने वाले गोपाल प्रसाद का पुत्र अनुप कुमार संतोष व पिर्रा अस्थापुरम निवासी बैजनाथ पांडेय के पुत्र चिंकू पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थानेदार आरएन सिंह ने बताया कि घटना में शामिल छह अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। उन्होंने जानकारी दी कि सूचक अपनी बहन के साथ दलादिली से घर लौट रहा था। इस दौरान आरोपियों ने इनका रास्ता रोक प्रियांश के साथ मारपीट और लूटपाट की। जबकि, उसकी बहन को हवश का शिकार बनाने की कोशिश की गयी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिये पूरे मामले की जांच कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आरोपी बख्से नहीं जायेंगे।

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता, का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, राँची

अति अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 28/2024–25

1	विज्ञापन दाता का पदनाम:-	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, राँची।
2	परिमाण विपत्र विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय तक:-	दिनांक 15.03.2025 अपराह्न 4.00 बजे तक।
3	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय. :-	दिनांक 17.03.2025 अपराह्न 3.30 बजे तक।
4	निविदा खोलने की तिथि एवं समय :-	दिनांक 17.03.2025 को अपराह्न 4.00 बजे से।
5	परिमाण विपत्र विक्रय का स्थान:-	(1) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, डोरण्डा, राँची–02। (2) अधीक्षण अभियंता, का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता नागरिक अंचल, डोरण्डा, राँची–02।
6	निविदा खोलने का स्थान:-	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, डोरण्डा, राँची–02।
7	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता:-	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना,डोरण्डा, राँची–02।
8	कार्य की विस्तृत विवरणी	

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Construction of drain front side of staff quarter no.- E/13 to E/30 at new PHED colony Hinoo, Ranchi	4,19,004/-	8,500/-	750/-	7 दिन
2	Repair maintenance and miscellaneous work of staff Quarter no. D/2 at new PHED Colony Hinoo, Ranchi	4,51,200/-	9,200/-	750/-	7 दिन
3	Repair maintenace and other allied work of staff quarter no. D/4 at New PHED colony, Hinoo Ranchi	5,45,715/-	11,000/-	1,250/-	7 दिन
4	Repair maintenace and other allied work of staff quarter no. D/8 at New PHED colony, Hinoo Ranchi	3,86,155/-	8,000/-	750/-	7 दिन
5	Raising of compound wall and other allied works at tower campus Hinoo, Ranchi	5,55,149/-	11.500/-	1,250/-	7 दिन
6	Repair and maintenance and other allied work of staff quarter no.- D/1 at Hatia Filtration Plant Dhurwa Ranchi	3,82,333/-	8,000/-	750/-	7 दिन
7	Repair and maintenance and miscellaneous work of staff quarter no.- D/20 at Hatia Filtration Plant Dhurwa Ranchi	4,31,649/-	9,000/-	750/-	7 दिन

विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय से सम्पर्क करें या विभागीय वेबसाईट:–http//:daa.jharkhand.gov.in पर देखें। प्राक्कलित राशि घट अथवा बढ़ सकती है उसी प्रकार से अग्रधन राशि भी देय होगी है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, हटिया योजना, राँची

PR 348136 Drinking Water and Sanitation(24-25)#D

समय संवाद

इसमें पहला नाम जो पूर्ण व्यवस्थित मानवीय सत्ता और समाजवाद चिंतन का प्रखर उदाहरण है वह हैं श्रीराम। लगभग दस हजार साल पहले इनका राज्य था और इनके राज्य में देश के सांस्कृतिक मूल्य, मानवीय भाव और आंतरिक और वाह्य सुरक्षा को लेकर उच्चें मापदंड थे। लेकिन हमारे देश में इस काल को लेकर कई संगठन, व्यक्ति प्रतिवाद करते रहें हैं। उनकी बुद्धि सीमित है या फिर विज्ञान का ज्ञान वहां तक नहीं पहुंचा है यह दोनों बात के अतिरिक्त हम सहजता पूर्वक मान सकते हैं कि आज का समाज भारतीय समाज राम राज्य की कल्पना में जीता है।

देश की सामाजिक स्थिति की विवेचना

एनके मुरलीधर

देश की सामाजिक स्थिति कैसी है इसके लिये हमें अपने अतीत को समझना होगा। हमारा अतीत संस्कृति और सत्य सनातन के आधार पर तय किया गया है। सामाजिक स्थिति को समझने के हमारे दो रास्ते हैं एक तो हम वर्तमान से अतीत की ओर जायें या फिर अतीस से वर्तमान की ओर आये। आज रांची रोटरी के इस कार्यक्रम में मैं इस विषय पर अतीत से वर्तमान की चर्चा करूंगा। हमारे अतीत में योग्य और अति कुशाग्र राजाओं की एक परम्परा रही है जिन्हें हम ईश्वर तुल्य मानते हैं। इसमें पहला नाम जो पूर्ण व्यवस्थित मानवीय सत्ता और समाजवाद चिंतन का प्रखर उदाहरण है वह हैं श्रीराम। लगभग दस हजार साल पहले इनका राज्य था और इनके राज्य में देश के सांस्कृतिक मूल्य, मानवीय भाव और आंतरिक और वाह्य सुरक्षा को लेकर उच्चें मापदंड थे। लेकिन हमारे देश में इस काल को लेकर कई संगठन, व्यक्ति प्रतिवाद करते रहें हैं। उनकी बुद्धि सीमित है या फिर विज्ञान का ज्ञान वहां तक नहीं पहुंचा है आज का समाज भारतीय समाज राम राज्य की कल्पना में जीता है। उनके होने न होने का प्रमाण विज्ञान खोजें लेकिन हिंदू जन मानस के अतः करण में रामत्व है। भारतीय समाज आज भी राम और कृष्ण के प्रतिकात्मक बिम्ब से ही प्रचारित-प्रसारित होता रहा है।

हम बढ़ते है कृष्ण के काल के समाज की ओर जो महाभारत के युद्ध जैसे स्मिता के पहचान के संघर्ष की बात बताता है। कृष्ण काल में जिस लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना की गयी और क्रूर होने पर अपनी मामा कंस का बध किया गया। और प्रेम की स्थापना के लिये राधे श्याम बनकर कृष्ण ने एक कीर्तिमान स्थापित किया। उस काल में धर्म की स्थापना के लिये समाज में समरसता की नयी ऊचांई गढ़ने का प्रयत्न किया गया। आज हमारे समाज में जाति और संकीर्णता को लेकर जो स्वर मुखरित होते हैं उसका कृष्ण के काल में कही नामोनिशान नहीं था। दुनिया की सबसे पहली मोटिवेशनकी किताब गीता में जीवन के सभी समस्याओं का हल है और 1980 के दशक में जब सोवियत रूस में सामाजिक हलचल मची तो गीता का एक लाख रूसी भाषा का अनुवाद वहां के बुदिजीवीयों को सैन्य जवानों अधिकारियों के साथ युवाओं को दिया गया। दुनिया की सबसे प्राचीन और समृद्ध भाषा संस्कृत हमारे बीच था और लगभग 12 हजार साल तक भारत उपमहाद्वीप दुनिया का सबसे समृद्ध और ताकतवर शक्ति बना रहा। हमारी ताकत हमारा समाज ही था जिससे एक मजबूत भारत बना। चाणक्य और चन्द्रगुप्त ने जिस मौर्य सम्राज्य की स्थापना की। चाणक्य ब्राह्मण थे और चन्द्रगुप्त मौर्य थे। यह संकेत है कि देश में तब जातिवाद का प्रभाव कम था। फिर बुद्ध का प्रभाव और उसके कारण हमारा समाज और शासकगण अहिंसा ब्रत का धारण किया। पूरी दुनिया के समूह जिनका मालूम था कि एक अति समृद्ध देश भारत मानवीय और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ जी रहा है। कई गैर भारतीय समूहों का आक्रमण और देश का कमजोर होना तब आंरभ हुआ। हम लगभग हजार साल गुलाम रहे और उस काल में हम हीनभावना और उन तमाम बुराइयों से बच नहीं सके जो देश को कमजोर करता है। फिर भी हमारी धार्मिक मान्यतायें और संस्कृति का ओज हमें जोड़कर रखा। हम आजाद हुए। देश में फिर से लोकतांत्रिक मूल्य स्थापित हुई। समाज देश के निर्माण में लगा। स्वार्थी तत्वों ने भाषा, जाति, धर्म और वैमन्स्यता की दिवार खड़ी की। लेकिन लोकतंत्र के अविष्कारक देश जहां मूल्य राम,कृष्ण और शिव के अवधारणाओं से संरक्षित होते हैं वहां फिर से हम विश्व को मार्ग दर्शन दिखाने की ताकत बने तो यह सशक्त समाज से संभव हुआ जो तीस हजार से अधिक जाति, उपजाति और 1500 से अधिक भाषाओं में अर्तनिहित है। अलोचना चाहे जितना कर लें भारतीय समाज की नींव उच्च मानवीय मूल्यों पर आधारित है जिसे हजारे संतों, ऋषि मुनियों से पोषित किया है। व्यक्ति से परिवार और परिवार से समाज का निर्माण होता है। देश में लगभग 30 करोड़ परिवार रहते हैं। इनके कार्य और आर्थिक स्थिति से हम देश का आकलन कर सकते हैं। देश में जाति आधारित कार्य और समाज का भ्रम टूट रहा है।समाज से बनी मजबूत सरकारे, व्यवस्था, हमें उम्मीद देती है। इस उम्मीद के सहारे, अपने अतीत पर गर्व करते हुए हम अपने मूल्यों के साथ विकास करेगे। हम हिंसक समाज न थे न हैं न हो सकते हैं (रोटरी रांची में व्याखानमाला)

जिंदगी की जोड़

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

जड़ और चेतन के इस संसार में जड़ के बंधन काटने वाले तत्व ज्ञानियों, सदगुरु नानक देव, कबीर, धरनीदास, दरियादास, रैदास गुरु ग्रंथ हीं हैं। गुरु ग्रंथ में इनकी ही वाणी सुरक्षित है। गुरुग्रंथ को जानिए प्रकट गुरु की देह। वर्तमान समय में जीव ग्रंथियों में उलझकर अपने मूल कर्त्तव्य से विमुख हो रहा है। साहित्यकार जयशंकर प्रसाद की रचना कामायनी की पंक्तियां- एक तत्व की है प्रधानता उपर ही जल है, नीचे एक तरल है एक सघन। कहां जड़ या कहां चेतन। मनुष्य का शरीर या गुरु दरबार जड़ है। गुरु चेतन है और चेतन का ही महत्व है। जीवन में व्यक्ति और स्थान का बड़ा महत्व है। परमहंस दयाल जी ने छपरा से अपनी भक्ति यात्रा आंरभ की, लेकिन टेरी जो अब पाकिस्तान में है वहां जाकर ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम स्थापित किया। इस कार्य में उन्हें 20 वर्षों का समय लगा। संत आनंदपुर से मिले तो दरबार बना। प्रकृति नहीं मिलाती तब तक पुरुष निद्रा में होता है। उन्होंने जो भक्ति की चेतना जगाई वह आज भी गढ़वा घाट काशी और राजपुर होते फिर से छपरा पहुंचा। 1846 में इनका जन्म छपरा में हुआ था। स्वामी जी की स्वरचित भजन ज्ञान पद करहुं मैं भक्ति सिंगार नाथ महारानी हूं जी। अपने आप में भक्ति की ऊंचाई तक स्पर्श करने वाली संसार की श्रेष्ठ रचना है। हमको द्वैत दृष्टि नहीं आती, जहां देखो तहां वहीं आत्मा पिता पुत्र और नाती। जैसी प्रार्थना भक्ति का पद दूसरा कोई नहीं है। उनकी बहाई भक्ति धारा गढ़वा घाट काशी के बाद जाकर 1949 में राजपुर बक्सर आयी। सद्गुरु गढ़वा घाट के महाराज के आदेश पर स्वामी शिवर्धमानंद जी वह कार्य किया जो सतयुग में हनुमान भी नहीं कर पाये थे। राम की भक्ति के शिए हनुमान को गुरु अगस्त ने भेजा था। राम की भक्ति के क्रम में हनुमान को अयोध्या में ही रह गये जैसा राम ने आदेश दिया और उनका काम था राम सहित उनके भाइयों के आठ संतानों को भक्ति से जोड़े रखना। उन्हें कार्य के लिये अयोध्या जैसा नगर मिला। लेकिन स्वामी शिवर्धमानंद ने वगैर किसी व्यक्ति को जाने सदगुरु के आदेश पर आये और राजपुर नामक स्थान पर ज्ञान और भक्ति को स्थापित किया। गढ़वा घाट के स्वामी जी के आदेश पर इस क्षेत्र में आये और उन्होंने पांच पीढ़ियों केबीव भक्ति, ज्ञान योग और प्रेम को स्थापित किया।

(ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम)

गुणों की खान मेथी

स्नेहलता मिश्रा

मेथी का नाम सुनते ही कुछ कड़वाहट तो नहीं महसूस होती? शायद होती हो। क्योंकि मेथी के दानों में कड़वाहट तो होती ही है। असल में मेथी के दाने बेशक कड़वे होते हों, लेकिन गुणकारी बहुत होते हैं।

मेथी के ढेबरे सामग्री :

मेथी के पत्ते आधा किलो, बाजरे का आटा चार कटोरी, गेहूं का आटा एक कटोरी, थोड़ा सा गुड़, हरा धनिया, हरी मिर्च, पिसा गरम मसाला, तेल, अदरक।

विधि : मेथी के पत्तों को धोकर काट लें और उन्हें बाजरे और गेहूं के आटे में मिला दें। इसमें मसाले एवं गुड़ डालें और इस मिश्रण को गूंथ लें। ध्यान रहे कि यह ज्यादा गीला न हो, बल्कि पूड़ियों के लिए गूंथे जाने वाले आटे की तरह हो। कड़ाही में तेल डालकर गैस पर चढ़ा दें। मेथी-आटे से छोटी-छोटी पूड़ी बनाकर इन्हें तल लें। मेथी के ढेबरे तैयार हैं। इन पर बारीक कटी हरा धनिया और अदरक बुरक दें। स्वाद के लिए आप चटनी भी बना सकते हैं। इसे नाश्ते में ले सकते हैं या कभी भी गरमागरम परोस सकते हैं। ढेबरे सुपाच्य होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी अच्छे हैं। **मेथी के गट्टे सामग्री :**

बेसन 2 कप, मेथी बारीक कटी हुई 2 कप, हरी मिर्च का पेस्ट 2 छोटे चम्मच, गरम मसाला 2 छोटे चम्मच, हींग एक चुटकी, तेल मोयन, नमक स्वादानुसार। तेल 50 ग्राम, मीठी नीम 15 पत्ते, हींग एक चुटकी, जीरा एक छोटा चम्मच, हल्दी 1/2 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर एक छोटा चम्मच, गरम मसाला एक छोटा चम्मच, अमचूर एक छोटा चम्मच नमक इच्छानुसार, सफेद तिल 2 छोटे चम्मच भुने हुए, 2 हरी मिर्च लंबाई में कटी हुई, 2 छोटे चम्मच चाट मसाला, धनिया बारीक कटी हुई। **विधि :** पहले बेसन में मेथी, सभी मसाले एवं तेल डालकर पानी से कड़ा गूंथ लें। लगभग 10 से 15 मिनट तक ढक कर रखें। एक बड़े भगौने में पानी उबालें, उसमें बेसन के मोटे रोल बनाकर डालें। नुकीली सलाई से चेक करें, यदि सलाई आर पार हो जाती है तो गट्टे उबल कर तैयार हैं। ठंडा होने पर काट लें। अब कड़ाही में तेल गर्म करें। दोनों साबुत लाल मिर्च तल कर निकाल लें। अब तेल में जीरा, हींग, मीठी नीम के पत्तों को डालकर भूनें। अब इसमें हल्दी, मिर्च, गट्टे आदि डालकर हल्के हाथ से चलाएं। 3 या 4 मिनट बाद गरम मसाला और अमचूर पाउडर डालें। हल्का भूरा होने पर उतार लें।

बद्रीनाथधाम में मौजूद है जाग्रत विष्णु

जीवी एस शास्त्री

बद्रीनाथ मंदिर उत्तराखंड के चमोली जनपद में अलकनन्दा नदी के तट पर स्थित है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 7वीं-9वीं सदी में हुआ था। मंदिर के आस-पास बसे नगर को बद्रीनाथ ही कहा जाता है। यहां पर भगवान बद्रीनारायण की प्रतिमा स्थापित है। बद्रीनारायण, भगवान विष्णु के ही एक रूप हैं। बद्रीनारायण की यह मूर्ति 3.3 फीट लंबी शालिग्राम से निर्मित है। कहा जाता है कि इस प्रतिमा को आदि शंकराचार्य ने 8वीं शताब्दी में समीपस्थ नारद कुण्ड से निकालकर स्थापित किया था। इस मूर्ति को विष्णु भगवान की 8 स्वयंभू प्रतिमाओं में से एक माना जाता है।

बद्रीनाथ को अलग-अलग कालों में अलग-अलग नामों से जाना गया है। स्कन्दपुराण में बद्री क्षेत्र को मुक्तिप्रदा कहा गया है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि सत युग में यही इस क्षेत्र का नाम था। त्रेता युग में भगवान नारायण के इस क्षेत्र को योग सिद्ध कहा गया। द्वापर युग में भगवान के प्रत्यक्ष दर्शन के कारण इसे मणिभद्र आश्रम या विशाला तीर्थ कहा गया है। वहीं, कलियुग में इसे बद्रिकाश्रम अथवा बद्रीनाथ कहा जाता है।

ऐसे मिला बद्रीनाथ नाम

एक पौराणिक कथा के अनुसार, भगवान विष्णु ने इस स्थान पर कठोर तप किया था। अपने गहन ध्यान के दौरान, वह मौसम की गंभीर स्थितियों से अनजान थे। उन्हें सूरज की चिलचिलाती गर्मी, धूप, बारिश और हिम से बचाने के लिए, उनकी पत्नी देवी लक्ष्मी ने बद्री के पेड़ रूप धारण किया और इस बात से भगवान विष्णु उनकी भक्ति से प्रसन्न हुए और इसलिए उन्होंने इस स्थान का नाम बद्रीनाथ रखा।

नर और नारायण की कहानी

बद्रीनाथ धाम धर्म के दो पुत्रों, नर और नारायण की कहानी से संबंधित है, जिन्होंने धर्मपत्नी हिमालय के बीच अपने धार्मिक आधार को स्थापित करने और अपने धार्मिक आधार का विस्तार करने की इच्छा की थी। किंवदंतियों के अनुसार, अपने धर्मोपदेश के लिए एक उपयुक्त स्थान खोजने के लिए वे पंच बद्री के चार स्थलों - ध्यान बद्री, योग बद्री, ब्रिधा बद्री और भावेश बद्री की खोज के लिए गए थे। अंत में वे एक जगह पर आए जो अलकनंदा नदी के पीछे दो आकर्षक ठंड और गर्म झरनों के साथ धन्य था। इस जगह को खोजने के लिए वे बेहद खुश थे और इस तरह उन्होंने इस स्थान का नाम बद्री विशाल रखा, यही से बद्रीनाथ अस्तित्व में आया।

सभी वर्गों के लिए उपयोगी है सूक्ष्मासन योग

डॉ परिणीता सिंह

सूक्ष्मासन वे योगाभ्यास है, जिसमें शरीर के सभी बाहरी छोटे बड़े जोड़ों- जैसे पांव की अंगुलियों से लेकर गर्दन, चेहरा तक के जोड़ों एवं मांसपेशियों में उसकी निर्धारित सीमा तक मोड़ते या घूमते आते हैं। सामान्य खिंचाव उत्पन्न किया जाता है। यह अभ्यास बड़ा ही सरल दिखता है लेकिन इसका प्रभाव भाग में काफी बदलाव लाता है जिससे ना सिर्फ जोड़ों और मांसपेशियों में स्फूर्ति और लचीलापन आता है बल्कि मन मस्तिष्क से यह जुड़े रहने के कारण यहां भी सकारात्मक बदलाव होते हैं। स्नायु में परिवर्तन हमारे प्राण संचार को सक्रिय करता है जिससे इन जोड़ो से विषैले तत्व बाहर आते हैं और मन स्थिर एवं स्वस्थ शरीर की प्राप्ति होती है। यह अभ्यास

किसी भी अभ्यास से कम नहीं होता है। हम सभी जानते हैं कि शरीर एवं मस्तिष्क एक ही इकाई के दो भाग हैं। मन मस्तिष्क में उत्पन्न तनाव हमारे मांसपेशियों तथा जोड़ों मैं कडापन एवं थकान उत्पन्न कर देता है। शारीरिक दुर्बलता का असर भावना पर पड़ता है और यह भावनात्मक विक्षेप हमारे जीवन का नियमित अंग बन जाता है। जब इस अभ्यास को स्वास एवं सजगता के साथ करते हैं तो प्रत्येक अंगों के प्रति एकाग्रता उत्पन्न होती है। मस्तिष्क के सोमेटोसेंसरी क्षेत्र जहां दर्द, तापमान,दबाव, स्पर्श की अनुभूति ,मांसपेशियों की गति और जोड़ो की स्थिति के बारे में महसूस किया जाता है। जोड़ो की गति इस तनाव से उत्पन्न बीमारियां जैसे गठिया ,उच्च रक्तचाप ,अस्थमा, अल्सर के लिए रामबाण का काम करती है। इस अभ्यास को सभी वर्ग के लोग कर सकते हैं खासकर वृद्ध व्यक्तियों के लिए काफी लाभप्रद है क्योंकि बढ़ती उम्र के कारण सभी योगाभ्यास संभव नहीं हो पाता है। परंतु यह सूक्ष्म अभ्यास सरलता से हो सकता है और शारीरिक एवं मानसिक विश्रांति को प्राप्त किया जा सकता है। वे अभ्यास जो उच्च आसन को करना चाहते हैं वह इन सूक्ष्म अभ्यास द्वारा अपने शरीर को लचीला एवं मनःस्थिति को तैयार कर सकते हैं।

गेस्ट फैकल्टी : स्कूल ऑफ योग, रांची यूनिवर्सिटी, रांची

लोकप्रिय होता गोबर पेंट

प्रकाश नारायण सिंह

गोबर से बने पेंट को देशभर में काफी पसंद किया जा रहा है। इस पेंट से लोग अपने सपनों के घर को रंग रहे हैं। खादी ग्रामोद्योग के साथ मिलकर जयपुर के एक इंस्टीट्यूट में तैयार किया गया यह पेंट तेजी से बिक रहा है। खादी ग्रामोद्योग आयोग के वरिष्ठ अधिकारी की ओर से बताया गया है कि इसकी सेल काफी बेहतर है। महज 12 दिन के अंदर गोबर से बना साढ़े तीन हजार लीटर पेंट अभी तक बिक चुका है। यह भी तब है जबकि पेंट की बिक्री सिर्फ दिल्ली और जयपुर के दो स्टोर से ही की गई थी। हालांकि अब खादी ग्रामोद्योग ने इसकी ऑनलाइन बिक्री भी शुरू कर दी है। जिसके बाद से देशभर में कहीं से भी लोग इसे ऑर्डर कर सकते हैं।

गोबर से बने इस पेंट के ट्रायल और टेस्टिंग के दौरान भी यह पेंट तीन हजार लीटर बिक चुका है। किसी भी कंपनी का पेंट बनता है तो उसमें एक वॉलेटाइल ऑर्गनिक कंपाउंड होता है। वीओसी में कुछ हानिकारक तत्व होते हैं जो पेंटिंग के दौरान भाप बनकर बाहर निकलते हैं। इससे पेंट करने वाले को आंखों में जलन शुरू हो जाती है। टेस्टिंग और इसकी फाइनल रिपोर्ट में देखा गया कि गोबर से बने इस पेंट में वीओसी की मात्रा न के बराबर है। जिसकी वजह से इससे कोई परेशानी नहीं होती। इस पेंट को ऑर्डर करने वाले लोगों के फीडबैक में भी यह सामने आया है कि यह एक ईकोफ्रेंडली प्रोडक्ट है जिसकी वजह से लोग इसे बहुत ज्यादा पसंद कर रहे हैं। ग्रामोद्योग की ओर से बताया गया कि इसे गाय से मिलने वाले रोजगार के लिए शुरू किया गया है। हालांकि इसके उपयोगी होने के कारण यह लोगों को भा रहा है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लांच किया था। इतना ही नहीं इस पेंट को लांच करने से पहले नितिन गडकरी ने भी इसका इस्तेमाल अपने आवास की दीवारों पर किया है। वहीं खादी ग्रामोद्योग की कई बिल्डिंगों में इसको पेंट किया गया है। इसे बनाने का काम खासतौर पर गौशालाओं में शुरू किया गया है।

चमचमाते किचन के लिये कुछ टिप्स

डॉ शीतल

बिना मेहनत पाना है चमचमाता किचन तो आजमाएं ये 6 स्मार्ट किचन क्लीनिंग हैक्स

किचन को साफ-सुथरा रखने में काफी मेहनत और समय लगता है। अगर आप भी चमचमाता हुआ किचन चाहती हैं लेकिन किचन की सफाई को लेकर परेशान हैं तो आज का लेख जरूर पढ़ें। आज हम आपको कुछ आसान हैक्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप आसानी से और कम समय में किचन की सफाई कर सकती हैं

किचन का साफ-सुथरा और व्यवस्थित रहना बहुत जरूरी है क्योंकि अगर किचन साफ नहीं होगा तो हाइजीन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन किचन को साफ-सुथरा रखने में काफी मेहनत और समय लगता है। अगर आप भी चमचमाता हुआ किचन चाहती हैं लेकिन किचन की सफाई को लेकर परेशान हैं तो आज का लेख जरूर पढ़ें। आज हम आपको कुछ आसान हैक्स बताने जा रहे हैं, जिन्हें फॉलो करके आप आसानी से और कम समय में किचन की सफाई कर सकती हैं -

किचन टाइल्स

अक्सर किचन में गर्मी और खाना पकाने की वजह से टाइल्स पर तेल और गंदगी जमा हो जाती है। यह देखने में खराब लगती है और इससे किचन में कीटाणु पैदा होने का भी डर रहता है। अगर आप किचन की टाइल्स को साफ करना चाहती हैं तो एक स्प्रे बोतल में एक कप सिरका और आधा कप बेकिंग सोडा मिलाएं। अब इस लिक्विड को टाइल्स पर स्प्रे करें और टूथब्रश की मदद से साफ करें।

चॉपिंग बोर्ड

किचन में सब्जियां काटने के लिए चॉपिंग बोर्ड का इस्तेमाल होता है। इसे साफ करने के लिए आप नमक और नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैन इसके लिए चॉपिंग बोर्ड पर नमक छिड़के। इसके बाद इसके ऊपर नींबू का रस डालें और नींबू से इसे रगड़कर साफ करें। ऐसा करने से चॉपिंग बोर्ड साफ हो जाएगा और बदबू भी चली जाएगी।

बर्तन

हम किचन के बर्तनों को तो साफ करते हैं लेकिन बर्तन साफ करने वाले स्पंज की सफाई करना भूल जाते हैं। इससे स्पंज पर बैक्टीरिया और कीटाणु पनपने लगते हैं। इसके लिए बर्तन साफ करने वाले स्पंज को भी दिन में एक बार जरूर साफ करना चाहिए। इसके लिए स्पंज को एक गिलास पानी के साथ कुछ मिनटों केली माइक्रोवेव में रख दें। इससे उसमें जमा तेल और गंदगी निकल जाएगी।

सिंक

किचन सिंक में जमा गंदगी को साफ करने के लिए आधा कप पानी में तीन चार चम्मच विनेगर मिलाएं। अब इसमें एक सूती कपड़ा डुबोकर सिंक को अच्छी तरह साफ करें।

कैबिनेट

किचन कैबिनेट को साफ करने के लिए सिरका और लिक्विड सोप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आधा कप सिरका में लिक्विड सोप मिलाएं। फिर एक स्क्रबर की मदद से कैबिनेट को अच्छी तरह रगड़कर साफ करें। उसके बाद एक साफ कपड़े कोगीला करके कैबिनेट को पोंछ लें।

त्वचा कहती है विटामिन की कमी है, आप समझें

निधि सिंह

लैंग्वेज यानी भाषा ही तो है जो हमारे-आपके बीच सेतु है। ऐसी ही एक भाषा हमारी त्वचा के लिए है। यानी स्किन लैंग्वेज। स्किन लैंग्वेज सिर्फ 6 अक्षर। यानी केवल 6 अक्षरों से आप ग्लोइंग स्किन के लिए जरूरी विटामिंस जान पाएंगे।

विटामिन ए :

स्किन लैंग्वेज का पहला अक्षर। कई बार त्वचा सूखी, बेजान व रूखी हो जाती है। बाहर से लीपापोती करेंगे तो यह क्षणिक सुधार है। लीपापोती की परत उतरते ही ड्राई स्किन ही दिखेगी। इसका स्थायी समाधान है विटामिन ए का सेवन। विटामिन ए के लिए भोजन में शामिल करें साग (गहरे हरे रंग की विविधता), गाजर, सलाद, मछली, कॉड लिवर ऑयन, शकरकंद, ब्रोकली, लाल शिमला मिर्च, आम, अंजीर, कद्दू, टमाटर, संतरा, पपीता आदि। औसतन 700 से 900 एमजी प्रतिदिन विटामिन ए का सेवन करना चाहिए। विटामिन ए एजिंग प्रक्रिया को धीमा करता है, यूवी किरणों से त्वचा को बचाता है, स्किन सेल प्रोडक्शन को बढ़ाता है, स्किन इंफेक्शन को रोकता है, त्वचा को चमकदार बनाता है।

विटामिन बी :

यह त्वचा को ग्लोइंग और हाइड्रेटेड रखता है। साथ ही त्वचा से एजिंग के निशान मिटाता है, स्किन पिग्मेंटेशन को रोकता है। जब ये सब त्वचा से नदारद हो, तो समझ जाएं कि स्किन में विटामिन बी की कमी है। विटामिन बी त्वचा के साथ-साथ बालों व नाखूनों की सेहत के लिए जरूरी हैं। इस विटामिन में 8 प्रकार के विटामिंस का समावेश होता है।यानी बी1, बी2, बी3, बी5, बी6, बी7, बी9 और बी12। विटामिन बी के प्रमुख स्रोत है सैलमन फिश, टूना फिश, अंडे, एवोकाडो, अनार, खजूर, तरबूज, दालें, पालक, आलू, दलिया, केले, खुबानी, सूरजमुखी के बीज, चावल आदि।

विटामिन सी :

जवां दिखने के लिए कोलेजन बहुत जरूरी है। इसके लिए विटामिन सी का सेवन करें। कोलेजन का सीधा कनेक्शन है इम्यून सिस्टम से। विटामिन सी के प्रमुख स्रोत हैं खट्टे फल, पत्तेदार साग, केला, फूलगोभी, हरी मिर्च, ब्रोकली, शलगम, टमाटर, शकरकंद आदि।

विटामिन ई :

ब्यूटी कॉन्शियस हैं, तो विटामिन ई के फायदों से आप वाकिफ होंगे। ये मददगार है एजिंग व यूवी के निशान मिटाने, त्वचा में कसावट लाने और त्वचा को मुलायम बनाने में। इसके प्राकृतिक स्रोत हैं- ब्रोकली, केला, पालक, बादाम, मूंगफली, सूरजमुखी का तेल, जैतून और नारियल तेल, कद्दू, लाल शिमला मिर्च आदि।

विटामिन के :

इस तत्व को काफी नजरअंदाज किया जाता है। तो अगली बार काले धब्बे, खरोंच या निशान दिखें तो उन्हें क्रीम से बेअसर नहीं, बल्कि विटामिन से उसका खात्मा करें। बता दें कि ये एक एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है जो फ्री रेडिकल्स से त्वचा को बचाता है। इसके प्रमुख प्राकृतिक स्रोत हैं- पत्तागोभी, फूलगोभी, पालक, हरी पत्तेदार सब्जियां, केला, सलाद, हरी फलियां, अंडे आदि।

स्पीड न्यूज

समाज को आगे बढ़ाने में महिलाओं की भूमिका अहम : आरती सिंह

रामगढ़। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को भाजपा महिला मोर्चा ने ब्रह्मर्षि धर्मशाला में कार्यक्रम किया। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह, प्रदेश मंत्री व रामगढ़ जिला प्रभारी नीलम चौधरी, प्रदेश नेत्री इलारानी पाठक, डॉ गीता सिन्हा मानकी, डॉ आरती दीप्ति, समाज सेवी पूनम सक्सेना, जिलामंत्री किरण सिंह मौजूद थी। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह ने कहा कि देश और समाज को आगे ले जाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। कहा कि वर्तमान समय में हर क्षेत्र में महिलाएं देश का नाम रौशन कर रही है। केंद्र की भाजपा सरकार की महिला सशक्तिकरण योजनाओं का जिक्र करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस बार के बजट में महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए है।कहा कि लखपति दीदी योजना देश की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। कहा कि मुइया योजना के द्वारा भी सरकार देश की महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुधारने के दिशा में कार्य कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष आरती सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा देश की महिलाओं को सम्मान देने का कार्य किया है। जिसका उदाहरण द्रौपदी मुर्मू को देश का राष्ट्रपति बनाना और रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाना है।

स्वास्थ्य पर ध्यान दें महिला : डॉ गीता

रामगढ़। सेल रिफ्रेक्ट्रीज यूनिट इफिको तथा रांची रोड में शनिवार को विश्व महिला दिवस पर कार्यक्रम में डॉ गीता सिन्हा मानकी ने कहा कि आज के दौर में महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं। एक दौर था जब महिलाएं घर की दहलीज से बाहर कदम नहीं निकालती थी। आज महिलाएं पुरुषों से कहीं अधिक कार्यशील हैं। जबकि उन्हें बाहरी कामकाज के बाद घरेलू कामकाज तथा परिवार की देखभाल की भी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। ऐसे में महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मौके पर महाप्रबंधक (अनुरक्षण) पीके गुप्ता, महाप्रबंधक (परियोजना) केशरीनंदन, महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासनिक) एके सिन्हा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) यशा श्रीवास्तव एसआरयू कर्मचारी प्रसेनजीत सिंह, प्राणदीप बक्शी,रूमा दास सहित संयंत्र के काफी संख्या में महिला पुरुष कामगार मौजूद थे।

कायस्थ महासभा ने जताया शोक

रामगढ़। रामगढ़ सौदागर मुहल्ला निवासी स्वर्गीय उमाशंकर प्रसाद की धर्मपत्नी 94 वर्षीय नीलम देवी का शनिवार को 1:00 बजे निधन हो गया। उनके निधन पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा शोक संवेदना व्यक्त किया है। कहा कि उनके आकस्मिक निधन से कायस्थ समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है। ईश्वर उनकी आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे और परिजनों को दु:ख सहने की शक्ति प्रदान करे। इस दुख की घड़ी में कायस्थ महासभा शोक संतप्त परिजनों के साथ है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में राष्ट्रीय मंत्री अमित कुमार सिन्हा, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शंभु प्रसाद, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिन्हा, वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार सिन्हा,कुंटू बाबू रणजय कुमार आदि शामिल हैं।

राजा केशरी को मिला स्वर्ण पदक

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा गुरुद्वारा रोड निवासी सह महावीर होटल के संचालक महावीर केशरी एवं रीता देवी के पुत्र राजा केशरी ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्हें केंद्रीय विश्वविद्यालय राजस्थान से इंटीग्रेटेड एमएससी बीएड (गणित) सत्र 2020–2023 के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. टीजी सीथाराम (अध्यक्ष एआईसीटीई) और विशिष्ट अतिथि डॉ. निलेश देसाई (निदेशक अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र इसरो अहमदाबाद) ने राजा केशरी को सम्मानित करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। राजा केशरी वर्तमान में बिहार सरकार में 11वीं–12वीं के सरकारी स्नातकोत्तर शिक्षक (बीएससी) के रूप में कार्यरत हैं। उनकी यह सफलता संघर्ष, मेहनत और समर्पण की मिसाल है, जो युवा पीढ़ी को प्रेरित करती है। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास सच्चे हों, तो सफलता निश्चित है। राजा की उपलब्धि पर पिता महावीर केशरी, माता रीता देवी, बहन सोनाक्षी व खुशी ने दी बधाई।

उज्जवला फाउंडेशन में मना महिला दिवस

कुजू। हर महिला की सफलता समाज के लिए प्रेरणा बनती है। नारी कोमल है, लेकिन उसकी शक्ति अटूट है। नारी ही शक्ति है, नारी ही सृजन है, नारी के बिना ये जग अधूरा है। उक्त बातें उज्जवला फाउंडेशन के अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने कही। श्री प्रजापति शनिवार को बोंगाबार स्थित मोतीराम कॉम्पलेक्स में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर आयोजित कार्यक्रम में सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिला जो भी सपने देखती है, उसे पूरा करके इतिहास रचती है। महिलाएं आज के समय पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। कला से लेकर खेल, बिजनेस और साइंस से लेकर टेक्नोलॉजी तक हर क्षेत्र में महिलाएं कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। उन्होंने सभी सदस्यों को महिला दिवस की बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। इधर उन्होंने बताया कि आने वाले समय में महिलाओं पर होने वाला प्रताड़ना को लेकर भी उज्जवला फाउंडेशन द्वारा अभियान चलाया जायेगा।भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सह वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को देवी का स्वरूप माना गया है।

नलकूप, जल मीनार और बोरिंग को जल्द करें दुरुस्त : जायसवाल

रामगढ़ : दिशा की बैठक में सांसद ने दिये कई निर्देश

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। जिला समाहरणालय सभाकक्ष में शनिवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमिटी डीडीसीएमसी/दिशा की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान रामगढ़ विधायक ममता देवी , बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, मांडू विधायक निर्मल महतो, उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी सहित अन्य उपस्थित थे बैठक में पूर्व में हुई दिशा की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की सभी को विस्तार से जानकारी दी गई जिसकी क्रमवार समीक्षा करते हुए हर घर जल नल योजना के संबंध में गर्मी के मौसम को देखते हुए जिले के सभी पंचायत में सर्वे कराकर जलापूर्ति सुनिश्चित कराने को लेकर सांसद ने अधिकारियों को सभी जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर बंद पड़े नलकूप, जल मीनार, बोरिंग कार्य को जल्द ही दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। जेएसएलपीएस के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए सांसद द्वारा वर्तमान में जिले में संचालित सखी मंडलों एवं उन्हें मिल रहे लाभ की जानकारी ली गई मौके पर विभिन्न उपायों से जेएसएलपीएस के संगठनों को मजबूत करने, रोजगार से अधिक से अधिक जोड़ने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। विद्युत संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए सांसद के द्वारा वर्तमान में विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मर की मरम्मति आदि की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही उन्होंने नए कनेक्शन हेतु प्राप्त आवेदनों को भी त्वरित निष्पादित करने का निर्देश दिया। सामाजिक सुरक्षा शाखा अंतर्गत संचालित विभिन्न राष्ट्रीय व राज्य पेंशन योजनाओं की समीक्षा के क्रम में सभी योग्य लाभार्थियों को योजनाओं से आच्छादित करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चल रहे कार्यों को लेकर जानकारी लेते हुए सांसद के द्वारा कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क समस्याओं पर विशेष ध्यान देने, सड़क की स्थिति को देखते हुए सर्वे करने तथा सड़क निर्माण से संबंधित प्रस्ताव उपलब्ध कराने को लेकर

महिला दिवस पर भाजपा महिला मोर्चा ने लगाया स्वास्थ्य शिविर

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा हजारीबाग सदर विधायक कार्यालय में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर और अंगदान जागरूकता अभियान का भव्य आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और अंगदान के महत्व को समाज तक पहुंचाना था। कार्यक्रम में पारस हॉस्पिटल की टीम ने महिलाओं के लिए ब्लड प्रेशर, शुगर टेस्ट, बीएमआई, आंखों की जांच और स्त्री रोग संबंधी परीक्षण किए, जिससे बड़ी संख्या में महिलाओं ने लाभ उठाया। साथ ही, शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान की प्रक्रिया और उसके लाभों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति का अंगदान कई जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन दे सकता है। इस अभियान के अंत में भाजपा महिला मोर्चा की कई सदस्यों ने अंगदान का संकल्प लिया, जो समाज के लिए एक प्रेरणादायक पहल रही। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि महिलाएं समाज का आधार स्तंभ हैं, और उनका स्वस्थ और सशक्त होना समाज के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। भाजपा महिला मोर्चा का यह प्रयास स्वास्थ्य और सेवा भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष साक्षी राणा ने कहा कि यह कार्यक्रम सिर्फ स्वास्थ्य जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करने की एक पहल है। उन्होंने महिलाओं से स्वास्थ्य जांच को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने और अंगदान जैसे महान कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में विधायक प्रदीप प्रसाद ने पारस हॉस्पिटल और शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज की टीम को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस आयोजन में स्थानीय महिलाओं की भारी भागीदारी देखी गई, जिससे यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता और समाज सेवा की दिशा में एक सफल पहल बन गया।

महिला सशक्तिकरण पर निबंध प्रतियोगिता

हजारीबाग। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भारत स्काउट और गाइड, राज्य प्रशिक्षण केंद्र सह जिला मुख्यालय हजारीबाग में निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय "नारी सशक्तिकरण में स्काउट गाइड की भूमिका" था, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के स्काउट एवं गाइड ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में यदुनाथ बालिका उच्च विद्यालय, संत रोबोट बालिका उच्च/मध्य विद्यालय और संत रोबोट बालक उच्च/मध्य विद्यालय के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जिला संस्था द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को आगामी कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा मान्यता प्राप्त हर वर्ष 8 मार्च को महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक उपलब्धियों को सम्मानित करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष का थीम "कार्रवाई में तेजी लाना" है, जो लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति को तेज करने पर जोर देता है।

श्री अग्रसेन स्कूल में विधायक ने डिजिटल बोर्ड का किया उद्घाटन

भुरकुंडा (रामगढ़)। श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में शनिवार को विधायक रोशनलाल चौधरी व डॉ. रेखा चौधरी ने स्मार्ट इंटरैक्टिव डिजिटल बोर्ड का उद्घाटन किया। अतिथियों ने डिजिटल बोर्ड के माध्यम से पढ़ाई के तरीके की जानकारी लेते हुए इसे बच्चों के लिए बेहतर बताया। स्मार्ट क्लासेज के उद्घाटन के बाद अतिथियों ने शैक्षणिक व खेलकूद की गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। श्री चौधरी ने कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था हाईटेक होती जा रही है। डिजिटल बोर्ड में इनबिल्ट फीचर्स को देखकर कहा जा सकता है कि इसके माध्यम से बच्चों की शिक्षा में और सुधार होगा। बच्चे आधुनिकता की दौड़ में कदमताल कर सकेंगे। उनका पढ़ाई में मन लगेगा व उनकी रुचि बढ़ेगी। बच्चे अपने विषय को आसानी से समझ पाएंगे। डॉ रेखा चौधरी ने कहा कि पुरस्कार मिलने से बच्चे और बेहतर करने के लिए मोटिवेट होते हैं। उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य को गढ़ने में सहायक होती है। स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने कहा कि बच्चों की पढ़ाई व खेलकूद के लिए लगातार सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। मौके पर योगेश दांगी, सतीश मोहन मिश्रा, अमरेश सिंह, राजेश मंडल, अनूप सिंह, गौतम मुखर्जी, ज्योति सिंह

परवरिश एडुकेयर में मना महिला दिवस

कुजू। परवरिश एडुकेयर स्कूल कुजू में विद्यार्थियों की माताओं के साथ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इविद्यालय के निर्देशक शैलेंद्र कुमार और प्रबंधक निदेशक विकास कुमार सिंह ने विद्यालय की तरफ से विद्यालय की सभी शिक्षिकाओं और माता को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। विद्यालय के बच्चों की माताओं के लिए विद्यालय में प्रतियोगिता और खेल का आयोजन किया गया, जिसमें माताएं बढ़-चढ़कर हिस्सा लिए। साथ ही होली मिलन का भी लुफ्त उठाया। हमारे बीच विद्यालय के प्रबंधक निदेशक विकास कुमार सिंह और विद्यालय की ट्रस्टी रूबी

मुखिया सत्यवंती देवी को डीसी ने किया सम्मानित

भुरकुंडा (रामगढ़)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शनिवार को पंचायत बुध बाजार दोतल्ला की मुखिया सत्यवंती देवी को उपायुक्त चंदन कुमार ने उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। जल जीवन मिशन/स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण) फेज-2 के अंतर्गत स्वच्छता एवं जल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने को लेकर उपायुक्त चंदन कुमार और कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़ प्रदीप कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से मुखिया सत्यवंती देवी को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। मुखिया ने बताया कि ग्राम पंचायत बुध बाजार दोतल्ला में स्वच्छता एवं जल संचय हेतु ग्रामीणों को कई विशेष ग्रामसभा एवं विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम के माध्यम से निरंतर जागरूकता लाने का प्रयास किया जा रहा है। यहां के लोग शत प्रतिशत खुले में शौच से मुक्त हैं। ग्रामीण अपने स्तर से अपने मोहल्ले-टोलों को साफ सफाई करते हैं। उन्होंने बताया कि जल संचय के लिए अधिकांश घरों में सोकता गड्ढा का निर्माण किया गया है। वर्षा जल का संचय के लिए, ग्रामीणों ने स्वयं के खर्च से दर्जनों छोटी-बड़ी तालाब का निर्माण किया।

जेएसपी में धूमधाम से मना महिला दिवस

महिलाओं के बिना समाज का प्रगति अधूरा : गुरदीप कौर

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। जिंदल स्टील एंड पॉवर पतरातू में शनिवार को धूमधाम से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मानव संसाधन विभाग के देखरेख में जिंदल क्लब व प्लांट में कार्यरत महिलाओं के मान-सम्मान, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में उनकी तरक्की के जश्न में विशेष कार्यक्रम किया। जिंदल महिला क्लब की अध्यक्ष गुरदीप कौर ने कहा कि महिलाएं समाज की मजबूत आधारशिला हैं। महिलाओं के बिना समाज की प्रगति अधूरी है। उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ने और हर क्षेत्र में अपनी क्षमता साबित करने के लिए प्रेरित किया। जिंदल फाउंडेशन की अध्यक्ष शालू जिंदल ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि ह्रमहिला सशक्तिकरण केवल एक विचार नहीं, बल्कि समाज की उन्नति के लिए एक आवश्यक पहल है। महिलाओं को समान अवसर, शिक्षा और सम्मान मिलना चाहिए। ताकि वे अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रेरणादायक भाषण से सबों का मन मोह लिया। इस अवसर पर महिला कर्मचारियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कहा गया कि इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को प्रेरित करना और उनके योगदान को पहचान दिलाना है। कार्यक्रम में प्लांट में कार्यरत महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एक नजर में

महिलाओं को हर दिन मिले सम्मान : संजय

हजारीबाग। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दामोदर घाटी निगम द्वारा महिलाओं के सम्मान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की हजारीबाग सेवाकेंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी हर्षा दीदी और देवांगना सेवाकेंद्र की संचालिका तृप्ति दीदी उपस्थित थी। कार्यक्रम में कॉलोनी की महिलाओं को सम्मानित किया गया। दामोदर घाटी निगम के निर्देशक संजय कुमार, सहयोगी एस.के. शर्मा और राहुल कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। निर्देशक संजय कुमार ने ब्रह्माकुमारी बहनों को शॉल, बुके और मोमेंटो देकर सम्मानित किया और कहा कि महिला केवल एक दिन के सम्मान की हकदार नहीं, बल्कि वह हर दिन सम्मान की अधिकारी है। वह सृजन की शक्ति है, जो समाज की दशा और दिशा बदलने की क्षमता रखती है। एसके शर्मा ने कहा कि बिना नारी के सृष्टि की उत्पत्ति भी संभव नहीं होती। ब्रह्माकुमारी हर्षा दीदी ने कहा कि हर महिला को पहले स्वयं का सम्मान करना सीखना चाहिए। जब हम खुद को स्व–सम्मान में रखते हैं, तो फिर किसी और के सम्मान या अपमान से प्रभावित नहीं होते। स्वतंत्रता का अर्थ उदंडता नहीं होना चाहिए। हमें अपनी सभ्यता, संस्कृति और कर्तव्यों की स्मृति रखनी होगी। उन्होंने महिलाओं को समाज की धुरी बताते हुए उन्हें अपनी गरिमा बनाए रखने और आत्म–सम्मान को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं को प्रेरणादायक उपहार भेंट किए गए। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि महिला केवल सम्मान की हकदार नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने वाली शक्ति भी है।

अरुण साहू ने दी तिलेश्वर साहू को दी श्रद्धांजलि

बरही। तिलेश्वर साहू की पुण्यतिथि पर उनके पुत्र अरुण साहू ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके संघर्षों और बलिदानों को नमन किया। इस अवसर पर परिवार के सदस्यों, समाजसेवियों, कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा–अर्चना से हुई, जिसमें उनकी पत्नी साबी देवी, भाई मेघनाथ साहू और परिवार के अन्य सदस्य शामिल हुए। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए अरुण साहू ने कहा कि उनके पिता ने बिना किसी पद के समाजसेवा को अपना धर्म माना और सदैव गरीबों, किसानों व वंचितों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा, "मेरे पिता केवल हमारे परिवार के नहीं, बल्कि पूरे समाज के मार्गदर्शक थे। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर हम समाज में समानता और न्याय की स्थापना करेंगे।" सभा में मौजूद वक्ताओं ने भी शहीद तिलेश्वर साहू के योगदान को याद करते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर कांग्रेस, भाजपा और विभिन्न संगठनों के नेताओं व समाजसेवियों ने भाग लिया। सभी ने एकजुट होकर शहीद तिलेश्वर साहू की विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया, जिससे समाज के वंचित वर्गों को उनका हक मिल सके।

चचरो पार्क में नेहरू की प्रतिमा क्षतिग्रस्त

बरही। चचरो पार्क में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे स्थानीय लोगों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। प्रतिमा के सिर को तोड़कर अपमानजनक कृत्य किया गया, जिसे कांग्रेस नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला करार दिया है। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी अरुण साहू अपने समर्थकों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रशासन से दोषियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा, "यह केवल नेहरू जी का नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक विचारधारा का अपमान है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को सजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।" अरुण साहू ने इस घटना की जानकारी प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, जिला उपायुक्त और प्रशासन को देकर जांच और त्वरित कार्रवाई की मांग की। साथ ही, उन्होंने पार्क के जीर्णोद्धार और नेहरू जी की नई प्रतिमा स्थापित करने की अपील की।

बीएम मेमोरियल स्कूल में मना महिला दिवस

बड़कागांव। बीएम मेमोरियल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के निदेशक संदीप कुशवाहा की अध्यक्षता में हुए इस आयोजन में महिला शिक्षकों को बुके और टॉफी देकर सम्मानित किया गया। कुशवाहा ने कहा कि महिलाओं का सम्मान ही सशक्त समाज की पहचान है। उनके त्याग और बलिदान से ही यह संसार संचालित होता है। वहीं, महिला शिक्षिकाओं ने आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का संदेश देते हुए कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को भी आगे आने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपनिदेशक पिंटू कुशवाहा, प्राचार्य कैलाश कुमार, उप प्राचार्य पूनम कुमारी सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक, शिक्षिकाएं और छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने महिला सशक्तिकरण का संकल्प लिया और महिलाओं की भूमिका को सराहा।

विधायक ने किया पुल का शिलान्यास

विष्णुगढ़ बराई गांव में बड़की बांध पर बगोदर विधायक नागेंद्र महतो ने पुल का किया शिलान्यास। यह पुल जिला योजना अनाबद्ध निधि के तहत 53 लाख रुपये की लागत से बनाई जाएगी। विधायक ने कहा कि सड़क और पुल–पुलिया किसी भी क्षेत्र के विकास की पहली कड़ी है, जिससे आवागमन सुगम होगा। उन्होंने काली मंदिर से बांध तक पक्की सड़क निर्माण का भी आश्वासन दिया।

बड़कागांव में 15 महिलाएं हुयीं सम्मानित

बड़कागांव। बड़कागांव के जीडीएम बालिका उच्च विद्यालय सभागार में अंबा सखी सहकारिता समिति के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने की, जबकि संचालन संगीता देवी ने किया। इस कार्यक्रम में केरेडारी, बड़कागांव और पतरातू प्रखंड की सैकड़ों महिलाओं ने भाग लिया और महिला एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान बड़कागांव प्रखंड की 15 महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इन्हें सम्मानस्वरूप सिलाई मशीनें प्रदान की गईं। सम्मानित महिलाओं में आकांक्षा कुमारी भी शामिल थीं, जिनके पिता अशोक कुमार, जो पीएम श्री बड़कागांव के प्रधानाध्यापक हैं, ने पुरस्कार स्वरूप मिली सिलाई मशीन को स्कूली बच्चों के लिए दान कर दिया। पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि अंबा सखी सहकारिता समिति के तहत शक्ति कोड जारी किया गया है, जिससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष विशेश्वर नाथ चौबे, चंदर साव, सुनीता देवी, कविता देवी सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रहीं।

डॉ मेरी ग्रेस

एक समाजिक राजनैतिक कार्यक्रम के रुप में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव को मनाने की शुरुआत हुई जिसके दौरान कई देशों में अवकाश की घोषणा की गयी। अपने अनमोल योगदान के लिये महिला संघर्ष की ओर राजनीतिक और सामाजिक जागरुकता को मजबूत करने के लिये वर्ष के खास विषय और पूर्व योजना के साथ हर वर्ष इसे मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस क्यों मनाया जाता है

1910 के अगस्त महीने में, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के सालाना उत्सव को मनाने के लिये कोपेहेगन में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय समाजवादी की एक मीटिंग (अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन के द्वारा आयोजित) रखी गया थी। अंततः अमेरिकन समाजवादी और जर्मन समाजवादी लुईस जिएत्ज.की सहायता के द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का वार्षिक उत्सव की स्थापना हुई। हालाँकि, उस मीटिंग में कोई एक तारीख तय नही हुई थी। सभी महिलाओं के लिये समानता के अधिकार को बढावा देने के लिये इस कार्यक्रम को मनाने की घोषणा हुई।। इसे पहली बार 19 मार्च 1911 में ऑस्ट्रीया, जर्मनी, डेनमार्क और स्वीट्जऱलैंड के लाखों लोगों द्वारा मनाया गया था। विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम जैसे प्रदर्शनी, महिला परेड, बैनर आदि रखे गये थे। महिलाओं के द्वारा वोटिंग की माँग, सार्वजनिक कार्यालय पर स्वामित्व और रोजगार में लैंगिक भेद-भाव को समाप्त करना जैसे मुद्दे सामने रखे गये थे। हर वर्ष फरवरी के अंतिम रविवार को राष्ट्रीय महिला दिवस के रुप में अमेरिका में इसे मनाया जाता था। फरवरी महीने के अंतिम रविवार को 1913 में रशियन (रुस की) महिलाओं के द्वारा इसे पहली बार मनाया गया था। 1975 में सिडनी में महिलाओं (ऑस्ट्रेलियन बिल्डर्स लेबरर्स फेडरेशन) के द्वारा एक रैली रखी गयी थी। 1914 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव 8 मार्च को रखा गया था। तब से, 8 मार्च को सभी जगह इसे मनाने की शुरुआत हुई। वोट करने के महिला अधिकार के लिये जर्मनी में 1914 का कार्यक्रम खासतौर से रखा गया था। वर्ष 1917 के उत्सव को मनाने के दौरान सेंट पीटर्सबर्ग की महिलाओं के द्वारा ह्लरोटी और शांतिह्ल, रशियन खाद्य कमी के साथ ही प्रथम विश्व युद्ध के अंत की माँग रखी। धीरे-धीरे ये कई कम्युनिस्ट और समाजवादी देशों में मनाना शुरु हुआ जैसे 1922 में चीन में, 1936 से स्पैनिश कम्युनिस्ट आदि में।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कैसे मनाया जाता है

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एक खास कार्यक्रम है जिसे लोगों के साथ ही व्यापार, राजनीतिक, समुदायिक, शिक्षण संस्थानों, आविष्कारक, टीवी व्यक्तित्व आदि महिला नेतृत्व के द्वारा 8 मार्च को पूरे विश्व भर में मनाया जाता है। अन्य महिला अधिकारों को बढावा देने वाली क्रिया-कलाप सहित नाश्ता, रात का भोजन, महिलाओं के मुद्दे, लंच, प्रतियोगी गतिविधि, भाषण, प्रस्तुतिकरण, चर्चा, बैनर, सम्मेलन, महिला परेड तथा सेमिनार जैसे विभिन्न प्रकार कार्यक्रम के आयोजन के द्वारा इसे मनाया जाता है। इसे पूरे विश्व भर में उनके अधिकार, योगदान, शिक्षा की महत्ता, आजीविका आदि के मौके के लिये महिलाओं के बारे में जागरुकता बढाने के लिये मनाया जाता है। महिला शिक्षिका को उनके विद्यार्थियों द्वारा, अपने बच्चों के द्वारा माता-पिता को, बहनों को भाईयों के द्वारा, पुत्री को अपने पिता के द्वारा, उपहार दिया जाता है। ज्यादातर व्यवसायिक संस्थाएँ, सरकारी और गैर-सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थान, इस दिन बंद रहते हैं। आमतौर पर इस उत्सव को मनाने के दौरान लोग बैंगनी रंग का रिबन पहने रहते हैं।

भारत में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव

महिला अधिकारों के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिये 8 मार्च को पूरे उत्साह और जूनुन के साथ भारतीय लोगों के द्वारा पूरे भारतवर्ष में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव मनाया जाता है। समाज में महिलाओं के अधिकार और उनकी स्थिति के बारे में वास्तविक संदेश को फैलाने में ये उत्सव एक बड़ी भूमिका निभाता है। उनके सामाजिक मुद्दे को सुलझाने के द्वारा महिलाओं के रहन-सहन की स्थिति को प्रचारित करता है।

महिलाओं के सम्मान में

एक महिला होने के नाते भयानक रुप से एक कठिन कार्य है, चूँकि पुरुषों से व्यवहार में मुख्यत रुप से ये बना होता है। इन सभी शताब्दियों में महिलाओं ने सेवा की है क्योंकि इसके स्वाभाविक आकार से दोगुना एक पुरुष के रुप के परावर्तन की मनोहर शक्ति और जादू को देखने वाले शीशे रखतें हैं। अपने हिरोज.और शी-रोज.को मनाने और पहचान के लिये हमारे लिये ये कितना जरुरी है।सब मिलाकर, माँ और गृहिणि एकमात्र ऐसे कर्मचारी होते हैं जिनका काम खत्म करने का कोई समय नहीं होता। वो बिना-अवकाश वाले वर्ग होते हैं। एक पुरुष की निश्चितता से ज्यादा अचूक होता है एक महिला का अंदाज.। दिये गये समय की अवधि के लिये इतिहास में एक अनोखे विकास के लिये प्रगति से संबंधित जो भी गौरव रहा हो, नारीत्व के प्रगति से एक पूरा योगदान मतलब रखता है। नारीवादी पूरी दुनिया का विचार है या समष्टि, महिलाओं के मुद्दे का एकमात्र कपड़ो की धुलाई की सूची नहीं है। बहुत कुछ खूबसूरत जवान लड़कियों पर कहा और गाया है, क्यों कोई बूढी औरत की सुंदरता को जागृत नहीं करता है? ईश्वर महिलाओं को अंतर्ज्ञान और स्त्रीत्व प्रदान करता है। अच्छे से प्रयोग किया जाता है, ये मिश्रण आसानी से किसी पुरुष का दिमाग गड़बड़ कर देती है।

मैं जब भी मिला हूँ। समाज को जल्दी से बदलने का तरीका है कि विश्वभर की महिलाओं को संगठित कर दिया जाये। स्त्रीत्व एजेंडा मूलभूत है; ये कहता है कि सार्वजनिक न्याय और निजी खुशी के बीच में चुनने के लिये महिलाओं को कभी भी दबाव नहीं देना चाहिये। चूंकि पुरुष और महिला एक-दूसरे के पूरक है, एक सुरक्षित और स्थायी सरकार बनाने के लियेराष्ट्रीय मामलों में हमें

क्वीटी गुप्ता

अब की नारी अबला नहीं सबला है॥
खुद झुक कर उठना सिखाया हमें, खुद रुक कर बढ़ना सिखाया हमें।
खुद हार कर भी हिम्मत दिया हमें,
वो कोमल होकर भी कठोरता से हिफाजत कर आगे बढ़ाया हमें।
एक मां, एक दोस्त और एक बहन,
क्या क्या नहीं बनके उसने संभाला हमें।
कोई चाहे तुम्हें कुछ भी कहे तुम अपनी सुनना,
क्योंकि तुम अबला नहीं सबला हो।
दुखों को दूर कर खुशियों को समेटती नारी,
फिर भी लोग कहते तेरी क्या प्रतिष्ठा नारी।
सभी के दायरे में बंधी नारी, अपने कर्मों में सधी नारी सबकी खुशियों के लिए करती रहती कुर्बान अपनी खुशी नारी।
जब खत्म हो जाती सब्र की इंतेहा तो सब पे भारी पड़ती नारी,
कभी दुर्गा, कभी काली बन सभी की रक्षा करती नारी।
तुम आस्था, तुम प्रेम और तुम उम्मीदों की नहर हो,
क्योंकि तुम अबला समाज की सबला हो।
नारी दिवस की ढेर सारी शुभकामनाएं॥

विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल, कोडरमा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आईडबल्यूडी को अंतरराष्ट्रीय क्रियाशील महिला दिवस या महिलाओं के अधिकार और अंतरराष्ट्रीय शांति के लिये संयुक्त बुतपरस्त दिवस भी कहा जाता है जो समाज में महिलाओं के योगदान और उपलब्धियों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिये देश के विभिन्न क्षेत्रों में पूरे विश्व भर में 8 मार्च को हर वर्ष मनाया जाता है। इस उत्सव का कार्यक्रम क्षेत्र दर क्षेत्र बदलता रहता है।

सामान्यत: इसे पूरी महिला बिरादरी को सम्मान देने, उनके कार्यो की सराहना करके और उनके लिये प्यार व सम्मान जताने के लिये मनाया जाता है। चूँकि महिलाएँ समाज का मुख्य हिस्सा होती हैं तथा आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्रियाओं में एक बड़ी भूमिका निभाती हैं, महिलाओं की सभी उपलब्धियों की सराहना करने और याद करने के लिये अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का उत्सव मनाते हैं।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा फ्रेंड्स कॉलोनी, पंडरा, रांची में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा फ्रेंड्स कॉलोनी, पंडरा, राँची में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। यह दिन महिलाओं की शक्ति, संघर्ष और सफलता का प्रतीक है। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि महिलाएँ समाज की रीढ़ हैं, और यदि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होंगी, तो पूरा समाज सशक्त बनेगा। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, महिला ग्राहक जागरूकता अभियान की पहल की गई है, ताकि महिलाएँ अपने उपभोक्ता अधिकारों को पहचानें और समाज में एक नवा बिहान लेकर आएँ।

महिलाएँ हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन उपभोक्ता अधिकारों के प्रति उनकी जागरूकता अभी भी सीमित है। बाजार में कई बार उन्हें गलत जानकारी दी जाती है, नकली या निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद बेचे जाते हैं, और कई बार वे धोखाधड़ी और अनुचित व्यापारिक प्रथाओं का शिकार हो जाती हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि वे अपने अधिकारों के बारे में पूरी तरह से जागरूक नहीं हैं।

इसलिए, यह आवश्यक है कि महिलाएँ अपने अधिकारों को समझें और जागरूक ग्राहक बनें। उन्हें यह जानना चाहिए कि वे किसी भी खराब उत्पाद या गलत सेवा के खिलाफ आवाज उठा सकती हैं, उपभोक्ता फोरम में शिकायत कर सकती हैं और अपने पैसे व अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं।

एक जागरूक महिला ग्राहक सिर्फ खुद की ही नहीं, बल्कि अपने परिवार और समाज की भी रक्षा करती है। जब महिलाएँ गुणवत्ता, पारदर्शिता और सटीक जानकारी को प्राथमिकता देंगी, तो बाजार में भी बदलाव आएगा और गलत व्यापारिक प्रथाएँ खत्म होंगी।

इस महिला दिवस पर हम संकल्प लें कि हर महिला को जागरूक बनाएंगे, उन्हें उनके अधिकारों से परिचित कराएंगे और एक सशक्त समाज की नींव रखेंगे। क्योंकि जब महिलाएँ जागरूक होंगी, तो समाज में नवा बिहान अवश्य आएगा।

सभी महिलाओं को आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत राँची, फिल्म छावा दिखाया गया । यह सिनेमा छत्रपति संभाजी महाराज की जीवनगाथा है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उस इतिहास को नमन है जिसने हमारे देश की संस्कृति को समृद्ध किया।अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस पवन समय में प्रान्त सह सचिव आर . अजय, जिला अध्यक्ष आलोक पांडेय,जिला उपाध्यक्ष ब्रजमोहन के साथ शिक्षकगण मौजूद रहे और नारी शक्ति को नमन करते हुए संगठन में महिलाओं की अहम भूमिका ऐसे हमेशा बने रहे इसके लिए अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत का महिला आयाम का गठन किया गया। जिसका प्रमुख नेहा कुमारी तिवारी जी को बनाया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के थीम

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस एक खास थीम का इस्तेमाल कर हर वर्ष मनाया जाता है। नीचे कुछ वार्षिक आधार दिये गये थीम हैं

1975 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता दी।

1996 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था भूतकाल का जश्न, भविष्य की योजना।

1997 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिला और शांति की मेज।

1998 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिला और मानव अधिकार।

1999 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिलाओं के खिलाफ हिंसा मुक्त विश्व।

2000 2000 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था शांति के लिये महिला संसक्ति।

2001 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिला और शांति: विरोध का प्रबंधन करती महिला।

2002 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था आज की अफगानी महिला: वास्तविकता और मौके।

2003 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था लैंगिक समानता और शताब्दी विकास लक्ष्य।

2004 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिला और एचआईवी/एड्स।

2005 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था 2005 के बाद लैंगिक समानता; एक ज्यादा सुरक्षित भविष्य का निर्माण कर रहा है।

2006 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था निर्णय निर्माण में महिला।

2007 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के लिये दंडाभाव का अंत

2008 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिलाओं और लड़कियों में निवेश।

2009 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिये महिला और पुरुष का एकजुट होना।

2010 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था बराबर का अधिकार, बराबर के मौके: सभी के लिये प्रगति।

2011 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था शिक्षा, प्रशिक्षण और विज्ञान और तकनीक तक बराबरी की पहुँच: महिलाओं के लिये अच्छे काम के लिये रास्ता।

2012 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण, गरीबी और भूखमरी का अंत।

2013 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था वादा, वादा होता है: महिलाओं के खिलाफ हिंसा खत्म करने का अंत आ गया है।

2014 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम था वादा, वादा होता है: महिलाओं के समानता सभी के लिये प्रगति है।

2015 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का थीम है महिला सशक्तिकरण- सशक्तिकरण इंसानियत: इसकी तस्वीर बनाओ!(यूएन के द्वारा),महिला सशक्तिकरण पर पुर्निवचार और 2015 में लैंगिक समानता और उससे आगे (यूनेस्को के द्वारा) और तोड़ने के द्वारा (मैनचेस्टर शहर परिषद के द्वार)।

2016 2016 के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव का विषय है इसे करना ही होगा।

ई है टाटा नगरिया, देख बबुआ...

अयप्पा मंदिर जमशेदपुर के बिष्टुपुर इलाके में स्थित एक प्रसिद्ध हिन्दू मंदिर है, जो भगवान अयप्पा को समर्पित है। यह मंदिर खासतौर पर केरल शैली की वास्तुकला में बनाया गया है और इसे 1970 के दशक में जमशेदपुर में रहने वाले मलयाली समुदाय द्वारा स्थापित किया गया था। यह मंदिर खड़कई लिंक रोड, साउथ पार्क, बिस्टुपुर, जमशेदपुर में स्थित है और यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। मंदिर की बनावट केरल की पारंपरिक वास्तुकला के अनुसार की गई है। इसका मुख्य गर्भगृह लकड़ी से बना हुआ है और छत पर तांबे की परत चढ़ी हुई है।

फ्लेम्स ऑफ चेंज : कॉरपोरेट जगत में मिशाल बनी टाटा स्टील की 23 साहसी फायर फाइटर्स

- कॉरपोरेट जगत में मिशाल बनी टाटा स्टील की 23 साहसी फायर फाइटर्स

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। फायरफाइटिंग को हमेशा से एक पुरुष प्रधान पेशा माना गया है, जहां ताकत, धैर्य और हिम्मत की कसौटी पर पुरुषों का वर्चस्व रहा है। लेकिन अब यह धारणा बदल रही है। 23 साहसी महिला फायरफाइटर्स ने न केवल इस चुनौतीपूर्ण पेशे में अपनी जगह बनाई है, बल्कि यह साबित किया है कि जज्बा, हौसला और कुशलता किसी एक लिंग तक सीमित नहीं होते। आज, जब संगठन विविधता और समावेशन को बढ़ावा दे रहे हैं, ये महिलाएं न सिर्फ अपने दल में अहम भूमिका निभा रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनकर उभर रही हैं।

अपने कई ऐतिहासिक पहलुओं में से एक, 7 सितंबर 2023 को टाटा स्टील ने 23 प्रतिभाशाली महिला उम्मीदवारों को टाटा स्टील फायर सर्विसेज में शामिल किया, जिससे भारत के इस्पात उद्योग में पहली बार एक पूरी महिला फायरफाइटर्स टीम बनी। ह्यफ्लेम्स ऑफ चेंजह्न नामक इस पहल ने इस महत्वपूर्ण पेशे में लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव की नींव रखी है।

टाटा स्टील अपने डी ई आई (विविधता, समानता और समावेशन) लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इस यात्रा में यह महसूस किया गया कि एक विविध कार्यबल के लिए एक मजबूत और समावेशी समर्थन प्रणाली भी उतनी ही जरूरी है, खासकर आपातकालीन परिस्थितियों में। ऐसे में, यह अनिवार्य हो गया कि हमारी फायर ब्रिगेड जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं को न केवल उपयुक्त संसाधनों से सशक्त बनाया जाए, बल्कि उन्हें नई ऊर्जा और व्यापक प्रतिनिधित्व भी दिया जाए, ताकि हर चुनौती का सामना पूरी दक्षता और तत्परता से किया जा सके।

टाटा स्टील के इन प्रशिक्षुओं ने फायर एंड सिक्योरिटी ट्रेनिंग सेंटर में गहन इन-हाउस प्रशिक्षण प्राप्त किया। सैद्धांतिक शिक्षा को व्यावहारिक अनुभव के साथ जोड़कर एक समग्र सीखने का माहौल तैयार किया गया साथ ही आधुनिक फायरफाइटिंग तकनीकों में दक्षता हासिल करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए, उन्होंने भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (अअक) के सहयोग से 16 सप्ताह का बाहरी प्रमाणन पाठ्यक्रम भी सफलतापूर्वक पूरा किया।

पुरुष अग्निशामकों को कार्यस्थल पर इस सांस्कृतिक बदलाव के अनुरूप ढालने में मदद करने के लिए, हमने एक संवेदनशीलता अभियान शुरू किया। साथ ही, कुछ प्रशिक्षुओं में इस भूमिका को निभाने को लेकर जो झिझक थी, उसे दूर करने का तरीका खोजना जरूरी था। इसी उद्देश्य से, हमने भारत की पहली महिला अग्निशामक, हरशिनी कान्हेकर (ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन) को आमंत्रित किया, ताकि वे प्रशिक्षुओं को प्रेरित कर उनकी चिंताओं का समाधान कर सकें।

स्पीड न्यूज

10 मार्च को निकलेगी श्री श्याम निशान यात्रा

जमशेदपुर। युवाओं में धर्म के प्रति सकारात्मक सोच की उदय हेतु सतत प्रयासरत नगर के धार्मिक एवं सामाजिक संगठन श्री श्याम बाल मंडल अन्तर्गत श्री श्याम रात्रि निशान यात्रा समिति के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी 10 मार्च को विशाल रात्रि निशान यात्रा निकाली जायेगी। यह जानकारी समिति के अनिल मोदी, बिमल अग्रवाल, अनिल खण्डेलवाल एवं अन्य ने बिष्टुपुर में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दी।

इन रास्तों से गुजरेगी यात्रा : यात्रा साकची शिव मंदिर से पलंग मार्केट, बसंत टॉकीज चौक, साकची थाना रोड, गरमनाला रोड, बिष्टुपुर पोस्ट ऑफिस, डायगनल रोड, जुगसलाई थाना रोड, जुगसलाई फाटक, चौक बाजार होते हुए बैकुंठ धाम मंदिर पहुंचेगी। रास्ते में विभिन्न सामाजिक संस्था भक्तों का स्वागत करेंगे।

मोतीलाल स्कूल में भव्य संगीतमय संध्या संपन्न

जमशेदपुर। मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक उत्सव गूंज के अंतर्गत एक भव्य संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के शिक्षा जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने सम्मिलित होकर सुरों और उत्सव का आनंद लिया। इस भव्य कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य/ प्राचार्या, स्कूल प्रबंधन समिति के सम्माननीय सदस्य, शिक्षकगण एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस विशेष संध्या में जमशेदपुर के प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षक उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मौके पर मुख्य अतिथि विद्यालय के मानद सचिव डॉ डीपी शुक्ला, अध्यक्ष अखिलेश कुमार दुबे, प्रधानाचार्या संगीता सिंह तथा प्रबंधन समिति के अन्य सदस्य थे। यह संगीतमय संध्या न केवल सुरों का उत्सव थी, बल्कि जमशेदपुर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के बीच सौहार्द और मैत्री संबंधों को और प्रगाढ़ करने का एक सशक्त मंच भी साबित हुई। संध्या का प्रत्येक क्षण संगीत, यादों और आपसी सौहार्द से भरा रहा।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिन: -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

आदिवासियों की संस्कृति को संरक्षित करने को सरकार प्रतिबद्ध : हेमंत सोरेन

- मुख्यमंत्री ने कदमा में आयोजित प्रकृति उपासना का महापर्व 'बाहा पर्व' में सपत्नीक हुए शामिल
- सोरेन दंपत्ति ने पारंपरिक विधि-विधान से की पूजा-अर्चना
- राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति और कल्याण की कामना

खबर मन्त्र ब्यूरो

कदमा में जाहेरथान में आयोजित बाहा परब में भाग लेते सीएम हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन यूं दिखे आत्मीय और कदमा जाहेरथान में पूजा करते सीएम हेमंत सोरेन और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कल्पना सोरेन।

जमशेदपुर। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन आज प्रकृति उपासना का महापर्व 'बाहा पर्व' पर जमशेदपुर, कदमा के शास्त्रीनगर स्थित सरना पूजा स्थल जाहेरथान में पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर राज्यवासियों की सुख, समृद्धि, उन्नति और कल्याण की कामना की। मौके पर मुख्यमंत्री ने गुरु गोमके पंडित रघुनाथ मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आदिवासी समाज को सशक्त बनाने हेतु सरकार प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। आर्थिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक संरक्षण के साथ - साथ बहुआयामी दृष्टिकोण पर आधारित मजबूती प्रदान की जा रही है। आज आदिवासी समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है। आदिवासी सभ्यता व संस्कृति झारखंड की पहचान है। आदिवासी समाज ही प्रकृति के असली संरक्षक हैं।

मौके पर मंत्री रामदास सोरेन, सांसद जोबा मांझी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक मंगल कालिंदी, विधायक संजीव सरदार, विधायक सविता महतो, पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के अलावे आदिवासी संथाल जाहेरथान समिति के संरक्षक लक्ष्मण टुडु, अध्यक्ष भुवा हांसदा, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम कासके, सचिव पंचू हांसदा, महासचिव भीम के अलावे माझी बाबा बिन्दे सोरेन, सुरेंद्र टुडू एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

महिलाओं को अपना इतिहास खुद लिखना होगा : डॉ कविता परमार

खबर मन्त्र ब्यूरो

सोना देवी विवि

जमशेदपुर। सोना देवी विश्वविद्यालय घाटशिला के सभागार में आज अंतरर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के सम्मान में कार्यशाला का आयोजन किया गया राष्ट्र के विकास में महिलाओं की भूमिका- विषय पर आयोजित इस सेमिनार में समाजसेवी डॉ कविता परमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। डॉ कविता परमार ने महिलाओं को पहले से मिल चुके अधिकारों पर चर्चा से शुरूआत की। उन्होंने आगे कहा कि भारत देश में महिलाओं की स्थिति दाता के रूप में रही है। जब महिलाओं के दाता स्वरूप में बदलाव आता है तब स्थिति चिंताजनक हो जाती है। डॉ कविता परमार ने कहा कि देश को महिलाओं की जरूरत है। उन्हें आगे आकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। महिलाओं को अपना इतिहास स्वयं लिखना होगा। महिलाएं जब वास्तविक रूप से शिक्षित होंगी जागरूक बनेंगी तभी देश आगे बढ़ेगा।

टाटा स्टील यूआइएसएल ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

- 250 से अधिक महिलाओं ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील यूटिलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज लिमिटेड (ळंइ रशी' वक्रछ) ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के योगदान को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में टग ऑफ वॉर, थ्री-लेग्ड रेस और डंब चैरड्स जैसी रोचक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों ने अपनी जोश और खेल भावना का प्रदर्शन किया। विजेताओं को उनके उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक भावना के लिए सम्मानित किया गया।

इस समारोह में टाटा स्टील UISL के मैनेजिंग डायरेक्टर रितु राज सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, साथ ही जुस्को श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडे भी उपस्थित रहे। उनकी मौजूदगी ने कार्यक्रम को और प्रेरणादायक बना दिया। टाटा स्टील यूआइएसएल, कालिंगनगर में एक विशेष केक-काटने का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसने महिलाओं के योगदान की सराहना और एकता का प्रतीक बना।

नेशनल लोक अदालत में 2,49,799 केस सुलझे, 6,09,96,453 की राजस्व प्राप्ति

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर सिविल कोर्ट में शनिवार को आयोजित नेशनल लोक अदालत में रिकार्ड कुल 2,49,799 मामलों का निष्पादन किया गया। इस दौरान 6 करोड़ 9 लाख 96 हजार 453 रुपए की राजस्व की प्राप्ति हुई। मामलों के निष्पादन के लिए जमशेदपुर सिविल कोर्ट में न्यायिक पदाधिकारियों की 12 बेंच एवं घाटशिला अनुमंडल कोर्ट में कुल तीन बेंच का गठन किया गया था। नेशनल लोक अदालत में वाहन दुर्घटना, बीमा क्लेम से जुड़े एक मामले में ओरियंटल इंशयूरेंस कंपनी की ओर से पीड़ित पक्ष राज कुमार सिंह को 16 लाख 34 हजार 141 रुपए का चेक मुहैया कराया गया। उक्त चेक प्रधान जिला जज माननीय अनिल कुमार मिश्रा द्वारा उन्हें सौंपा गया। नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा, कुटुम्ब न्यायालय के न्यायाधीश अजीत कुमार सिंह, स्टेट बार कौंसिल के वाईस प्रेसिडेंट राजेश शुक्ला, डालसा सचिव राजेन्द्र प्रसाद, जिला बार संघ के अध्यक्ष आर एन दास, जिला बार संघ के महासचिव राजेश रंजन आदि मौजूद थे।

ब्लड मैन राजेश मार्डी ने किया 77वीं बार रक्तदान

- शहीद भोंजो सिंह बानरा को दी गयी भावभीनी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। आदिवासी बहुउद्देशीय उत्थान सहकारी समिति लि० झारखंड और नई जिंदगी परिवार, जमशेदपुर के सौजन्य से मुसाबनी प्रखंड के राखा कॉलोनी स्थित मुगार्घुटू पंचायत भवन में कुल 40 युवाओं ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि कुचाई प्रखंड के बीडीओ साधु चरण देवगम ने सर्वप्रथम शहीद भोजों सिंह बानरा के चित्र पर माल्यार्पण कर इसका उद्घाटन किया गया। वीवीडीए के सहयोग से जमशेदपुर ब्लड सेंटर की टीम ने अनमोल रक्त संग्रह किया। ट्राइबल ब्लड मैन के नाम से मशहूर जमशेदपुर के राजेश मार्डी ने अपने जीवन में कुल 77वीं बार रक्तदान कर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक मिसाल बने हुए हैं।

अरका जैन और सोना देवी विवि में धूमधाम से मना अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

खबर मन्त्र टीम

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर के विश्वविद्यालयों में आज धूमधाम से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। प्रस्तुत है इस अवसर पर आयोजित गतिविधियां :

स्वस्थ महिला ही एक सशक्त समाज की नींव रख सकती है : डॉ अमित श्रीवास्तव

- सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के प्रति छात्राओं को किया जागरूक

फोटो अरका जैन

जमशेदपुर। अरका जैन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ नर्सिंग, इंटरनल कंप्लायंस कमेटी और स्पोर्ट्स काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, विशेष रूप से गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम और लड़कियों व महिलाओं के लिए पोषण एवं स्वस्थ आहार के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी के जेईएच ऑडिटोरियम, ब्लॉक आर्यभट्ट में आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के प्रबुद्ध सदस्यों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम का उद्घाटन यूनिवर्सिटी के संयुक्त रजिस्ट्रार डॉ. जसबीर सिंह धंजल, रजिस्ट्रार डॉ. अमित श्रीवास्तव और डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. अंगद तिवारी समेत अन्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. जसबीर धंजल ने कहा कि नारी शक्ति को सशक्त बनाना केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हमारा नैतिक कर्तव्य भी है।

रजिस्ट्रार डॉ. अमित श्रीवास्तव ने कहा कि स्वस्थ महिला ही एक सशक्त समाज की नींव रख सकती है। इस प्रकार के आयोजन महिलाओं की सेहत और पोषण से संबंधित आवश्यक जानकारियों को प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

एक नजर में

चाईबासा में महिला दिवस पर कई कार्यक्रम

चाईबासा/जमशेदपुर। पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2025 के अवसर पर चाईबासा शहर स्थित कोल्हन विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में सिंहभूम सांसद जोबा माझी के नेतृत्व एवं चाईबासा जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, जिला उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा, अपर उपायुक्त प्रवीण केरकेट्टा, सदर चाईबासा अनुमंडल पदाधिकारी अर्नव मिश्रा सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी की मौजूदगी और जिला समाज कल्याण कार्यालय के जिला, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी/कर्मी एवं अन्य की उपस्थिति में जिला स्तरीय कार्यक्रम किया गया। समारोह में सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तत्पश्चाप दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। खेल जगत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली रूपा रानी तिर्की को लॉन बॉल, चांदमुनी कुंकल को आर्चरी, माधुरी कुंकल को जूनियन नेशनल 2024, माधुरी कुंकल व मिली मछुवेन को 68 एसजीएफआई नेशनल गुजरात 2024, सरीना बिरुली को 68 एसजीएफआई नेशनल गुजरात 2024 और ज्योति मछुवेन को 68 एसजीएफआई नेशनल गुजरात 2024 में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए नारी शक्ति सम्मान प्रदान किया गया। सिंहभूम सांसद जोबा माझी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उपस्थित सभी नारी शक्ति का अभिनंदन किया गया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह विकास के क्रम में पीछे रह गए लोगों को आगे लाने में अपनी सार्थक भूमिका अदा करें।

ब्रह्मानंद नारायणा हॉस्पिटल, जमशेदपुर 61 प्रतिशत वीमेंस वर्कफोर्स : धर्मा राव

जमशेदपुर। ब्रह्मानंद नारायणा हॉस्पिटल ने 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम किया गया, जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य सेवा और समाज में योगदान के महत्व को उजागर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत एक हर्षभरे केक कटिंग समारोह से हुई, जिसमें हॉस्पिटल के सभी कर्मचारियों ने भाग लिया और इस खास दिन को उल्लास और सौहार्द्र के साथ मनाया। इसके बाद, मानव संसाधन टीम ने अस्पताल की सभी महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया, उनकी कड़ी मेहनत और समुदाय को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में उनके योगदान की सराहना की। नर्सिंग अधीक्षक रूपा मिंज, डाइटिशियन प्रिया द्विवेदी, और एच आर शरण कौर ने कार्यस्थल पर महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान पर प्रकाश डाला, जिससे रोगी देखभाल और अस्पताल संचालन में सुधार हुआ है। उनके भाषणों में महिला नेतृत्व, उनकी दृढ़ता और एक स्वस्थ व समृद्ध समाज के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा की गई। श्री ए. धर्मा राव, फैसिलिटी डायरेक्टर, ब्रह्मानंद नारायणा हॉस्पिटल ने कहा, बीएनएच में लगभग 61 प्रतिशत कर्मचारी महिलाएं हैं, और हम ऐसा माहौल बना रहे हैं।

श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजूकेशन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नुक्कड़ नाटक

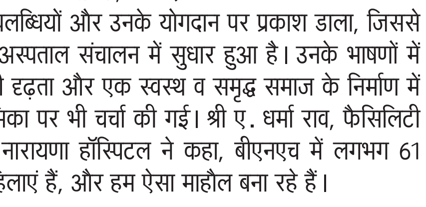

जमशेदपुर। श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन में हर्षोल्लास के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियो ने नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया, जिसमें समाज मे महिलाओं की भूमिका, महिला सशक्तिकरण और स्त्री पुरुष समानता पर जोर दिया गया। इस वर्ष की थीम महिला सशक्तिकरण: शिक्षा और नेतृत्व की ओर पर आधारित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लिया साथ ही छात्र-छात्राओं के द्वारा रैली भी निकाली गई। इस मौके पर श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के चेयरमेन श्री सुखदेव महतो ने महिलाओं की उपलब्धियों और चुनौतियों पर प्रकाश डाला और कहा कि शिक्षा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्रभारी प्राचार्या रचना रश्मि ने अपने उद्बोधन में कहा महिलाएं समाज की आधारशिला हैं।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद महिला शाखा ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

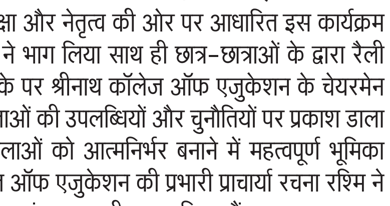

जमशेदपुर। विश्व महिला दिवस पर मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा महिला शाखा की संयोजक माला चौधरी के नेतृत्व के कई कार्यक्रम का आयोजन परिषद भवन में किया गया। भगवान विद्यापति जी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। समाज में उल्लेखनीय कार्य कर अपनी मुकाम हासिल करने वाली हस्तियों को सम्मानित कर उनके समाज के प्रति योगदान को नमन किया गया। जिसमें पूर्णिमा साहू विधायक,डॉक्टर रंजू झा शामिल हुई। समाज के सहयोग से समाज की महिलाओं को मुख्य धारा में लाने का प्रयाश किया जा रहा है। संयोजक माला चौधरी के अनुसार मिथिला परिषद में पहली बार महिला दिवस के अवसर पर आधी आबादी को सम्मान देने हेतू प्रयास किया जा रहा है। सरकार और समाज मिलकर नये भारत के निर्माण में सार्थक प्रयास किया जा सकता है। समाज की जरूरतमंद महिलाओं के लिए विधवा, वृद्धा, दिव्यांग के अलावा 70 साल के लोगों के लिए आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें काफी संख्या में महिलाओं ने अपना पंजीकरण कराया। विधायक पूर्णिमा साहू ने महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा अब तेजी से दुनिया बदल रही है इस बदलाव में नारी शक्ति का मुख्य स्थान होगा।

12 साल का सूखा खत्म करने उतरेगा भारत

न्यूजीलैंड से पिछले छह वनडे जीत चुका भारत, आइसीसी टूर्नामेंट्स में बराबरी की टक्कर

एजेंसी

दुबई। भारत और पाकिस्तान के बीच आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल के लिए पिच का चयन कर लिया गया है। दुबई में खिताबी मुकाबले में अब बस कुछ ही घंटे का वक्त बचा है। हालांकि, उससे पहले अधिकारियों ने उस पिच पर फैसला ले लिया है, जिसको रविवार को उपयोग में लाया जाएगा। ग्राउंड स्टाफ ने कथित तौर पर फाइनल से पहले पूरे मैदान में पानी डाला और उसके बाद भारत-न्यूजीलैंड के बीच फाइनल के लिए सेंटर विकेट को चिह्नित किया। यह वही विकेट है जिसका उपयोग टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में हाई-प्रोफाइल भारत बनाम पाकिस्तान मैच के लिए किया गया था।

इस्तेमाल की जा चुकी पिच पर होगा मैच

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पहले इस्तेमाल की जा चुकी पिच का इस्तेमाल किया जाएगा। अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने दुबई में पिचों के लिए अपनी दो सप्ताह के आराम की नीति को बनाए रखा है। दरअसल, चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के मैचों से पहले वहां आइएलटी 20 की मेजबानी की गई थी। ऐसे में भारत और न्यूजीलैंड के बीच फाइनल के लिए पहले इस्तेमाल की जा चुकी पिच का उपयोग करने के अलावा आइसीसी के पास कोई अन्य विकल्प नहीं था।

25 साल पहले कीवियों ने तोड़ा था भारत का सपना

दिलचस्प बात यह है कि आइसीसी के सीमित ओवर के प्रारूप में आखिरी बार दोनों टीमें फाइनल में 2000 में आइसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) में खेली थीं। उस समय न्यूजीलैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था। उस मैच में सौरव गांगुली की अगुआई वाली भारतीय टीम ने गांगुली के 117 रन और सचिन तेंदुलकर के 69 रनों की बदौलत 50 ओवर में छह विकेट पर 264 रन बनाए थे। जवाब में स्टीफन फ्लेमिंग की कप्तानी वाली न्यूजीलैंड टीम ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया था। कीवी टीम के लिए क्रिस कार्न्स ने 113 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाए थे और भारत के मुंह से जीत छीन ली थी।

विल यंग ने दी भारत को चुनौती

यंग ने आइसीसी से कहा-जब न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहली बार हराया तो वे 8 साल के थे। बच्चे थे और टीवी पर ऐतिहासिक जीत देखी थी। अब खुद की बारी है और उम्मीद है कि फाइनल में जीत का सिलसिला कायम रहेगा। हमने ग्रुप दौर की हार से काफी कुछ सीखा है। खासकर मैंने एक बल्लेबाज के तौर पर काफी कुछ सीखा। गेंदबाजों ने भी भारतीय बल्लेबाजों को और उनके खेलने के तरीके को देखा। हमने उनके खेलने की शैली देखी और इन हालात में वे किस तरह खेलेंगे, इसे भी समझा।

रवि शास्त्री ने मैच को लेकर दिया था बयान : उन्होंने कहा आइएलटी20 चल रहा था, लेकिन मैदानकर्मियों की नजरें चैंपियंस ट्रॉफी पर थीं। सिर्फ स्क्वायर ही नहीं, आउटफील्ड को बहुत महत्व दिया गया था और यही कारण है कि इतना क्रिकेट होने के बाद भी यहां इतनी हरी-भरी आउटफील्ड है। दुबई में तेजी से बढ़ते तापमान के साथ, स्पिन गेंदबाजी फाइनल के लिए टीमों की योजनाओं के लिए और भी महत्वपूर्ण हो गई है। सेंटर-विकेट पिछले कुछ दिनों से कवर के नीचे है। विकेट का पहला लुक शनिवार को सार्वजनिक किए जाने की संभावना है।

भारत दुबई में अब तक अजेय है

भारत ने दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में अब तक कुल 10 वनडे खेले हैं और नौ में टीम जीत दर्ज करने में कामयाब रही है। एक मैच टाई रहा है। वहीं, कीवियों ने यहां तीन मैच खेले हैं और दो में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच का नतीजा नहीं निकला। भारत और न्यूजीलैंड की टीम इससे पहले साल 2000 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में आमने-सामने आ चुकी है। अब 25 साल बाद टीम इंडिया के सामने उस हार का बदला लेने का मौका है।

भारत को रचिन-विलियमसन से रहना होगा सावधान

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, वरुण चक्रवर्ती।

न्यूजीलैंड: मिचेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लाथम, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी।

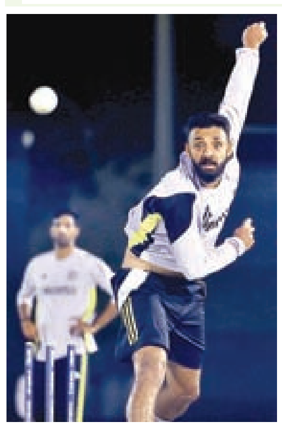

भारत की मजबूती : बल्लेबाजी से भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। कप्तान रोहित शर्मा भले ही बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं, लेकिन आक्रामक शुरुआत दिलाने की कोशिश कर रहे हैं। शुभमन गिल अच्छी फॉर्म में हैं, लेकिन पिछले दो मैचों में सस्ते में आउट हुए हैं। विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी पाकिस्तान और आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना दम दिखा चुके हैं। श्रेयस मध्यक्रम में मजबूती प्रदान कर रहे हैं। गेंदबाजी में भारत का स्पिन विभाग रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती की मौजूदगी से मजबूती नजर आ रही है।

मजबूती: न्यूजीलैंड टीम के पास डेवोन कॉन्वे और टॉम लाथम के रूप में उनके पास दो भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। केन विलियमसन भी सूत्रधार की भूमिका निभा सकते हैं जो पिछले दो मैचों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं, रचिन रवींद्र ने इस चैंपियंस ट्रॉफी में दो शतक लगाए हैं और सेमीफाइनल में भी उनका बल्ला जमकर चला था। **कमजोरी:** न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पिछले मैच में मैट हेनरी के पांच विकेट की बदौलत भारतीय टीम को 249 रनों पर रोक दिया था, लेकिन लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी स्थिति में होने के बावजूद टीम की पारी लड़खड़ा गई थी और उसे हार का सामना करना पड़ा था।

दुबई में तेज गेंदबाजों ने ज्यादा विकेट झटके

रिकॉर्ड की बात करें तो अब तक दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में कुल 860 विकेट गिरे हैं। इनमें से तेज गेंदबाजों ने 493 विकेट झटके हैं, जबकि स्पिनर्स को 350 विकेट मिले हैं। अन्य तरह के गेंदबाजों को 17 विकेट मिले हैं। 2023 वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में कुल नौ मैच खेले गए हैं और 123 विकेट गिरे हैं। इनमें से तेज गेंदबाजों ने 70 विकेट लिए हैं, जबकि स्पिनर्स ने 50 विकेट लिए हैं। अन्य तरह के गेंदबाजों को तीन विकेट मिले हैं।

बीआईटी छात्रा के साथ छेड़छाड़, दो युवक हथियार के साथ गिरफ्तार

ओरमांझी। बीआईटी मेसरा थाना पुलिस द्वारा बीआईटी छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम देने वाले दो युवक को हथियार के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। दोनो युवक केदल निवासी अमरेश कुमार सिंह 20 वर्ष व मेसरा हुंबई गौतम कुमार ठाकुर 21 वर्ष बीआईटी कैंपस के अंदर छात्राओं के छेड़छाड़ किया करते थें। वहीं विरोध करने पर हथियार लहरा कर डराया जाता था। जिसकी षिकायत मिलने पर पुलिस द्वारा दोनो को बीआईटी चैक स्थित नारायण टेन्ट हाउस के पीछे एक किराये के मकान में छापेमारी कर गिरफ्तार किया गया। वहीं तलासी लेने पर देशी कट्टा व गोली भी बरामद हुआ। इसकी जानाकरी देते हुए थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया पकड़े गए दोनों की पुरानी अपराधिक रिर्काड रहा है। वर्ष 2021 में भी बिजली तार चोरी के आरोप में जेल जा चूके हैं। वहीं 28 फरवरी को भी बीआईटी की एक बायो इंजीनियरिंग छात्रा के साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिए थें। संस्थान के कुल सचिव सुदीप दास के द्वारा बीआईटी ओपी में प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद पुलिस द्वारा दोनो को गिरफ्तार की गई। पुलिस की इस कार्रवायी के क्षेत्र के लोगों द्वारा सरहाना भी की गई है। दोनों आरोपी बिहार के हैं, और वर्तमान में थाना क्षेत्र में किराए के मकान में थें। इस कार्रवायी में डीएसपी संजीव कुमार बेसरा, इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार, थाना प्रभारी संजीव कुमार, पुअनि अभय कुमार, बसंत कुमार, अंजय चंद्रवंशी, भीम सिंह, हवलदार सुखदेव प्रसाद मंडल, अगस्टिन बाड़ा, शत्रुधन कुमार, भारत कुमार महतो आदि शामिल थें।

चान्हो सड़क दुर्घटना मे तीन लोगो की मौत एक दर्जन लोग घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो। थाना क्षेत्र में शनिवार को तीन अलग अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसे में एक महिला समेत तीन की मौत हो गई, वही 12 लोग घायल हो गए। पहली दुर्घटना सिलागाई-चान्हो मुख्य पथ पर स्थित रघुनाथपुर पेट्रोप पंप के निकट शनिवार शाम हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। बताया जाता है कि रघुनाथपुर निवासी अठारह वर्षीय आर्यन महली और उन्नीस वर्षीय जीतराम महली सिलागाई से वापस रघुनाथपुर अपनी बाइक से लौट रहे थे, इसी दौरान पेट्रोल पंप के निकट असंतुलित होकर इनकी बाइक एक पेड़ से टकरा गई। पेड़ से टकराने के कारण दोनों युवक गंभीर रूप से जख़्मी हो गए। दोनों को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चान्हो ले जाया गया जहाँ से इनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दोनों को बेहतर ईलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया पर रास्ते में ही दोनों की मौत हो गई। आर्यन इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षा लिख रहा था जबकि राहुल ग्यारहवीं का छात्र था, दोनों के पिता किसान हैं। दूसरी दुर्घटना एनएच 39, मुख्य पथ में थानाक्षेत्र के चटवल पूल के निकट हुई। वहां कूडू थानाक्षेत्र के जिंगी जोंजरो गांव से ऑटो में सवार होकर दर्जन भर लोग शादी समारोह में भाग लेने चान्हो के रघुनाथपुर गांव जा रहे थे। इसी दौरान ओवरटेक करने के चक्कर में एक 709 ट्रक ने ऑटो को साइड से धक्का मार दिया। ट्रक के धक्के के बाद ऑटो पलट गई, जिसके नीचे दबकर गंभीर रूप से चोटिल हुई करमी उराइन नामक 50 वर्षीय महिला की मौत हो गई। वही लोहरदगा जिंगी जोंजरो के 52 वर्षीय करमू उरांव,70 वर्षीय दुखनी उरांव, 65 वर्षीय सिईघा उरांव, 67 वर्षीय बिफई उरांव, 60 वर्षीय मंगिया उरांव, 60 वर्षीय सीठो उरांव, 28 वर्षीय सोनी उरांव,6 वर्षीय अनुष्का कुमारी,11 वर्षीय अनीस उरांव, 6 वर्षीय अल्पना उरांव तथा 30 वर्षीय सचिदानंद उरांव घायल हो गए। जिनका प्राथमिक उपकार चान्हो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया। गंभीर रूप से घायल सीठो उरांव और मंगिया उरांव को प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है। एक अन्य दुर्घटना चान्हो के चुटियो गांव में हुई। यहां दो बाइक के बीच हुई सीधी भिड़त में लोहरदगा जिले के खवास खिजरी निवासी 27 वर्षीय सुनील उरांव घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हे रिम्स रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार सुनील उरांव बाइक से अपने किसी रिश्तेदार के घर रघुनाथपुर आ रहे थे कि रास्ते ने हादसे का शिकार हो गए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कमल मुंडा ने महिलाओं को किया सम्मानित

खलारी। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मैक्लुस्कीगंज के केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष कमल मुंडा ने स्थानीय महिलाओं को सम्मान के साथ प्रोत्साहन किया। इस अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन मैक्लुस्कीगंज स्थित जीरो माइल रेस्टोरेंट में कविता देवी की अध्यक्षता में किया गया। महिला दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय समाजसेवी और सरना समिति के अध्यक्ष कमल मुंडा मुख्य रूप से मौजूद थे। महिला दिवस पर श्री मुंडा ने महिलाओं के बीच कहा महिलाओं के प्रति हमारा समाज में एक सम्मान की भावना पैदा करना तथा महिलाओं को समान अधिकार मिलना चाहिए, और मिला भी। आज की महिला जमीन से लेकर आसमान तक कि सफर कर रही है। कहा जाता है कि जहां नारी का सम्मान मिलेगा वहां समाज आगे बढ़ेगा ' नारी शक्ति,दुर्गा का प्रतीक है। इस मौके पर श्री मुंडा ने सभी महिलाओं को कलम और डायरी भेंट प्रदान किये। मौके पर फुलमनी देवी,प्रीति देवी,सुहानी देवी,आरजू देवी,रेखा देवी, शांति देवी,ममता देवी,लक्ष्मी देवी सहित अन्य मौजूद थे।

उत्तरीकर्णपुरा सरना समिति का बैठक,सरंक्षक रँथु उराँव व देवपाल मुंडा बने

खलारी। उत्तरीकर्णपुरा सरना समिति का एक बैठक चुरी उतरी पंचायत में किया गया। बैठक की अध्यक्षता रँथु उराँव व संचालन देवपाल मुंडा ने किया। बैठक में उत्तरीकर्णपुरा क्षेत्र का सर्व सम्माति से कमिटी का विस्तार एवं गठन किया गया। कमिटी में संगरक्षक रंथू उराँव, देवपाल मुणडा, बिगन सिंह भोगता, नरेश गझू, विनय खलखो,दिपक टाना भगत, अध्यक्ष लालचंद विश्वकर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष- अशोक उराँव, उपाध्यक्ष पवन गझू,इंद्र देव उराँव, दिनेश गझू, सचिव सुरज मुंडा, विजय गझू, मनोज मुंडा, कोषाध्यक्ष अमित लकडा, सह कोषाध्यक्ष सुकरा उराँव, संगठन सचिव- बिरजू लोहरा, मीडिया प्रभारी कन्हई पासी, सह मिडिया रमेश गंझू, कार्यकारिणी सदस्य- महादेव उराँव, राजकुमार मुणडा, नन्दन गझू, अमर भोगता, रूप लाल गझू, बादल गझू, रमेश तुरी, कमलेश उराँव, बब्लू उराँव, अशोक उराँव, सुरेश गंझू सहित अन्य मौजूद थ

नाबालिक को भगाने का आरोपी ऊ0प्र0 से गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

चान्हो। पुलिस ने थाना क्षेत्र के एक नाबालिक को भगाने के आरोपी को ऊ0प्र से गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया। प्रेस रिलीज के अनुसार कांड सं0-103/24, धारा-137 /96 बिएनएस के प्राथमिकी मांडर थाना के गुड़गुड़ जाड़ी निवासी 27 वर्षीय अभियुक्त गोपी राम (रौतिया)को गुप्त सूचना के आधार पर गाजीपुर, भटौरा (उ0प्र0) से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस इसको लग भग आठ माह से तलाश कर रही थी। तथा कांड के नावालिक अपहृता को उक्त अभियुक्त के पास से बरामद कर अग्रतर करवाई करते हुवे परिजनों को सौप दिया गया।

महिला की किटशासक खाने से हुई मृत्यु

मांडर। मिशन स्थित कांस्टेन्ट लिवन्स हॉस्पिटल मे मंगलवार दोपहर तीन बजे एक महिला की कीटनाशक दवा खाने से मौत हो गई। बताया जाता चान्हो थाना क्षेत्र की 37 वर्षीय मन्ना देवी पति साहू महली परिवरिक झमेले से तंग आकर कीटनाशक दवा खाली इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों ने उसे मांडर स्थित कांस्टेंटलीवंश हॉस्पिटल लाया

जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मन्ना देवी अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ कर गई। मन्ना के चार पुत्री और दो पुत्र हैं।

पुलिस सव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

पुरूष के अनुपात महिलाओं की संख्या में हुई कमी चिंतनीय है

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। शाष्वत बीएड कालेज में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम में कालेज की छात्राओं ने मंच पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, लता मंगेसकर, इंदरा गांधी, मैरी कॉम, सानिया मिर्जा, क्रिकेटर हरमनप्रति, हॉकी सुमराय टेटे व रानी लक्ष्मीबाई जैसी महिलाओं की वेषभुषा में उपलब्धियां को दषार्या। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार महिला बाल विकास एंव समाजिक सुरक्षा विभाग की कांउसलर अंषुमाला कर्ण ने छात्राओं के प्रदर्षन की सरहाना की, और कहा प्रकृति ने महिलाओं को पुरूषों से अलग बनाया है। पुरूषों से समानता व अधिकार नही, महिलाओं को सम्मान चाहिए। इसके अलावे उदय मेमोरियल बीएड कालेज केदल, प्रेमचंद महतो इंटर कालेज मेसरा, आरटीसी कालेज दड़दाग, व आरटीसी इंजीनियरिंग कालेज आनंदी ओरमांझी सहित विभिन्न संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को सम्मानित किया गया। मौके पर चिकित्सा प्रभारी डा. रेनू बाखला ने पुरूषो की तुलना में महिलाओं की संख्या में आ रही कमी पर चिंता जताया, कहा झारखंड के साथ ओरमांझी प्रखंड में सेक्स रेश्यो में काफी अंतर आया है। उन्होने बच्चों के जन्म से पहले उसके सेक्स पता करने का विरोध व बेटियों के जन्म लेने पर स्वागत करने की अपील की, सीएचसी आने वाली 60 प्रतिषत महिलाओं का हीमोग्लोबिन कमी व एनिम्मियां का षिकार बताई, कहा सम्मान के साथ महिलाओं को भी पुरूषों की तरह भोजन व रोटी दें। खास कर डिलीवरी के बाद जब उसे खाना कम नही देने व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ नारे आगे बढ़ाने की अपील किया।

तुलसी का आध्यात्मिक व औषधीय गुण हर घर के लिए आवश्यक: रश्मि किशोरी

बेड़ो। महादानी मैदान बेड़ो में नवनिर्मित दशभुजी मां देवी दुर्गा देवी के मंदिर परिसर में आयोजित शतचंडी महायज्ञ के आठवें दिन शनिवार को सभी देवी देवताओं का पूजन जाप व दुर्गा सप्तशती का पाठ किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं ने यज्ञशाला की परिक्रमा किया। वहीं धार्मिक अनुष्ठान यज्ञाचार्य ने यजमानों से कराया। सबसे पहले शक्ति देवी की आराधना की गई। इसके बाद गौरी गणेश के पूजन के साथ ही मां सरस्वती,मां लक्ष्मी,मां दुर्गा सप्तशती का पाठ सभी देवी देवताओं की आराधना की गई।वहीं शाम में कथा वाचिका देवी रश्मि किशोरी ने कहा कि हर घर में तुलसी होना भी बहुत महत्व होता है। तुलसी आध्यात्मिक कथा के अनुसार एक विशेष औषधीय गुण भी है। भगवान विष्णु के स्वरूप शालिग्राम और माता तुलसी के मिलन का पर्व तुलसी विवाह हिन्दू पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। शाम के समय तुलसी चौरा यानी तुलसी के पौधे के पास गन्ने का भव्य मंडप बनाकर उसमें साक्षात नारायण स्वरूप शालिग्राम की मूर्ति रखते हैं। फिर विधि-विधानपूर्वक उनके विवाह को संपन्न कराते हैं। तुलसी विवाह कथा श्रीमद् भागवत पुराण के अनुसार एक बार सृष्टि के कल्याण के उद्देश्य से भगवान विष्णु ने राजा जालंधर की पत्नी वृंदा के सतीत्व को भंग कर दिया। इस पर सती वृंदा ने उन्हें श्राप दे दिया और भगवान विष्णु पत्थर बन गए। जिस कारणवश प्रभु को शालिग्राम भी कहा जाता है और भक्तगण इस रूप में भी उनकी पूजा करते हैं। इसी श्राप से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु को अपने शालिग्राम स्वरूप में तुलसी से विवाह करना पड़ा था और उसी समय से तुलसी विवाह का यह अनूठा रस्म प्रत्येक साल मनाया जाता है। तुलसी विवाह के अवसर पर व्रत रखने का बड़ा ही महत्व है। उन्होंने सनातनी हिंदू धर्म प्रेमियों को अपने धर्म के प्रति खुद जागरूक होकर आने वाले बच्चों को धर्म क पाठ प्रत्येक दिन पढ़ाया जाना चाहिए। जिससे हमारी पीढ़ी अपने धर्म संस्कृति का कार्य करें और उनका जीवन सफल हो जाएगा।

मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र में गर्भवती बछिया तस्कर सक्रिय, पुलिस को सूचना देने पर भी कोई कार्रवाई नही

एक ही घर मे दो बछिया की चोरी से पूरा घर गमगीन

खबर मन्त्र संवाददतता

खलारी। मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र में गाय का बछिया चोर (गौ तस्कर) सक्रिय, एक ही घर में तीन महीना के अंदर दो बछिया को चोरी कर ले गया। घटना शुक्रवार की भोर 2 बजे के बताया जाता है। जानकारी के अनुसार लपरा निवासी यशोदा देवी के घर से बीते तीन महीनों के अंदर दो गर्भवती बछिया की चोरी कर ले गया। बताया जाता है कि स्थानीय गाय चोर(गौ तस्कर) दिन में गर्भवती बछिया का रेकी करते है। इसके बाद दूसरा गौ तस्कर टेम्पू,ओमनी व पिकअप वाहन से घर में बंधे बछिया को पकड़ कर ले जाते है। सूत्रों के अनुसार गाय बैल बकरी की चोरी में स्थानीय गौ तस्कर भी मिले हुए है। गाय चोर के संबध में निकट थाना मैक्लुस्कीगंज में कई बार घटना की जानकारी दिये जाने पर आस्वस्थ दे कर चुपचाप मामला दबा दिया जाता है। घटना के संबध में भुक्तभोगी यशोदा देवी ने बताया कि शुक्रवार की (भोर) दो बजे अचानक से नींद खुली तो जिस जगह गायों को बांध कर रखे रहते है,उस जगह से बछिया गायब थी। रात्रि में बहुत खोजबीन के बाउजूद भी किसी प्रकार का कोई सुराग नही मिला। बछिया गायब की सूचना त्वरित 2:30 भोर को पुलिस को दिया गया। यशोदा देवी के घर से दो बछिया की चोरी से पूरा घर गमगीन अथवा शोक मर डूबा हुआ है। लेकिन मैक्लुस्कीगंज थाना में शिव मंदिर प्राणप्रतिष्ठा के कारण थाना के सभी पदाधिकारी थाना में ही मौजूद थे।

मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र लाखो का गौ की तस्करी,फिर भी प्रशासन के हाथ खाली

मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र में अब तक लाखो रुपये का मवेशी की चोरी हो गया है। कुछ दिन पूर्व ही मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के केदल ग्राम से शिवशंकर यादव का दो बैल की चोरी कर लिया गया था। जिसका अब तक पुलिस के द्वारा कोई कार्रवाई नही हुआ है। वही बीते सात माह पूर्व केदल निवासी लक्ष्मी यादव के घर से लगभग 1 दर्जन बकरी (खस्सी) की चोरी कर लिया गया था। इस विषय में भी मैक्लुस्कीगंज पुलिस का हाथ खाली है। ऐसे कई भुक्तभोगी है जिसके घर से गाय की चोरी कर लिया गया है। पीड़ित व्यक्ति के द्वारा घर के नजदीक गौ तस्कर के नाम देने पर उल्टा भुक्तभोगी को ही समझा कर गोल गोल घुमा दिया जाता है। हालांकि मैक्लुस्कीगंज पुलिस फिलहाल रोड पर अंदरूनी कार्रवाई करते नजर आते रहती है।

दुमका : राष्ट्रीय लोक अदालत में 10,634 वादों का हुआ निष्पादन

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। राष्ट्रीय लोक अदालत में 10,634 वादों का निष्पादन करते हुए आपसी सुलह-समझौता से 87 करोड़ से अधिक की राशि की वसूली हुई। लोक अदालत झालसा, रांची के निर्देशानुसार प्रधान सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष संजय कुमार चन्द्रियावी के अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बावत प्राधिकार सचिव उत्तम सागर राणा से ने बताया कि व्यवहार न्यायालय के राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल सात बेंचों का गठन किया गया है। जिसमें बेंच नंबर 1 से फैमलि जज संजय कुमार सिंह, अधिवक्ता कुमार प्रभात एवं प्रशांत कुमार उपस्थित हुए। बेंच नंबर 2 मे एडीजे-टू रमेश चन्द्रा, अधिवक्ता विक्रमादित्य पांडेय एवं नीरज कुमार दीक्षित उपस्थित हुए। बेंच नंबर 3 में एडीजे-थ्री राजेश सिन्हा, अधिवक्ता ओमियो कुमार मांझी एवं मृगांक शेखर चक्रवर्ती उपस्थित हुए। बेंच नंबर 4 से जेएम वन मो जावेद खान, अधिवक्ता राकेश चंद्र लाल मरांडी एवं धर्मवीर मिश्रा उपस्थित हुए। बेंच नंबर-5 से जेएम वन नेहा झा, अधिवक्ता कामोद नारायण झा एवं वरुण सिंह उपस्थित हुए। इस प्रकार कुल सात बेंचों से 10,634 वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निष्पादन करते हुए कुल 87,36,79,388 रुपए की राशि का समझौता किया गया। साथ ही लोक अदालत में पहुंचे हुए ग्रामीणों के लिए विधिक जागरूकता के लिए एक स्टॉल भी लगाया गया एवं कानूनी पुस्तकों एवं पंपलेट का भी वितरण कर जागरूक किया गया।

लोक अदालत में सुनवाई करते बेंच सदस्य।

बेरमो : जनता मजदूर संघ का दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन संपन्न

जमसं को नंबर वन बनाना लक्ष्य : सिद्धार्थ

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/कथारा। सीसीएल कथारा क्षेत्र के ऑफिसर्सक्लब में जनता मजदूर संघ द्वारा दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया गया। अधिवेशन में मुख्य अतिथि जमसं के केंद्रीय महामंत्री सिद्धार्थ गौतम उपस्थित थे। संघ के कथारा क्षेत्रीय सचिव कमोद प्रसाद ने स्वागत भाषण से शुरू किया। संचालन कमलेश सिंह ने की। इस अवसर पर संघ के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि जमसं पिछले 45 वर्षो से कोयला क्षेत्र के मजदूरों की सेवा करती रही है उन्होंने कहा कि मजदूर हित में संघ द्वारा अब तक कई बड़ी-बड़ी लड़ाइयां लड़ी गई जिसमें शत प्रतिशत सफलता मिली है कहां की जमसं का जन्म बीसीसीएल के धनबाद में हुआ जबकि संघ आज बीसीसीएल से सीसीएल की ओर भी अपना

2022 में सीसीएल में संघ नौवें स्थान पर था, यह 2023 में छठे स्थान पर आ गया, इस बार हम सीसीएल में चौथे नंबर पर हैं

विस्तार करने में लगी है। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल में कुल 36 हजार मैन पावर है, जिसमें 4 हजार अधिकारी संवर्ग से है। वहीं साढ़े चौदह हजार मजदूर जमसं के साथ है, इसलिए, बीसीसीएल में जमसं सदसयो की संख्या नंबर वन पर है। जबकि 2022 में सीसीएल में संघ नौवें स्थान पर था। वह 2023 में छठे स्थान पर आ गया इस बार हम सीसीएल में चौथे नंबर पर हैं। हमारी सीसीएल में सदस्य संख्या 24सौ है जबकि उम्मीद है कि वर्ष 2026 में दूसरे और तीसरे स्थान पर अवश्य पहुंचेंगे। लेकिन हमारा लक्ष्य सीसीएल में पहले स्थान पर पहुंचना है। वर्तमान में उन्होंने सीसीएल में यूनियन के पदाधिकारी की कार्यकलापों की सराहना करते हुए कहा कि अन्य यूनियन की अपेक्षा हमारे पदाधिकारी गण कामगारों की समस्याओं का त्वरित निदान करने में ज्यादा विश्वास रखते हैं उन्होंने कहा कि आदमी इस तरफ काम करता है। जहां उसे सफलता मिलती है इस अवसर पर यूनियन के सीसीएल अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह उर्फ टीनू सिंह ने दिवंगत साथियों की याद में 2 मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा की शांति की प्रार्थना की नेतृत्व किया जबकि इससे पूर्व यूनियन के पूर्व पीएम चंद्रशेखर सिंह व जमसं के संस्थापक दिवंगत सूरज देव सिंह के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों से आए यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष व सचिव तथा शाखा अध्यक्ष एवं सचिव मौजूद थे।

एक नजर में

देश के विकास में महिलाओं का अहम योगदान है : रवीन्द्र

बेरमो शनिवार को सीसीएल कोलियरी कर्मचारी संघ संबंद्ध भारतीय मजदूर संघ ढोरी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महाप्रबंधक कार्यालय सभागार मनायी। कार्यक्रम में पूर्व सांसद रविंद्र कुमार पांडेय, ढोरी क्षेत्र के एसओपी माला कुमारी, जिप सदस्य नीतू सिंह, भाजपा नेत्री अर्चना सिंह, मुखिया कल्पना देवी वार्ड परिषद लक्ष्मी देवी, डॉ शैलया व डॉ प्रेमा ज्योति, सहित दर्जनो सीसीएल महिला कर्मी कार्यक्रम शामिल हुए। कार्यक्रम का शुरुआत सीसीएल सीकेएस के कार्यकारी अध्यक्ष सह संयुक्त सलाहकार संचालन समिति सदस्य रवीन्द्र कुमार मिश्रा, विनय कुमार सिंह एवं कुलदीप ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। रविंद्र पांडेय ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ प्रत्येक वर्ष के भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम से महिला दिवस मना रही है। कहा कि देश के विकास महिलाओं का अहम योगदान है। आज की महिला किस प्रकार देश-विदेश एवं अपने घर मे परचम लहरा रही है। एसओपी माला कुमारी ने कहा कि मातृव शक्ति की अनेको रूप है और हमारे विकासील देश मे हर क्षेत्र में हमारी मातृव शक्ति देश, विदेश अपने गृहस्थ जीवन मे परचम लहरा रही है। रवीन्द्र कुमार मिश्रा ने कहा आज हमारे देश की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधे मिलाकर परचम लहरा रही है। वहीं डॉ शैलया, डॉ प्रेमा ज्योति ने कहा कि सभी मातृत्व शक्ति अपने बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान कर डॉक्टर, इंजीनियर, पायलट बनाये। कार्यक्रम में क्षेत्र के सम्मानित महिलाओं में रेखा प्रसाद, राधा देवी, विभा सिंह, कल्पना देवी, शांति देवी, अनिता देवी, प्रेमलता देवी, सुजाता मुखर्जी, सुमिति कुमारी, ज्योति, बशन्ति देवी, सरिता देवी, सीमा देवी, कौशल्या देवी, देवकी देवी, नीरा देवी, लक्ष्मी देवी आदि शामिल है। इस अवसर पर सुबीर मुखर्जी, नुनुचंद महतो, बिरेन्द्र गुप्ता, संदीप उरांव, गब्बर सिंह, भुनेश्वर आदि उपस्थित रहे।

बोकारो : बीएसएल के आरएमएचपी विभाग में नवीनीकृत टिपलर नंबर 3 का शुभारंभ

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के आरएमएचपी विभाग के नवीनीकृत टिपलर नंबर 03 का उद्घाटन ईडी संकार्य सीआर महापात्रा ने किया। मौके पर सीजीएम आरएमएचपी धनञ्जय कुमार सीजीएम सर्विसेज पीके बैसाखिया सीजीएम मैकेनिकल प्रकाश तिवारी सीजीएम सिंटर प्लांट पीताम्बर चौधरी सीजीएम सीईडी शालिग्राम सिंह सीजीएम शॉप्स जेवी शेखर के साथ आरएमएचपी विभाग के वरिष्ठ अधिशासी कर्मचारीगण तथा संविदा कर्मी उपस्थित थे। उद्घाटन के बाद टिपलर नंबर 03 का सुचारू एवं सुरक्षित संचालन आरंभ हो गया। आरएमएचपी में कुल पांच टिपलर का उपयोग होता है और कोयले के अलावा इस्पात उत्पादन की प्रक्रिया में रॉ मटेरियल-आयरन ओर, लाइम स्टोन, डोलोमाइट, पैलेट, सिंटर इत्यादि को रेलवे वैगन के द्वारा लाया जाता है। टिपलर के द्वारा रेलवे वैगन के कच्चे माल को हॉपर में डाला जाता है जहां से बे-फीडर के द्वारा इसे अलग-अलग बेड्स में ब्लेंडिंग और स्टैकिंग किया जाता है। ब्लेंडेड कच्चे माल को ब्लास्ट फर्नेस, सिंटर प्लांट या आरएमपी विभाग की जरूरत के अनुसार कन्वेयर बेल्ट के द्वारा संबंधित विभाग तक पहुंचाया जाता है। वर्ष 2025 के जनवरी माह में आरएमएचपी विभाग ने 1018791 टन कच्चे माल का डिस्पैच कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। 10 फरवरी 2025 को टिपलर नंबर 03 को कैपिटल रिपेयर हेतु शटडाउन में लिया गया था।

महिला अनुबंधकर्मियों के लिए स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन

बोकारो। मानव संसाधन के ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ द्वारा बीएसएल में कार्यरत महिला अनुबंध कर्मियों के लिए एक स्वास्थ्य वार्ता का आयोजन किया गया। बीजीएच की डॉ जया लक्ष्मी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर महिला अनुबंध कर्मियों को संबोधित किया। उन्होंने स्वयं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के महत्व के बारे में विस्तार से बात की। डॉ जया लक्ष्मी ने महिला स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों स्वास्थ्य देखभाल और सामान्य स्वास्थ्य जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा के दौरान महत्वपूर्ण सुझाव दिए। स्वास्थ्य वार्ता में 100 से अधिक महिला संविदा कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी शंकाओं का समाधान भी किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रिया प्रेरणा टोप्पो उप प्रबंधक सोनाली गुप्ता प्रबीर कुमार गौरी शंकर ओहदार धीरेंद्र कुमार सुरेंद्र दास एमडी शादाब अख्तर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कथारा ओपी परिसर में शांति समिति की बैठक सह होली मिलन समारोह आयोजित

बेरमो। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कथारा ओपी में होली को लेकर शांति समिति की बैठक के साथ साथ होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में अनुमंडल पदाधिकारी मुकेश मछवा, एसडीपीओ बेरमो डीएसपी विशिष्ट नारायण सिंह मुख्य रूप से उपस्थित हुए। इस मौके पर गोमिया प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव प्रसाद महतो,अंचल अधिकारी आफताब आलम,बीटीएस थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर शैलेंद्र सिंह, कथारा ओपी प्रभारी राजेश प्रजापति,सीएसआर प्रबंधक चन्दन कुमार,बांध पंचायत मुखिया मुरली देवी, कथारा पंचायत मुखिया पूनम देवी,झीरकी पंचायत मुखिया हाजी मिकाइल अंसारी,पंसस निभा देवी,दुलारी देवी,चन्द्र देव यादव,अजय कुमार सिंह, प्रमोद कुमार सिंह, बबलू फ्रांसिस, रामकुमार यादव, राजेश जायसवाल, विजय कुमार सिंह,विजय यादव, प्रदीप यादव, गुप्तेश्वर पांडेय, प्रमोद कुमार, देवेंद्र यादव, समसुल हक, मथुरा सिंह यादव, गोपाल यादव, हेमू यादव, रामविलास पासवान, देवासीष आस, संतोष सिंहा, मोहम्मद कलीम मोहम्मद मुस्ताक अहमद, राजेंद्र यादव सुनीता सिंह, सुषमा कुमारी, सरिता देवी आशा देवी सन्जोती देवी, गोंदिया देवी, श्रीमती देवी के अलावा सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित हुए। इस मौके पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कथारा थाना प्रभारी के तरफ से महिलाओं को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही साथ अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि होली और रमजान की पवित्र माह आप सभी शांति से मनाए और एक दूसरे का सहयोग करें। बैठक के उपरांत उपस्थित लोगो ने एक दुसरे को रंग अबीर लगाकर और गले मिलकर होली की मुबारकबाद दी।

तेनुघाट व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कई मामलों का निष्पादन

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट। माननीय सर्वोच्च न्यायालय, झारखंड उच्च न्यायालय एवं बोकारो प्रधान जिला के निदेर्शानुसार शनिवार 8 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया इस संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव महोदय सह एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल ने कहा कि माननीय झालसा, रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से न्यायालय में लंबित सभी प्रकार के सुलहनीय आपराधिक मामलों, सिविल वाद, क्लेम वाद, एन आई एक्ट वाद एवं बिजली विभाग, वन विभाग, उत्पाद विभाग, श्रम विभाग, माप-तौल विभाग, टेलीफोन विभाग से संबंधित सहित अन्य मामलों का निष्पादन किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए तीन बेंच का गठन किया गया था। जिसके पहले बेंच पर जिला जज द्वितीय सूर्य मणि त्रिपाठी और अधिवक्ता बिनोद कुमार गुप्ता, दूसरे बेंच पर एसडीजेएम रश्मि अग्रवाल और अधिवक्ता प्रशांत पाल तथा तीसरे बेंच पर मुंसिफ शिवराज मिश्रा और अधिवक्ता गिरिवर कुमार महतो मौजुद थे ह्व आज के इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 61,882 मामले और लगभग 8,85,00,000 सुलहनीय राशि प्राप्त हुआ।

बेरमो नारी सशक्तिकरण से ही राष्ट्र की उन्नति संभव : मुखिया पार्वती

बेरमो/ललपनिया। गोमिया प्रखंड क्षेत्र होसिर पश्चिमी पंचायत सचिवालय भवन के सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान समारोहका आयोजन एकल नारी शसक्ति संगठन द्वारा मंगलवार को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत की मुखिया पार्वती देवी शामिल हुई। यहां समारोह का नेतृत्व संगठन की मनीषा स्वेता मरांडी ने की। वही संचालन सहयोगी शांति देवी एवं झारखंड समृद्धि ट्रस्ट के सचिव रंजीत कुमार ने किया। सर्वप्रथम समारोह का शुभारंभ उपस्थित सभी ने माता सावित्री बाई फुले, फातिमा शेख, कस्तूरबा गांधी, झांसी की रानी माता लक्ष्मी बाई, झारखंड की योद्धा सिंगनी बाई, फूलो झानो की तस्वीर पर पुष्प गुच्छ अर्पित कर नमन कर की गयी। मुख्य अतिथि मुखिया पार्वती देवी ने कहा कि हर साल 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों, संघर्षों और समाज में उनके योगदान को सम्मान देने के लिए समर्पित है। महिलाएं न केवल परिवार की रीढ़ होती हैं, बल्कि वे देश, समाज और दुनिया के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इधर झारखंड समृद्धि ट्रस्ट सचिव रंजीत कुमार एवं समाजसेवी महावीर दास, प्रखंड लीडर तारा देवी, पंचायत लीडर मिना देवी व बबीता देवी, शंकरी देवी आदि ने संबोधित कर महिलाओं को जागरूक किया। मौके पर कई महिलाएं उपस्थित थी।

स्पीड न्यूज

नये एसडीओ कार्यालय में संचालित होगा चास अवर निबंधन कार्यालय

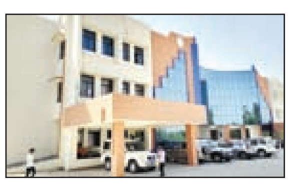

बोकारो। पुराने चास अनुमंडल कार्यालय परिसर में पूर्व से संचालित अवर निबंधन कार्यालय चास को भवन प्रमंडल द्वारा निष्प्रयोज्य घोषित किये जाने के बाद आगामी 10 मार्च से चास के नवनिर्मित अनुमंडल कार्यालय भवन में भू-तल से नए अवर निबंधन कार्यालय का संचालन होगा। यह जानकारी जिला प्रशासन की ओर से दी गई है। दरअसल पुराने अनुमंडल कार्यालय के भवन की स्थिति अत्यंत ही जर्जर होने एवं इसके खिड़की दरवाजा छत की जर्जर स्थिति सुरक्षा का अभाव आदि के कारण निबंधन से संबंधित अति महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित नहीं हैं। साथ ही पुराने अनुमंडल कार्यालय को नये भवन में हस्तांतरित होने के कारण पुराना अनुमंडल कार्यालय परिसर असुरक्षित हो गया है। वहां लोगों के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। फलस्वरूप जिला प्रशासन ने वर्तमान में चास के आईआईटी मोड़ के समीप स्थित नवनिर्मित अनुमंडल कार्यालय भवन के भू-तल में नए अवर निबंधन कार्यालय को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है।

यूनियन के साथ वार्ता में सहमति, बीएसएल में हड़ताल स्थगित

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन और क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ के बीच हुई वार्ता में यूनियन की मांगों पर सहमति के बाद यूनियन द्वारा प्रस्तावित हड़ताल टालने की घोषणा की गई है। यूनियन के महामंत्री राजेन्द्र सिंह ने कहा कि हमारी मुख्य तीन मांगों को प्रबंधन ने पूर्णतया मान लिया है। साथ ही यह आश्वासन दिया है कि हमारी अन्य मांगों पर वार्ता कर जल्द ठोस पहल करेंगे। सिंह ने बताया कि क्राइम संघ (हिंद मजदूर सभा) द्वारा चरणबद्ध आंदोलन के प्रथम चरण में आहूत 07 मार्च की हड़ताल के मद्देनजर लगातार तीन दिनों तक चली यूनियन एवं प्रबंधन की वार्ता में आखिरकार ईडी संकार्य के हस्तक्षेप के बाद सहमति बनी और प्रस्तावित हड़ताल वापस ले ली गई है। वार्ता दो दिन सीजीएम-एचआर कार्यालय में हुई जिसमें प्रबंधन की ओर से सीजीएम एचआर जीएम प्रभारी संकार्य जीएम ठेका मजदूर प्रकोष्ठ संकार्य जीएम सी एण्ड आईटी एसीएमओ बीजीएच जीएम सुरक्षा एजीएम आईआर तथा वरीय प्रबंधक आईआर मौजूद रहे। वहीं यूनियन की ओर से महामंत्री राजेंद्र सिंह के साथ आरके सिंह रमेश राय शशिभूषण सुभाष चंद्र कुंभकार और विपिन कुमार सिंह शामिल रहे। वार्ता के उपरान्त सिंह ने दोनों विभागों में जाकर मजदूरों को कहा कि आपकी एकता ने फिर जीत हासिल की है। सिंह ने कहा कि हम एक जिम्मेदार यूनियन हैं। उन्होंने हड़ताल की स्थगित करने की घोषणा की।

महिला दिवस पर डालसा ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

दुमका। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से महिला दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम शनिवार को आयोजित हुई। कार्यक्रम प्रधान जज सह प्राधिकार अध्यक्ष संजय कुमार चन्द्धरियावी के आदेशानुसार आयोजित हुई। जिसके तहत रानेश्वर प्रखंड के सुदूर हरिपुर पंचायत के पाटूशाला गांव में महिलाओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक एलएडीसी अंकित कुमार सिंह एवं रोबिन कुमार ने किया गया।

रोटरी चास ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 16 महिलाओं को किया सम्मानित

महिलाएं समाज की रीढ़ हैं : विधायक श्वेता सिंह

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। रोटरी क्लब चास द्वारा गोल्डन हट में आयोजित कार्यक्रम में 16 महिलाओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं और हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। श्वेता सिंह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल उत्सव नहीं बल्कि प्रेरणा देता है। सिंह ने सम्मानित महिलाओं की समाज में उनके योगदान के लिए प्रशंसा की तथा आशा व्यक्त की अन्य के लिए आदर्श बनेगी। मौके पर रोटरी क्लब चास के सचिव मुकेश अग्रवाल ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा व्यापार और घरेलू कार्य जैसे विभिन्न क्षेत्र की 16 महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसके पूर्व विधायक श्वेता सिंह को विनय सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सामाजिक सांस्कृतिक और राजनीतिक योगदान का सम्मान करने और लैंगिक समानता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की संयोजक डिंपल कौर ने कहा कि रोटरी महिलाओं के अधिकार एवं सशक्तिकरण की हितेषी है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय बैद नरेंद्र सिंह मनोज चौधरी धनेश बंका पूजा बैद ललिता चोपड़ा कुमार अमरदीप रितु अग्रवाल माधुरी सिंह संजय रस्तोगी शैल रस्तोगी प्रेम शंकर सिंह अर्चना सिंह पूनम अग्रवाल आनंद अग्रवाल किरण कविता बंका प्रिया केजरीवाल मंजीत सिंह आरती पारख अंजना झांझरिया आदी का योगदान रहा।

अवैध कोयला खदानों के सुरंगों को जिला प्रशासन की टीम ने की डोजरिंग

डोजरिंग करने पहुंची दुमका की प्रशासनिक टीम।

खबर मन्त्र संवाददाता

शिकारीपाड़ा। दुमका जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कोयला खदानों पर चला बुलडोजर। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बादलपाड़ा में चल रहे अवैध कोयला खदानो के सुरंगों को जेसीबी मशीन की सहायता से शनिवार को डोजरिंग कर मिट्टी भर कर बंद किया गया। करीब एक दर्जन अवैध कोयला के खदान को डोजरिंग कर बंद किया गया। यह खदान कुछ वन क्षेत्र और कुछ रैयती क्षेत्र में है। यहां बताते चलें कि इस कार्रवाई से कोयला माफियाओं में हड़कंप मच गया है। लगातार प्रशासन की ओर से कार्रवाई की जाती है और डोजरिंग कर अवैध कोयला खदानों को बंद भी किया जाता है। चालू बंद करीब एक दर्जन खदानों को डोजरिंग कर बंद किया गया है। कार्रवाई में 2 जेसीबी मशीन की सहायता से डोजरिंग किया गया। इस संबंध में एसडीओ अभिनव प्रकाश ने कहा कि यहां बहुत बड़ी क्षेत्र में कोयला है, और कुछ लोग साईकिल से कोयला का चोरी करते है। इसको बंद करने के लिए लगातार उन गड्ढों को डोजरिंग कर बंद करते है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। मौके पर जिला प्रशासन की टीम, सीओ कपिलदेव ठाकुर ,थाना प्रभारी अमित लकड़ा समेत काफी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

देश की प्रगति में महिलाएं बराबर की भागीदार : डॉ ए एस गंगवार

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। नारी समाज और राष्ट्र की अहम धुरी हैं। हमारे देश में नारियों को देवी का दर्जा दिया गया है और जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवता भी वास करते हैं। वस्तुतः देश की प्रगति में महिलाएं बराबर की भागीदार हैं। ये बातें डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने कहीं। शनिवार को विद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विद्यालय की सभी शिक्षिकाओं एवं अन्य महिला कर्मियों को प्राचार्य की ओर से महिला दिवस का शुभकामना पत्र और गुलाब भेंटकर उनके प्रति अभिवादन व्यक्त किया गया। प्राचार्य ने कहा कि आज डीपीएस बोकारो को जो ख्याति राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पर मिली है उसमें विद्यालय की महिला शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इस वर्ष की थीम एक्सीलेरेट एक्शन यानी कार्रवाई में तेजी का उल्लेख करते हुए डॉ गंगवार ने महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा देने और जागरुकता पैदा करने को लेकर कार्य की गति को तेज करने की जरूरत बताई। मौके पर विद्यालय के उपप्राचार्य अंजनी भूषण उपप्राचार्या मनीषा शर्मा एवं शालिनी शर्मा प्रधानाध्यापिका डॉ सरिता गंगवार प्रीति सिन्हा अनिंदिता भद्रा सुनीता भारद्वाज व ममता त्रिपाठी सुपरवाइजर निमिषा रानी व फरजाना गजाला नीलू व अन्य शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

बेरमो : सीसीएल के अधिकारियों और इनमोसा के पदाधिकारियों के बीच बैठक, कई मद्दों पर चर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। सीसीएल दरभंगा हाउस मे इनमोसा एवं सीसीएल प्रबंधन के बीच एक मीटिंग हुई, जिसमे सीसीएल प्रबंधन की ओर से सीसीएल के सीएमडी निलेन्दु कुमार सिंह और इनमोसा राष्ट्रीय महामंत्री पी एन मिश्रा एवं राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह सीसीएल के उप महामंत्री विजय कुमार सिंह की उपस्थिति मे वार्ता हुई। जो निम्नलिखित है।

(1) प्रमोशन के सम्बन्ध मे बात चित के क्रम मे सीएमडी ने कहा की माइनिंग स्टॉफ का प्रमोशन समय से होना चाहिए, और आने वाले बजट मे आप लोगों का जो भी डिमांड है, उसे सत प्रतिशत पूरा किया जायगा।

(2) यूनिट से लेकर सिसीएल स्तर तक सभी कमिटी मे भागीदारी के संबन्ध मे एवं सिसीएल मे हर लेबल पर होने वाले फंक्शन मे इनमोसा को आमंत्रित करने के सम्बन्ध पर सीएमडी ने सकारात्मक पहल करते हुए कहा की आप सिसीएल प्रबंधन पर भरोशा रखिये, बहुत जल्द इनमोसा को जल्द खुशखबरी मिलेगा। माइनिंग स्टॉफ के डेजिग्नेशन के चेंज करने के संबन्ध पर सीएमडी ने कहा की ये मुद्दा तो कोल इंडिया का है, पर मै कोशिश करूंगा की इसका निराकरण जल्द से जल्द हो जाये।

(3) माइनिंग सरदार के मुद्दे पर सीएमडी ने कहा की ये मुद्दा भी कोल इंडिया लेबल का है और इस पर कोल इंडिया मे भी वार्ता चल रही है, और ये मुद्दा तो आप लोग कोल इंडिया मे उठायें है, अगली मीटिंग जब भी होगी मै सीसीएल की ओर से अपनी सहमति दे दूंगा। इसी प्रकार अन्य मुद्दे पर सकारात्मक पहल करते हुए, हमारे रास्ट्रीय महामंत्री से इनमोसा के द्वारा चलाये जा रहे एक्शन प्रोग्राम को समाप्त करने की अपील की, इसपर मिश्रा ने 10 को मुख्यालय के समक्ष होने वाले प्रदर्शन को स्थगित करने पर अपनी सहमति दे दी। मौके पर उपस्थित सीसीएल के अध्यक्ष रामराज सिंह, इसीएल के अध्यक्ष समीर चक्रवर्ती, क्षेत्रीय अध्यक्ष/सचिव विकाश कान्त सिन्हा, हरेन्द्र कुमार सिंह, पवन कुमार सिंह, शशांक शेखर, सीसीएल के सहायक सचिव सुधीर कुमार उपस्थित थे।

दुमका : अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने आयोजित की महिला सम्मेलन

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला इकाई ने महिला सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमे महिला जागरूकता के विषय पर विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया। जैसे साइबर फ्राड, ऑनलाइन खरीदारी, एमआरपी नीति, सरकारी तंत्र, गैस सिलिंडर, महिला स्वास्थ्य एवं केंसर से बचाव के बारे में मुख्य रूप से बताया गया। कार्यक्रम में 9 ऐसी महिला जो अपने क्षेत्र में आदर्श स्थापित कर रहीं हैं। माधुरी केशरी, तारा देवी, छवि रानी दास, रीवा देवी, मिताली चटर्जी, चिंता देवी, विनीता देवी, चंपा देवी एवं अंजना भुवानिया उपस्थित रहीं। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला के द्वारा शॉल एवं मोमेंटो देकर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 150 से भी अधिक महिलाओं की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि महिला थाना प्रभारीं अनुपमा सोरेन ने साइबर क्राइम के विषय में जानकारी देते हुए प्रान्त महिला आयाम प्रमुख रूबी लाल ने ग्राहक जागरूकता पर प्रकाश डाला। पूर्व नगर परिषद अध्यक्षा अमिता रक्षित ने महिला स्वास्थ्य संरक्षण पर अपनी बातें रखीं। प्रांत सचिव डॉ अमूल्य कुमार पाल ने ग्राहक के अधिकार और उसे प्राप्त करने के लिए महिलाओं का आवहन किया। कार्यक्रम में कैनरा बैंक की प्रबंधक अर्पण कुमारी, जिला अध्यक्ष डॉ करुण राय, उपाध्यक्ष नेहा सिंह, आनन्द गुप्ता, प्रान्त सचिव डॉ अमूल्य कुमार पाल, कोषाध्य ऋषभ कुमार गण, जिला सचिव अनय ओझा, सह सचिव संजय मित्रा, महिला आयाम प्रमुख गायत्री जायसवाल, पर्यावरण प्रमुख स्वपन दत्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष नेहा सिंह की।

गोड्डा : महिला दिवस के अवसर पर प्रशासन ने जागरूकता रथ रवाना किया

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। महिलाओं के प्रति अपराध को रोकने हेतु अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर लोगों को जागरूक करने हेतु सदर एसडीपीओ अशोक प्रियदर्शी, प्रशिक्षु डीएसपी कुमार गौरव, नगर थाना प्रभारी दिनेश महली, सर्किल इंस्पेक्टर, मधुसूदन मोदक एवं महिला थाना प्रभारी गुलाब किस्पोट्टा द्वारा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना। इस कार्यक्रम से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन ने एक संदेश देने की कोशिश की है कि हम 24 घंटे आपकी सुरक्षाओं को लेकर गंभीर हैं। किसी भी प्रकार से शोषित पीड़ित और लाचार महिलाएं, छात्राएं अपने को सुरक्षित महसूस कर सकें किसी भी आपातकाल परिस्थितियों में असुरक्षा का अनुभव करते ही पुलिस हेल्पलाइन पर फौरन संपर्क करें।

स्पीड न्यूज

ट्रंप ने क्रिप्टो उद्योग का किया समर्थन

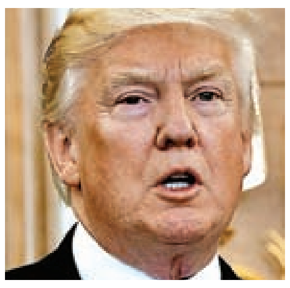

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में शुक्रवार को हुई बैठक में क्रिप्टोकरेंसी उद्योग और अन्य डिजिटल परिसंपत्तियों को नीतिगत समर्थन देने का संकल्प लिया। श्री ट्रम्प ने अपनी तरह के पहले डिजिटल एसेट्स शिखर सम्मेलन में उद्योग के अनुकूल कानून और लचीले विनियमन के लिए अपना मजबूत समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने पिछले प्रशासन के दौरान लागू की गई प्रासंगिक नियामक नीतियों की आलोचना की और ह्वक्रिप्टो पर संघीय नौकरशाही के युद्ध को समाप्त करनेह्व के लिए चल रहे प्रयासों पर जोर दिया।

नेपाल-तिब्बत सीमा पर भूकंप के झटके

काठमांडू। नेपाल और तिब्बत की सीमा पर शनिवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 मापी गयी है। भूकंप का असर चीन सीमा से लगे कई जिलों में दिखा। राजधानी काठमांडू में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। हालांकि भूकंप से किसी भी प्रकार के जानमाल की क्षति होने की कोई खबर नहीं है। नेपाल के भूकंप मापन केंद्र के मुताबिक, शनिवार दोपहर स्थानीय समय के अनुसार 2:35 बजे भूकंप आया। भूगर्भविद भरत कोइराला ने कहा कि भूकंप का केंद्र तिब्बत के शिगात्से में है।

बलूचिस्तान के प्रमुख मुफ्ती शाह की हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में केच जिले के तुरबत कस्बे में कुछ अज्ञात हथियारबंद लोगों ने शुक्रवार देर रात बलूचिस्तान के प्रमुख मौलवी मुफ्ती शाह मीर की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि हथियारबंद लोगों ने धार्मिक विद्वान को उस समय निशाना बनाया जब वह रात की नमाज अदा करके बाहर आ रहे थे।

मणिपुर में सात उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार जब्त

इंफाल। मणिपुर में पिछले 24 घंटों के दौरान अलग-अलग अभियानों में सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया और तीन हथियार जमा कराये गये। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि लोगों ने स्वेच्छा से तीन अलग-अलग तरह के हथियार, विभिन्न गोला-बारूद और अन्य विविध सामान सौंपे।

यूपी में हिजबुल का आतंकी गिरफ्तार

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने हिजबुल मुजाहिद्दीन के फरार आतंकी को गिरफ्तार किया। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में प्रशिक्षित आतंकवादी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। यह आतंकवादी 2001 में पुलिस हिरासत से फरार हो गया था जिसकी लंबे अरसे से तलाश थी। गिरफ्तार आतंकवादी जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले का निवासी है। उसे 2001 में भारी मात्रा में हथियार और गोली बारुद समेत गिरफ्तार किया गया था मगर वह सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देकर भाग निकला था।

रूस ने 31 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया

मॉस्को। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि शुक्रवार रात रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने 31 यूक्रेनी ड्रोन को रोक दिया और उन्हें नष्ट कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि शुक्रवार रात ड्यूटी पर तैनात वायु रक्षा प्रणालियों ने 31 यूक्रेनी मानव रहित हवाई वाहनों को रोका और उन्हें नष्ट कर दिया।

अब महिला पुलिसकर्मी करेंगी पटना की यातायात का संचालन

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि अब पूरे पटना शहर के यातायात का संचालन महिला पुलिसकर्मी करेंगी। नीतीश ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला दिवस एक नयी मिशाल- पटना ट्रैफिक की जिम्मेदारी महिलाओं के हाथ कार्यक्रम में मॉडल ट्रैफिक पोस्ट का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने घोषणा की कि पूरे पटना शहर की ट्रैफिक व्यवस्था महिला पुलिसकर्मियों द्वारा संचालित की जाएगी, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

दिल्ली में महिला समृद्धि योजना लागू

गरीब महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2500 रुपये

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली की भाजपा सरकार ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को महिला समृद्धि योजना को लागू करने की घोषणा की। इसके तहत दिल्ली की गरीब महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये मिलेंगे। लाभार्थियों के सत्यापन के लिए ई-केवाईसी का उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई कैबिनेट की बैठक में इस योजना को लागू करने की मंजूरी दी गयी। कैबिनेट ने प्रारंभिक रूप से इस योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इस योजना के कार्यान्वन के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, आशीष सूद और कपिल मिश्रा शामिल हैं।

महिला समृद्धि के लिए कैबिनेट ने 5100 करोड़ की दी मंजूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली की माताओं-बहनों से किया गया वादा पूरा करते हुए हमारी सरकार ने महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपये करोड़ आवंटित किए हैं। जल्द ही हर पात्र महिला को 2500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि मोदी की गारंटी को साकार करने की प्रतिबद्धता है। योजना की पारदर्शिता, दक्षता और धन के निर्बाध वितरण को सुनिश्चित करने के लिए सरकार उन्नत प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करेगी। इसके लिए एक पोर्टल बनाया जाएगा। लाभार्थियों के सत्यापन के लिए आधार-आधारित ई-केवाईसी का उपयोग किया जाएगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वित्तीय सहायता केवल उन लोगों तक पहुंचे जो पात्र हैं। इसके अतिरिक्त लीकेज और दुरुपयोग को रोकने के लिए मजबूत डिजिटल भुगतान तंत्र लागू किए जाएंगे, जिससे प्रक्रिया सुरक्षित, परेशानी मुक्त और सभी लाभार्थियों के लिए आसानी से सुलभ हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य दिल्ली की गरीब महिलाओं को प्रति माह वित्तीय सहायता देकर महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह योजना चुनावों के दौरान हमारे संकल्प पत्र 'विकसित दिल्ली संकल्प पत्र' को दिल्ली की महिलाओ के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं विशेष रूप से गरीब परिवारों की महिलाओं के लिए आर्थिक स्थिरता और सामाजिक उत्थान सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस योजना को मंजूरी मिलने के साथ ही दिल्ली सरकार ने संकल्प पत्र में उल्लेखित अपनी प्रतिबद्धता को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

करोड़ों महिलाओं ने मुझे सबसे धनवान व्यक्ति बनाया : मोदी

महिलाओं का सम्मान करना देश के विकास पहला कदम : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं का सम्मान करना राष्ट्र के विकास की दिशा में पहला कदम है और इसी भावना के साथ भारत ने अब महिला-नेतृत्व वाले विकास का मार्ग अपनाया है।

नवसारी में जी-सफल और जी-मैत्री समेत विभिन्न योजनाओं का शुभारंभ करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं सबसे धनवान व्यक्ति हूं, क्योंकि मेरा खाता माताओं-बहनों के आशीर्वाद से भरा हुआ है और यह आशीर्वाद बढ़ता ही जा रहा है। मोदी ने कहा कि महिलाओं को नारायणी कहा गया है। महिलाओं का सम्मान करना राष्ट्र के विकास की दिशा में पहला कदम है। इसीलिए, विकसित भारत बनाने और राष्ट्र के विकास को गति देने के लिए, भारत ने अब महिला-नेतृत्व वाले विकास का रास्ता अपनाया है। हमारी सरकार महिलाओं के जीवन में उनके सम्मान और सुविधा दोनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।

गुजरात के नवसारी में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी का स्वागत करतीं महिलाएं।

2014 के बाद महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी : उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाकर दिखाया कि संविधान का सम्मान कैसे किया जाता है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि आज महिलाएं बड़ी संस्थाओं और देश के हर क्षेत्र में सर्वोच्च स्तर पर भाग ले रही हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के बाद से देश में प्रमुख पदों पर महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। 2014 के बाद केंद्र सरकार में सबसे ज्यादा महिला मंत्री बनी हैं। संसद में भी महिलाओं का प्रतिनिधित्व काफी बढ़ा है।

2019 में पहली बार 78 महिला सांसद चुनी गईं। इस बार भी 74 महिला सांसद हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि देश की न्यायपालिका में महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ी है।

अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाइयों को छू रहा भारत : उन्होंने कहा कि जिला न्यायालयों में महिलाओं की उपस्थिति 35 प्रतिशत से अधिक हो गई है। कई राज्यों में सिविल जजों की भर्ती में 50 प्रतिशत से अधिक नई नियुक्तियां हमारी बेटियों द्वारा की गई हैं। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम है। इनमें से लगभग आधे स्टार्ट-अप में महिला निवेशक प्रमुख भूमिका निभा रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वास्तव में, कई प्रमुख मिशनों का नेतृत्व महिला वैज्ञानिकों की टीमों द्वारा किया जा रहा है। हमें यह देखकर गर्व होता है कि भारत में दुनिया में सबसे अधिक महिला पायलट हैं।

नयी दिल्ली में नारा शक्ति सम्मलेन का उद्घाटन करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। साथ में केंद्रीय महिला बाल कल्याण मंत्री अन्नपूर्ण देवी।

महिलाओं से बन सकता है विकसित भारत : मुर्मू

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विकसित भारत को सभी का सपना बताते हुए कहा है कि आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी, स्वतंत्र और सशक्त महिलाओं के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण हो सकता है, इसलिए पुरुषों को महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनने में हर कदम पर सहयोग करना चाहिए। मुर्मू ने शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा नारी शक्ति से विकसित भारत विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्‌घाटन किया। राष्ट्रपति ने कहा कि यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने, उनके अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए खुद को समर्पित करने का अवसर है।

उन्होंने कहा कि आज हम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस अवधि में महिला समुदाय ने अभूतपूर्व प्रगति की है। वह अपनी जीवन यात्रा को इस प्रगति का एक हिस्सा मानती हैं। उन्होंने कहा कि ओडिशा के एक साधारण परिवार और पिछड़े क्षेत्र में जन्म लेने से लेकर राष्ट्रपति भवन तक की उनकी यात्रा भारतीय समाज में महिलाओं के लिए समान अवसरों और सामाजिक न्याय की कहानी है।

लड़कियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर माहौल जरूरी : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए लड़कियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर माहौल मिलना जरूरी है। उन्हें ऐसा माहौल मिलना चाहिए, जहां वे बिना किसी दबाव या डर के अपने जीवन के बारे में स्वतंत्र निर्णय ले सकें। हमें ऐसा आदर्श समाज बनाना है, जहां कोई भी बेटी या बहन अकेले कहीं जाने या रहने से न डरे। मुर्मू ने कहा कि महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना ही भयमुक्त सामाजिक माहौल बनाएगी। ऐसे माहौल में लड़कियों को जो आत्मविश्वास मिलेगा, वह देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि जब भी हमने महिलाओं की प्रतिभा का सम्मान किया है, उन्होंने कभी निराश नहीं किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां महिलाओं ने अपनी बुद्धि, विवेक और ज्ञान के बल पर न केवल ख्याति अर्जित कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया है, बल्कि देश और समाज का मान भी बढ़ाया है।

खनिज और सुरक्षा समझौते पर जल्द हस्ताक्षर करेंगे : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनका देश जल्द से जल्द शांति चाहता है। इसके लिए उनका देश अमेरिका समेत अपने साझेदारों के साथ निरंतर काम कर रहा है। जेलेंस्की का यह बयान ऐसे समय आया है, जब हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की ने उन्हें पत्र लिखकर बताया है कि उनका देश वार्ता की मेज पर आने और खनिजों एवं

सुरक्षा संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। जबकि ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह यूक्रेन युद्ध के समाधान के लिए रूस पर प्रतिबंध और शुल्क लगाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि रूस के साथ शांति के लिए अपने साझेदारों के साथ बहुत काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम उन साझेदारों के साथ काम कर रहे हैं, जो शांति चाहते हैं। हम आवश्यक कदमों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम यूरोप में अमेरिका के साथ और सऊदी अरब में बैठक की तैयारी कर रहे हैं।

किसान बनेंगे ऊर्जादाता : शाह

गिर सोमनाथ। । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को कोडिनार में सुगर मिल के पुनरुद्धार और आधुनिकीकरण का भूमि पूजन किया। जूनागढ़ के चांपरडा में उन्होंने ब्रह्मानंद विद्याधाम में विभिन्न प्रकल्पों के लोकार्पण और भूमिपूजन के कार्यक्रम के बाद अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए। रविवार को वे अहमदाबाद में धार्मिक, सामाजिक और विकास कामों में शामिल होंगे। शाह ने कहा कि अन्नदाता कहलाने वाले किसान अब ऊर्जा दाता भी बनेंगे। शाह ने कहा कि सुगर फैक्टरी से

इथेनॉल और इससे बिजली बनाकर ऊर्जा और गैस का उत्पादन भी होगा। इथेनॉल के उत्पादन से देश में पेट्रोलियम आयात में भी कमी आएगी।

महाकुंभ ने बांसवाड़ा में बहाई सनातन की बयार

तीस साल पहले मंदिर को चर्च बनाया था, फिर बन रहा मंदिर

एजेंसी

बांसवाड़ा। तीर्थराज प्रयागराज में 144 साल बाद लगे महाकुंभ ने सनातन की ऐसी बयार बहाई है कि पूरे देश में अलग ही माहौल नजर आ रहा है। इसका असर राजस्थान प्रदेश के जनजाति जिले बांसवाड़ा में भी देखने को मिल रहा है। दरअसल बांसवाड़ा जिले में एक गांव ऐसा है, जहां के लोगों ने सालों पहले धर्म परिवर्तित कर ईसाई धर्म को स्वीकार कर लिया था। अब पूरा गांव एक बार फिर से सनातन धर्म में वापस लौट रहा है। इतना ही नहीं, गांव में करीब 30 साल पहले भैरव जी का मंदिर था, जिसे चर्च में बदल दिया गया था।

अब 30 साल बाद चर्च को फिर से मंदिर में बदला जा रहा है। सनातन धर्म में घर वापसी और मंदिर के उद्घाटन का कार्यक्रम रविवार को धूमधाम से किया जाएगा। बांसवाड़ा जिले के गांगड़तलाई पंचायत समिति के सोड़ला दूधा गांव का माहौल ही कुछ अलग है। कभी चर्च में पादरी

- **धर्म परिवर्तन करने वाला पूरा गांव कर रहा है 'घर वापसी'**
- **गांगड़तलाई के निकट सोडला दूधा गांव का है मामला**
- **चर्च के पादरी गरासिया ने फिर हिंदू धर्म अपनाया**

का काम करने वाले गौतम गरासिया ने भी हिंदू धर्म में घर वापसी कर ली है। उन्होंने बताया कि देश और प्रदेश में बह रही सनातन संस्कृति और महाकुंभ से मिले संदेश के बाद इस गांव के लोगों ने जिन्होंने पूर्व में ईसाई धर्म अपना लिया था, अब फिर से हिंदू धर्म अपना रहे हैं। साथ ही गांव में बने हुए 30 साल पुराने चर्च का रूप बदलकर फिर से यहां भैरव जी का मंदिर बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि सालों पूर्व यहां ईसाई मिशनरी से प्रभावित होकर पूरे गांव के लोगों ने ईसाई धर्म अपना लिया था, लेकिन और अब उनके मन में फिर से सनातन संस्कृति की ओर रुख

हुआ और अब फिर से वह हिंदू धर्म अपनाते हुए यहां भैरव जी का मंदिर स्थापित कर रहे हैं। भारत माता मंदिर से प्रेरणा लेकर इस जनजाति क्षेत्र में इस तरह का पहला आयोजन है। इससे प्रभावित होकर यह संभावना है कि आने वाले दिनों में और भी कई गांव में ईसाई धर्म अपना चुके लोग वापस सनातन की ओर अपने घर की वापसी करेंगे।

जीएसएलवी क्रायो स्टेज इंजन सफल

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने जीएसएलवी के क्रायोजेनिक ऊपरी चरण के साथ स्पार्क टॉर्च इग्नाइटर का उपयोग करके प्रक्षेपण यान चरणों के प्रज्वलन परीक्षण का कई पुनः आरंभ सफलतापूर्वक किया है। एक अपडेट में, इसरो ने कहा कि वह अगले पीढ़ी के प्रक्षेपण यान के लिए लॉक्स-मीथेन इंजन और चरणों का विकास कर रहा है, जो एक पुनः प्रयोज्य बूस्टर चरण और दो नष्ट होने वाले ऊपरी चरणों का उपयोग किया जाता है। इस विन्यास में, बूस्टर चरण की पुनर्प्राप्ति के लिए एकाधिक पुनःप्रारंभ आवश्यक होंगे, साथ ही मिशन लचीलेपन के लिए ऊपरी चरण को पुनःप्रारंभ करना भी आवश्यक होगा। तमिलनाडु के महेंद्रगिरि स्थित इसरो का द्रव नोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) भविष्य के लॉक्स-मीथेन चरणों के लिए स्पार्क टॉर्च इग्नाइटर विकसित कर रहा है, जिसके निम्नलिखित लाभ होंगे: मल्टी-रीस्टार्ट क्षमता, उच्च प्रज्वलन विश्वसनीयता और स्वच्छ दहन उत्पाद आदि।